राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 01 मई 2025
वर्ष 06, अंक 212, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्राम पंचायत बम्हनपुर में स्थित कुआं जो कि अब भू माफिया की नजर में है.....06

जयशंकर का डिप्लोमैटिक एक्शन, UNSC के 7 अस्थायी सदस्य देशों से की बात, जानें कैसे फंसेगा पाकिस्तान...12

भारत-नेपाल सीमा से सटे जिलों में बुलडोजर एक्शन; मदरसे सील, मस्जिदों को नोटिस, सैकड़ों अवैध धार्मिक स्थल ढहाए गए

स्वतंत्र प्रभात

उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत-नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील जिलों में अतिक्रमण और बिना मान्यता संचालित मदरसों के खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ दिया है. इसके तहत लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी नेपाल सीमा से सटे जनपदों में बुलडोजर एक्शन हुआ. इसके तहत कई अवैध धार्मिक स्थलों और अतिक्रमण ढहा दिए गए. वहीं, बिना मान्यता चल रहे मदरसों पर भी नकेल कसते हुए उन्हें सील किया जा रहा है. कुल मिलाकर अब तक सैकड़ों अवैध अतिक्रमण को हटाए जा चुका हैं. इन जिलों में बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और श्रावस्ती शामिल हैं।

योगी सरकार इन जिलों में अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है।

बहराइच 117 अवैध निर्माण हटाए गए, 5 मदरसे सील- मुख्यमंत्री के आधिकारिक मीडिया टीम द्वारा जारी बयान के मुताबिक बहराइच में मंगलवार को भी सरकार का एक्शन जारी रहा. यहां तहसील नानपारा और मिहींपुरवा में अब तक कुल 117 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं. मंगलवार को मोतीपुर क्षेत्र में एक मदरसा दारूल उलूम अजीजिया हदीकतुल नोमान को सील किया गया. इससे पहले 28 अप्रैल को चार और मदरसों पर इसी तरह की कार्रवाई हुई थी.

बलरामपुर में बड़ी कार्रवाई, 20 मदरसे बंद- इस क्रम में बलरामपुर में जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जांच में 20 मदरसे मानक विहीन पाए गए. किसी के पास मान्यता के अभिलेख नहीं थे तो किसी में निर्धारित पाठ्यक्रम तक नहीं चल रहा था. इन सभी को बंद कर दिया गया है. यही नहीं, दो अन्य मदरसों को भी नोटिस जारी किया गया है और इन पर भी अभिलेख न मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में 3 मस्जिदों-14 मदरसों को नोटिस- योगी सरकार का एक्शन सिरद्धार्थनगर में भी जारी है. सिद्धार्थनगर में 3 मस्जिदों और 14 मदरसों को अवैध रूप से निर्मित पाया गया है। प्रशासन ने 28 अप्रैल को नोटिस जारी कर कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। महाराजगंज और श्रावस्ती में भी तेजी से

कार्रवाई- इसी तरह, महाराजगं के नौतनवां, फरेंदा और निचलौल में कुल 29 अवैध अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं. वहीं, श्रावस्ती में 33 मदरसों को सील करते हुए एक मस्जिद को हटाया गया है. ग्राम भरथारौशनगढ़ में अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

जस्टिस बी आर गवई भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश नियुक्त, 14 मई को संभालेंगे सीजेआई का पदभार

जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने दस दिन का होगा और वे 23 नवंबर 2025 को 65 वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होंगे। वे देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस के. जी. बालाकृष्णन इस पद पर आसीन रहे थे।

दिल्ली में कथित क्लासरूम निर्माण घोटाले में सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर एफआईआर

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में क्लासरूम निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने एफआईआर दर्ज की है। इस घोटाले की राशि लगभग 2,000 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें 12,748 कक्षाओं के निर्माण में अत्यधिक लागत और अनियमितताओं का आरोप है। यह कार्रवाई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गृह मंत्रालय से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच की मंजूरी मिलने के बाद की गई है। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग और लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित इस परियोजना में 12,748 क्लासरूम का निर्माण शामिल था, जिसकी कुल लागत 2,892.65 करोड़ रुपये बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, हर क्लासरूम का निर्माण 24.86 लाख रुपये की लागत से किया गया, जबकि सामान्य तौर पर दिल्ली में ऐसी कक्षा का निर्माण लगभग 5 लाख रुपये में हो सकता है। यह लागत लगभग पांच गुना अधिक थी, जिसे "बहुत ज्यादा बढ़ाया गया" करार दिया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि परियोजना में कई अनियमितताएँ थीं। किसी भी काम को तय समय सीमा में पूरा नहीं किया गया। सलाहकारों व आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसके अलावा, शिक्षा और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया और लोनिवि मंत्री सत्येंद्र जैन की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। ACB के अनुसार, इतने बड़े पैमाने पर घोटाला बिना मंत्रियों की संलिप्तता या जानकारी के संभव नहीं हो सकता। यह मामला पहली बार 2019 में तब सामने आया जब बीजेपी नेताओं हरीश खुराना, कपिल मिश्रा (तब आप के बागी विधायक, अब दिल्ली सरकार में मंत्री) और नीलकंठ बख्शी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्लासरूम निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला हुआ है। इसके बाद, 2020 में केंद्रीय सतर्कता आयोग ने 2,405 क्लासरूम निर्माण में "SÂC अनियमितताओं" की ओर इशारा किया था। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पहले भी विभिन्न मामलों में कानूनी कार्रवाइयों का सामना कर चुके हैं। सिसोदिया को 2021-22 की दिल्ली शराब नीति में कथित अनियमितताओं के लिए गिरफ्तार किया गया था, जबकि जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। दोनों नेता फिलहाल ज़मानत पर हैं।

एनएसएस शिविर में छात्रों से जबरन नमाज पढ़वाई!

स्वतंत्र प्रभात

छत्तीसगढ़ में एक एनएसएस शिविर में छात्रों से जबरन नमाज पढ़वाने के आरोप में 7 प्रोफेसरों सहित 8 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई? छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में छात्रों से जबरन नमाज़ पढ़वाने का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। 159 छात्रों में सिर्फ़ 4 मुस्लिम छात्र थे। सभी प्रोफ़ेसर से लेकर छात्र नेता और कैंप संचालक तक हिंदू। कुछ छात्रों ने शिकायत की कि उनको जबरन नमाज़ पढ़वाई गई। जिनपर आरोप लगे वे सभी प्रोफेसर व छात्र नेता भी हिंदू हैं। दरअसल, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के एक राष्ट्रीय सेवा योजना यानी एनएसएस शिविर के दौरान हुए इस मामले पर बड़ा विवाद छिड़ गया है। 26 मार्च से 1 अप्रैल 2025 तक शिवतराई गांव में एनएसएस शिविर लगा था। आरोप है कि इसमें 159 छात्रों को ईद के दिन यानी 31 मार्च को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। इनमें सिर्फ़ चार मुस्लिम थे। इस मामले में सात प्रोफेसरों और एक छात्र नेता के ख़िलाफ़ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और धार्मिक आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

शिवतराई गाँव में आयोजित एनएसएस शिविर में योग और सामुदायिक सेवा जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही थीं। 31 मार्च को ईद-उल-फितर का दिन था। रिपोर्टों में कहा गया है कि कुछ मुस्लिम छात्रों ने स्कूल के मैदान में नमाज अदा की। शिकायत के अनुसार, शिविर के समन्वयक और प्रोफ़ेसरों ने ग़ैर-मुस्लिम छात्रों को भी नमाज में शामिल होने के लिए कहा और वह भी बिना उनकी सहमति के। कुछ छात्रों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई कि अगर उन्होंने नमाज में हिस्सा नहीं लिया तो उन्हें शिविर का प्रमाणपत्र नहीं दिया जाएगा, जो उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड के लिए अहम है।

इस घटना के बाद कुछ छात्रों ने कोनी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत में दावा किया गया कि यह न केवल उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन था, बल्कि एक सुनियोजित प्रयास था जिसका उद्देश्य धार्मिक आधार पर प्रभाव डालना था। शिकायत के साथ कुछ दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्य भी शामिल थे, जिन्होंने इस मामले को और अधिक तूल दिया।

'द फ्री प्रेस जर्नल' की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने प्रोफ़ेसर दिलीप झा, मधुलिका सिंह, ज्योति वर्मा, नीरज कुमारी, प्रशांत वैष्णव, सूर्यभान सिंह, बसंत कुमार और छात्र नेता आयुष्मान चौधरी के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की है। प्रोफेसरों और छात्र के ख़िलाफ़ समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकीकरण के लिए हानिकारक दावे, जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, जो किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उसके धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके आहत करने के इरादे से किए गए, किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के जानबूझकर इरादे से शब्दों का उच्चारण आदि और ग़ैरक़ानूनी सभा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जस्टिस बी आर गवई भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश नियुक्त, 14 मई को संभालेंगे पदभार

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद विधि मंत्रालय ने मंगलवार को न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को सीजेआई का पदभार संभालेंगे। मौजूदा सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का 13 मई को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, 16 अप्रैल को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति गवई के नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार को की थी। वह वर्तमान सीजेआई खन्ना के बाद उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने दस दिन का होगा और वे 23 नवंबर 2025 को 65 वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होंगे। वे देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस के. जी. बालाकृष्णन इस पद पर आसीन रहे थे।

उच्चतम न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ। उन्होंने 16 मार्च 1985 को वकालत की दुनिया में कदम रखा और शुरुआत में दिवंगत राजा एस. भोंसले, जो पूर्व महाधिवक्ता और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रह चुके हैं, उनके साथ कार्य किया। वर्ष 1987 से 1990 तक उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र वकालत की और इसके बाद मुख्य रूप से नागपुर पीठ के समक्ष विभिन्न मामलों की पैरवी करते रहे।

संवैधानिक और प्रशासनिक कानून उनके प्रमुख क्षेत्र रहे हैं। वे नागपुर नगर निगम, अमरावती नगर निगम और अमरावती विश्वविद्यालय के स्थायी वकील रहे। इसके अलावा एसआईसीओएम, डीसीवीएल जैसे स्वायत्त निकायों और विदर्भ क्षेत्र की नगर परिषदों के लिए भी वे नियमित रूप से अदालत में पेश होते रहे। अगस्त 1992 से जुलाई 1993 तक वे नागपुर पीठ में सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक के तौर पर नियुक्त रहे। बाद में, 17 जनवरी 2000 को उन्हें सरकारी वकील और लोक अभियोजक नियुक्त किया गया। 14 नवंबर 2003 को वह बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बने और 12 नवंबर 2005 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने मुंबई की मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में भी विभिन्न प्रकार के मामलों की अध्यक्षता की। 24 मई 2019 को उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। अपने छह वर्षों के कार्यकाल में न्यायमूर्ति गवई करीब 700 पीठों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें उन्होंने संविधान, प्रशासनिक, दीवानी, आपराधिक, वाणिज्यिक, पर्यावरण और शिक्षा संबंधी मामलों पर काम किया। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने कई महत?वपूर्ण निर्णय द?िए हैं, इनमें कई संविधान पीठ के ऐतिहासिक फैसले भी शामिल हैं, जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों की रक्षा से जुड़े हैं। न्यायमूर्ति गवई ने उलानबटार (मंगोलिया), न्यूयॉर्क (अमेरिका), कार्डिफ़ (यूके) और नैरोबी (केन्या) जैसे शहरों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विश्वविद्यालय सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में संवैधानिक और पर्यावरणीय विषयों पर व्याख्यान भी दिए हैं। वह 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

बाघ के हमले में घायल किसान को मिली मदद वन विभाग ने दिया 10 हज़ार रुपए का चेक, किसानों को सतर्क रहने की दी सलाह

सीतापुर लहरपुर क्षेत्र के गांव रावल अदेसर में बाघ के हमले से घायल हुए किसान को वन विभाग ने आर्थिक मदद दी है। 23 अप्रैल को गेहूं की कटाई के दौरान बाघ ने 45 वर्षीय किसान ओमप्रकाश पर हमला किया था जिला अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटे ओमप्रकाश को बुधवार को वन विभाग के अधिकारियों ने उनके घर जाकर 10,000 रुपए का चेक सौंपा इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी हरीश श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी मौजूद थे। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी उन्हें खेतों में लाठी-डंडे लेकर जाने को कहा गया वन क्षेत्राधिकारी ने कांबिंग कर रही टीम को कोई लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाघ के पकड़े जाने तक लगातार कांबिंग जारी रहेगी कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र त्रिवेदी, रामसागर मौर्य, निर्मल, सकटु, सुंदरलाल समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे!!

मनरेगा योजना में अनियमितता की शिकायत, जिलाधिकारी ने दिया जांच के आदेश

सिद्धार्थनगर। बर्डपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 में मनरेगा योजना में जिम्मेदारों द्वारा गड़बड़ी किए जाने की शिकायत मंगलवार को हुई थी। ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 में मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर बरती जा रही अनियमितता व भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत हुई. डीएम को दिये शिकायत पत्र में लिखा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना द्वारा किये गये कार्यों का स्थलीय जांच एवं भौतिक सत्यापन आवश्यक है. बताया कि सरकारी नियमों की अनदेखी करते हुए रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान, एवं सम्बंधित अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी खजाने की लूट की गयी. जो स्थलीय जांच से ही स्पष्ट हो जायेगा. ग्रामीणों ने इस दिशा में उचित कार्रवाई की मांग की है. शिकायती पत्र मिलने बाद जिलाधिकारी की ओर से अविलंब जांच का आदेश दिया गया है।

मेरी दादी जिंदा होती तो पाकिस्तान को करारा जवाब मिलता- राहुल

● मुझे दर्द महसूस है, मैंने आतंकी हमलों में अपने पिता और दादी को खोया है

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। राहुल गांधी ने आज कानपुर में शुभम द्विवेदी के घर पर कहा कि यदि आज हमारी दादी(इंदिरा गांधी) जिंदा होती तो पाकिस्तान को करारा जवाब मिलता जैसा कि 1971 में मिला था। गौरतलब है कि 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह पराजित किया था और बंगलादेश के रुप में उसके दो टुकड़े करा दिये थे। राहुल ने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या राहुल को देखकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उन्हें गले लगा लिया और सांत्वना दी। ऐशन्या ने राहुल को पहलगाम में हुई घटना के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मेरे पति को आतंकियों ने गोली मार दी। ऐशन्या ने बताया कि हर जगह सुरक्षा की व्यवस्था थी, लेकिन पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी। राहुल ने कहा- कहीं ना कहीं सुरक्षा में चूक रही है।

मेरी सरकार होती तो अब तक फैसला हो चुका होता । कहीं न कहीं सुरक्षा में चूक हुई है। लेकिन अब हम सरकार के हर फैसले के साथ हैं।शुभम के परिजनों से राहुल गांधी करीब 20 मिनट तक बात की। इस दौरान शुभम के पिता ने राहुल गांधी से सवाल पूछते हुए कहा कि आपने भी यह दर्द झेला है। आपकी अगर दादी आज जिंदा होतीं तो क्या देश में इस तरीके के हमले होते? इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अगर दादी जिंदा होतीं, तो 1971 की तरह ही पाकिस्तान को जवाब दिया जाता। इस तरीके के हमले भारत के अंदर बिल्कुल भी नहीं होते।

आग लगने से सामान जल कर राख

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नावडीह में कैसराम भारती, मुकेश कुमार के फूस की झोपड़ी में मंगलवार की रात अचानक आग लगने से झोपड़ी में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। झोपड़ी के अंदर महिलाएं थी। दोनों भाई घर पर नहीं थे। महिलाएं झोपड़ी को जलते देख शोर करना शुरू किया, इतने में दोनों भाई आ पहुंचे ग्रामीणों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अग्नि घटना में लगभग हजारों रुपए के क्षति होने का अनुमान है।

बैंक से 1.57 करोड़ के गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में एक महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर शहर के गोला रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में चार महीने पहले दर्ज हुए एक करोड़ 57 लाख 64 हजार रुपए के गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन लोंगो ने नकली सोना को असली बताकर बैंक को गुमराह कर गोल्ड लोन लिया था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मथुरापुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर निवासी मो. गुलाम हैदर की पुत्री माहेलका, अकबरपुर वार्ड संख्या 5 निवासी मो. आज़ाद के पुत्र मो. बरकत, और वार्ड 9 निवासी मो. चांद के पुत्र मो. अजहर इमाम के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। विदित कि बैंक की आंतरिक जांच में खुलासा हुआ था कि कुल 72 ऋण खातों में नकली सोना जमा कर लोन लिया गया था। यह एफआईआर बैंक के दरभंगा क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक राजीव कुमार चौधरी के बयान पर दर्ज की गई थी। जांच में यह भी पाया गया कि कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के शंभूपट्टी निवासी स्वर्ण जांचकर्ता अमरजीत साह ने नकली सोने को असली बताकर बैंक को गुमराह किया था। इन्हीं की रिपोर्ट के आधार पर खाता धारकों को गोल्ड लोन स्वीकृत किया गया था। बता दें कि अमरजीत साह पूर्व में ताजपुर रोड शाखा में हुए 50 लाख रुपए के गोल्ड लोन घोटाले में भी आरोपी बनाए जा चुके हैं। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया की पुलिस टीम ने गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बैंक की ओर से दर्ज प्राथमिकी में कुल 50 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें महिला आरोपियों की संख्या अधिक है। पुलिस अब शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी कर रही है।

विकास खंड के सिविलियन विद्यालय जांच के दौरान एसडीएम ने पी कई खामियां

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। विकासखंड कुंभी (गोला) क्षेत्र के ग्राम विश्नूवेहड, ग्राम पंचायत निजामपुर के संविलियन विद्यालय का उपजिलाधिकारी विनोद कुमार गुप्ता गोला ऑर्किड निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निम्नलिखित कमियां पायी गयी।जॉच के समय मौके पर उपस्थित इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा 10.30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित बच्चों की संख्या नहीं बतायी जा सकी, प्रधानाध्यापक द्वारा मध्यान्ह भोजना योजना के अन्तर्गत क्या मीनू है और कितने बच्चों के लिए बन रहा है? इस सम्बंध में कोई सही जवाब नहीं दे पायीं।, विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं है। केवल एक इण्डिया मार्का हैण्डपम्प है, तथा समरसेबिल पंप का बिजली कनेक्शन कटा हुआ पाया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि विद्युत व्यवस्था विगत 3-4 दिन से खराब हैं, हैण्डवॉश यूनिट कियाशील नहीं है। शौचालय में पानी की व्यवस्था न होने के कारण साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। विद्यालय की बाउण्ड्रीवॉल निर्मित नहीं है।,विद्यालय में जर्जर कक्ष है जिसका निर्माण वर्ष 2006 में हुआ था जिसका नियमानुसार ध्वस्तीकरण आवश्यक है।,विद्यालय में डी0बी0टी0 वितरण के सम्बंध में इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं करायी जा सकी। इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा शैक्षणिक व विद्यालय के कार्यों में रूचि न लिये जाने के सम्बंध में बेसिक शिक्षाधिकारी लखीमपुर-खीरी को जॉच आख्या प्रेषित की गयी है।

जनपद सीतापुर में आंगनबाड़ी भर्ती घोटाला- न्याय की पुकार और जनआंदोलन की गूंज

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

सीतापुर/जनपद सीतापुर इन दिनों आंगनबाड़ी भर्ती घोटाले को लेकर उबाल पर है। जिले भर की सैकड़ों पीड़ित आवेदिकाएं भ्रष्टाचार और पक्षपातपूर्ण चयन प्रक्रिया के खिलाफ आवाज़ बुलंद कर रही हैं। हाल ही में इन आवेदिकाओं ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के लखनऊ स्थित आवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने पीड़ितों की बात को गंभीरता से लेते हुए उन्हें न्याय का आश्वासन दिया और मुख्यमंत्री से इस विषय में शीघ्र मुलाकात कराने की बात कही।

यह आंदोलन अब एक स्थानीय विरोध प्रदर्शन से आगे बढ़कर जनांदोलन का रूप ले चुका है। इसके नेतृत्व में समाजसेवी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह हैं, जो भारतीय किसान संघ (अवध प्रांत) के कसमंडा ब्लॉक अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने जिले की विभिन्न विकास खंडों—जैसे कसमंडा, सिधौली, गोदलामऊ, मिश्रिख, खैराबाद, हरगांव, मछरेहटा, परसेंडी, महोली, बिसवां, महमूदाबाद—से सामने आई शिकायतों को एकत्र कर संगठित स्वर प्रदान किया है।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। कई मामलों में अभ्यर्थियों को विधवा या तलाकशुदा दर्शाकर फर्जी आधार पर चयनित किया गया, जबकि ग्राम प्रधानों द्वारा उन्हें अविवाहित प्रमाणित किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो क्लिप्स और दस्तावेजों ने इस घोटाले की पुष्टि की है। कई सीडीपीओ, सुपरवाइजर और लिपिकों पर रिश्वत लेने, धमकी देने और शासनादेश की अवहेलना करने के आरोप लगाए गए हैं। एक महिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन फेंक देने की घटना ने प्रशासनिक अमर्यादा की सारी सीमाएं पार कर दीं।

1. निष्पक्ष जांच - लोकायुक्त, सतर्कता आयोग या न्यायिक एजेंसी द्वारा।
2. दोषियों पर कार्रवाई - एफआईआर दर्ज कर तत्काल निलंबन।

3. भर्ती रद्द कर पुनः प्रक्रिया - पारदर्शी तरीके से चयन प्रक्रिया दोबारा चलाई जाए
4. RTI के माध्यम से पारदर्शिता - भर्ती से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं।

04 अप्रैल से 24 अप्रैल तक पीड़ित आवेदिकाएं कई बार जिला मुख्यालय पर धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन सौंप चुकी हैं। अब उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह में न्यायिक कार्रवाई नहीं हुई, तो वे लखनऊ तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन करेंगी। यह मामला मात्र एक भर्ती घोटाले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मेहनती युवाओं के भविष्य का प्रश्न है, जिन्होंने नियमों पर विश्वास कर आवेदन किया था। यदि समयबद्ध और निष्पक्ष जांच न हुई, तो यह शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गहरा प्रश्नचिह्न बनेगा। शासन-प्रशासन से अपेक्षा है कि वह इस जन आंदोलन की संवेदनशीलता और गंभीरता को समझे, और समय रहते न्यायिक कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाए।

संक्षिप्त खबरें

जबरन जमीन कबजा के मामले में हुई मारपीट

दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

बस्ती। बस्ती जिले में बुधवार को मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के भिटहा निवासी परमात्मा प्रसाद चौधरी पुत्र जगराम, रमाकान्त, राम प्रसाद, मोहनलाल ने पुलिस अधीक्षक से मांग किया है जमीनी रंजिश में जबरिया बाग के नम्बर पर मिट्टी गिराने और मना करने पर गालियां देकर मारने पीटने वाले गांव के ही दीनानाथ, संदीप पुत्र दीनानाथ, राजकुमारी पत्नी दीनानाथ के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के भिटहा निवासी परमात्मा प्रसाद चौधरी ने बताया कि इस मामले में मुण्डेरवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3), 127 (2) के तहत मुकदमा तो दर्ज कर लिया है किन्तु गिरफ्तारी न होने से उनका मनोबल बढा हुआ है। उक्त लोग देख लेने की धमकियां दे रहे हैं। मांग किया कि दोषियों को गिरफ्तार कर उनके परिवार के जान माल और जमीन की सुरक्षा कराया जाय। तथा दोषियों की गिरफ्तारी कीजाए दूसरे प्रति को जान माल सुरक्षा बनी रहे आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कराई जाए।

रिद्धि सिद्धि ट्रैक्टर्स के नाम से एसीई ट्रैक्टर्स एजेंसी का भव्य उद्घाटन

पचपेडवा बलरामपुर – पएसीई ट्रैक्टर्स एजेंसी का उद्घाटन पचपेडवा क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी राम सरन गुप्ता द्वारा रिद्धि सिद्धि ट्रैक्टर्स के नाम से एसीई ट्रैक्टर्स एजेंसी का उद्घाटन मंगलवार को गुप्ता हाता पर किया गया विधि विधान पूजन अर्चना के बाद देवी प्रसाद गुप्ता ने फीता काटकर एजेंसी का उद्घाटन किया इस अवसर पर कंपनी के एरिया मैनेजर महेश कुमार मौर्या ने एसीई ट्रैक्टर्स की विशेषताओं और लबों पर चर्चा की गई और किसानों को इन ट्रैक्टर के बारे में जानकारी दी गई,दीपक शुक्ला,इस अवसर पर रामसरन गुप्ता,रमेश कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता,अजय जायसवाल, रामविलास विश्वकर्मा, राजेश गुप्ता, मदनलाल जायसवाल, डाक्टर सुनील सिंह,गिरजेश पांडेय, सतीश चन्द्र मिश्रा मनोज त्रिपाठी, अशोक मौर्य,सभासद शशिकांत सोनी, उमेश मोदनवाल, राजेश कुमार यादव कोटेदार सलाहुद्दीन कोटेदार, विक्की सोनी समेत क्षेत्र के दर्जनों किसान एवं गणमान्य लोग एवं एसीई कंपनी के प्रतिनिधि शामिल रहे। समारोह के दौरान एसीई ट्रैक्टरों की विशेषताओं लाभो और किसानों के लिए उनकी उपयोगिता पर चर्चा की गई ।

जिला पंचायत सभागार में विश्व श्रमिक दिवस समारोह का आज आयोजन

प्रतापगढ़। श्रमिकों के अंतरराष्ट्रीय त्यौहार मई दिवस के अवसर पर जिला पंचायत के पुराने सभागार में विश्व श्रमिक दिवस समारोह का आयोजन गुरुवार को सायं 4:30 बजे से किया गया है। इस समारोह में संगठित एवं असंगठित, क्षेत्र केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों निगम के कर्मचारी मजदूर संगठनों के प्रतिनिधिगण हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर श्रमिक संघर्षो को याद करते हुए श्रमिकों के हक एवं अधिकार व उनके कल्याण की योजनाओं के संबंध में चर्चा होगी। कार्यक्रम का आयोजन जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल प्रतापगढ़ के तत्वावधान में किया गया है उक्त जानकारी देते हुए जिला ट्रेड यूनियन काउंसिल प्रतापगढ़ के अध्यक्ष हेमंत नंदन ओझा एवं मंत्री नारेंद्र प्रसाद मिश्र ने जनपद के सभी कर्मचारी मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों से कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सात करोड़ रूपये से अधिक अवैध ढंग से अर्जित संपत्ति को कुर्क करने का डीएम ने दिया आदेश

प्रतापगढ़। सपा के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव की काली कमाई से अर्जित अवैध संपत्ति को कुर्क करने का जिलाधिकारी द्वारा आदेश दिया गया है। डीएम शिव सहाय अवस्थी ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गुलशन यादव द्वारा अर्जित सात करोड़ 15 लाख रूपये से अधिक अवैध संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। हत्या का प्रयास, हत्या व रंगदारी जैसे 53 संगीन मामले गैंग सरगना गुलशन यादव पर दर्ज हैं। जेल में निरुद्ध होने के कारण सपा जिलाध्यक्ष छवि नाथ यादव के भाई गुलशन यादव को सपा का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

गरीब परिवारों के घरों को उजाड़ने की रची जा साजिश, गरीब परिवारों में प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

●- पीड़ित परिवारों ने जिला अधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता से किया शिकायत, जांचकर कार्यवाही की किया मांग जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं अधिकारी मुख्यमंत्री की सारी योजनाएं हो रहे हैं लाभ नहीं मिल रहे जनता समस्याओं से जूझ रही है जनता- पूर्वजों के सैकड़ों वर्षो से अधिक समय से बसे भूमि पर कर रहे निवास

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खण्ड बहादुरपुर के अर्न्तगत ग्राम पंचायत कुसौरा में दलित गरीब परिवारों ने जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता को लिखित शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है । पीड़ित दलित परिवार ने दूसरे गांव के अताउर्रहमान पुत्र सरफराज नाम व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर आरोप लगाया है कि अताउर्रहमान द्वारा कूटरचित षड्यंत्र के तहत फर्जी कागजातों को तैयार कर गरीब परिवारों के घरो को उजाड़ने की तैयारी चल रही है । हम सब पूर्वजों के द्वारा बसे स्थानों पर लगभग सैकड़ो वर्षो से रह रहे है । हमारे कुछ पूर्वजों की समाधि स्थल भी उक्त भूमि पर वर्तमान समय में बनी है लेकिन अताउर्रहमान के परिवार के सदस्यों द्वारा बार - बार कहा जा रहा है कि जिस जमीन पर दलित परिवारों का कब्जा हैं वह जमीन हमने अपने परिवारों के सदस्यों के नाम लगभग 10 वर्षो पहले पट्टा कराया है । अब बड़ा सवाल यह है कि अताउर्रहमान समेत पूरे परिवार के सदस्यों का निवास स्थान दूसरे ग्राम पंचायत में है । दूसरे ग्राम पंचायत का निवासी होने के बाद भी अताउर्रहमान के परिवार के सदस्यों के नाम पट्टा कैसे हो गया जो जांच व कार्यवाही का विषय बना हुआ है क्योंकि सरकारी भूमि पर किसी परिवार का किसी का प्रकार का कब्जा होना चाहिए व ग्राम पंचायत का मूल निवासी होना आवश्यक होता है । पट्टा गरीब व असहाय परिवार के किसी सदस्यों के नाम किया जाता है । सूत्रों की माने तो अताउर्रहमान पुत्र सरफराज लगभग 20 वर्षो से सरकारी नौकरी कर रहे हैं । सरकारी पद पर कार्य करते हुए कूटरचित तरीके से आपात्र होते हुए दलित गरीब परिवारों के बसे स्थान को अपने परिवार के सदस्यों के नाम पट्टा करा लिया है । सरकारी पद पर रहते हुए अपने परिवार के सदस्यों के नाम दूसरे ग्राम पंचायत के सरकारी जमीन को अपने परिवार के सदस्यों के नाम पट्टा कराकर पट्टा की भूमि को अन्य किसी व्यक्ति को बिक्री करना शासनादेश के खिलाफ है । दलित गरीब पीड़ित परिवारों ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को शिकायती पत्र देकर मांग किया कि उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम गठित करके कूटरचित / फर्जी सरकारी भूमि पर हुए पट्टा को निरस्त किया जाए और दलित गरीब परिवारों को परेशान करने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएं । उक्त प्रकरण में हल्का लेखपाल महेंद्र यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है मीडिया के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है । शिकायत अभी नहीं मिला है शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर दलित गरीब परिवारों को न्याय दिलाया जाएगा

अखिलेश यादव का कलश चौराहा तुलसीपुर पर पुतला दहन किया गया

बलरामपुर –आज भारतीय जनता पार्टी तुलसीपुर द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता जी के अगुवाई में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के अपमान को लेकर अखिलेश यादव का कलश चौराहा तुलसीपुर पर पुतला दहन किया गया जिस पर अखिलेश यादव मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए उनका विरोध प्रदर्शन किया गया किशनदेव गुप्ता ने बताया कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रति की गई अपमानजनक अखिलेश यादव जी को माफी मांगना पड़ेगा, समय पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री विष्णु देव गुप्ता भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री ऋतिक चौरसिया मंडल अध्यक्ष विश्राम सिंह रामदयाल सोनी चरण शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष ब्रिज गोपाल पांडे अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिवकुमार वाल्मीकि मंडल महामंत्री विजय प्रताप सोनी आदि तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरसों से मिले पट्टे के भूमि पर दबंग का कब्जा पट्टे दारोको कब्जा दिलाने की मांग

●पट्टे की जमीन पर कब्जा को दिलाने की मांग दबंगो द्वारा कब्जा करने से रोके रहे हैं सरकार द्वारा मिले सरकारी भूमि पर आवासीय पट्टे पर कब्जा करने से रोका जा रहा है

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में मंगलवार को कलवारी थाना क्षेत्र के बैडारी एहतमाली निवासी रामजीत पुत्र बुद्धू, चन्द्रिका पुत्र मुन्नीलाल, विरेन्द्र कुमार पुत्र रामराज, राम सूरत पुत्र झोपई, मनीराम पुत्र दूबर आदि ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र प्रशासनिक अधिकारी देकर आवासीय पट्टे की भूमि पर कब्जा दिलाने और अवैध कब्जेदारों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया।डीएम को सौंपे पत्र में कहा गया है कि उनका गांव कटान में है। मकान नदी के करार पर है, कभी भी धारा में विलीन हो सकता है। उनकी समस्या को देखते हुये बैडारी एहतमाली में गाटा संख्या 314 में आवासीय पट्टा मिला है। राजस्व टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में आवासीय पट्टे की पैमाइश भी किया। जब दलित रामजीत आदि ने आवासीय पट्टे की भूमि पर छप्पर आदि डालना शुरू किया तो बैडारी मुस्तहकम निवासी दुर्गा प्रसाद, नरसिंह पुत्रगण जग बहादुर, मंशा पुत्री दुर्गा प्रसाद आदि ने मारा पीटा और निर्माण रोकवा दिया। कलवारी थाने पर घटना की सूचना दी गई किन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। मांग किया कि उन्हें आवासीय पट्टे की भूमि पर कब्जा दिलाने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

कांशीराम कालोनी मलिन बस्ती में नाली की साफ-सफाई व एण्टी लार्वा एवं फागिंग का कार्य किया गया

कार्य की कितनी हकीकत कितना फंसाना पर गौर करने की जरूरत

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि नगर पालिका परिषद बेल्हा द्वारा कांशीराम कालोनी मलिन बस्ती में नाली की साफ-सफाई व एण्टी लार्वा एवं फागिंग का कार्य विगत चार पांच दिनों से नियमित रूप से कराया जा रहा है एवं समस्त 25 वार्डो में संचारी रोग के दृष्टिगत विशेष अभियान चलाकर मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण एवं बचाव हेतु नाला गैंग के माध्यम से नालियों की साफ-सफाई कार्य कराते हुये सिल्ट आदि का निस्तारण कार्य कराया गया। साथ ही नालियों में मैलाथियान, डेल्टाफाग, ब्लीचिंग पाउडर, सोडियम हाइपोक्लाराइड एवं टेमीफास का छिड़काव का कार्य कराया जा रहा है। पालिका द्वारा समस्त वार्डो में रोस्टर से फागिंग कार्य कराया जा रहा है। साथ ही गर्मी के दृष्टिगत पालिका क्षेत्रान्तर्गत इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प का मरम्मत एवं रिबोर का कार्य कराया जा रहा है एवं मुख्य मार्गो में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराते हुये प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। शासन के निर्देश के क्रम में निकाय क्षेत्रान्तर्गत बैनर व होर्डिंग हटाये जाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। ध्यान देने की बात है कि अधिशासी अधिकारी नगरपालिका द्वारा जानकारी दी गई कि नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत 25 वार्डो में विशेष अभियान चलाकर मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण एवं बचाव हेतु नाला गैंग के माध्यम से नालियों की साफ सफाई कार्य कराते हुये सिल्ट आदि का निस्तारण कराया गया। शहर में जोगापुर, सरोज चौराहा, मुर्गी फार्म के पास व जीआईसी की बाउंड्री से सटी कांशीराम कॉलोनी है। लेकिन यह नहीं बताया गया कि किस कांशीराम कॉलोनी में साफसफाई कराई गई।समस्त वार्डो में फॉगिंग, इंडिया मार्का 2 हैंडपंप का मरम्मत एवं रिबोर का कार्य कराया गया बताया गया है। स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराकर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई की बात बताई गई है। लेकिन अधिशासी अधिकारी द्वारा दी गई सूचना में किस वार्ड व मोहल्ले में सफाई, किस जगह फॉगिंग, कितनी इंडिया मार्का 2 हैंडपंप की मरम्मत एवं रिबोर का कार्य किया गया है इसकी जानकारी नहीं दी गई है। कार्य जमीन पर कम कागज में ज्यादा दिखाने का प्रयास किया गया है।जिलाधिकारी द्वारा विभागों को निर्गत निर्देश में कहा गया है कि विभागों द्वारा कराये गये अच्छे कार्यो की सर्वसुलभ जानकारी उपलब्ध कराई जाय।देखने में आ रहा है कि प्रगति की जानकारी देने के लिए विभागाध्यक्षों द्वारा समाचार पत्रों में छपास का चस्का लग गया है। समय रहते ऐसी हरकतों पर ध्यान देने की जरूरत है।

धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयन्ती

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती हर्रैया नगर पंचायत स्थित एक धर्मशाला में मंगलवार को ब्राह्मण महासभा के तहसील अध्यक्ष कृपाशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गणेश शंकर पाण्डेय और अन्य अतिथियों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अतिथियों ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम न केवल शौर्य और तपस्या के प्रतीक हैं बल्कि वे धर्म, न्याय और आदर्शो पर आधारित जीवन का सर्वोच्च उदाहरण हैं। वे हम सभी को सिखाते हैं कि राष्ट्र निर्माण केवल सत्ता से नहीं, संस्कृति और संस्कारों से होता है। समाज को दिशा देने के लिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी सक्रिय भागीदारी निभाए और नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़े। उनके जीवन चरित्र पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए विद्वानों ने समाज को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की भी अपील की। कहा के उन्होंने सदैव आसुरी माया को समाप्त करने के लिए फरसा उठाया। समाज में सद्भाव स्थापित करने के लिए वह सदैव प्रयत्न शील रहे। कार्यक्रम को ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय, जिला मंत्री शंभूनाथ मिश्र, दयाशंकर मिश्र, विश्वामित्र त्रिपाठी, चंद्रमणि पाण्डेय सुदामा, रामबहोर मिश्र, रोहित त्रिपाठी, विनोद शुक्ल, उमाकांत त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर अभयदेव शुक्ल, विजय त्रिपाठी, मानस भूषण राम त्रिपाठी, राजेश पाण्डेय, राजेश तिवारी, दयाशंकर पाण्डेय, शिवाकान्त पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, शत्रुघ्न शुक्ल, वंश गोपाल पाण्डेय, बैजनाथ शुक्ल, शिवनारायण पाण्डेय, गंगेश मिश्र सहित बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग मौजूद रहे।

बीएसए से विद्यालय के मान्यता के जांच की मांग

बस्ती। बस्ती जिलेके मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के पटखौली निवासी भारतीय जनता पार्टी नेता अजय कुमार ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर गांव में संचालित मार्डन पब्लिक स्कूल की मान्यता और मानको के जांच कराने की मांग किया। बीएसए को दिये पत्र में कहा गया है कि पटखौली गांव में मार्डन पब्लिक स्कूल संचालित है। यहां के.जी. से कक्षा 10 तक की कक्षायें संचालित की जाती है। विद्यालय न तो मान्यता प्राप्त है न शिक्षा के लिये अनुकूल वातावरण हैं। फीस आदि के नाम पर बच्चों को आये दिन प्रताड़ित किया जाता है। अजय कुमार ने बीएसए से मांग किया कि स्कूल की जांच कराकर उचित कार्यवाही की जाय।

पिंक बूथ को लेकर बस्ती में सर्किल स्तर पर हुआ विशेष प्रशिक्षण, अपर पुलिस अधीक्षक ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जनपद बस्ती में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्थापित किए जा रहे पिंक बूथ को लेकर पुलिस विभाग की गंभीरता स्पष्ट नजर आई। इसी क्रम में आज अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पिंक बूथ से संबंधित समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्राधिकारी सदर सतेंद्र भूषण तिवारी, क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी तथा क्षेत्राधिकारी रुधौली स्वर्णिमा सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष, उप निरीक्षक, महिला आरक्षी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पिंक बूथ महिला सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त पहल है। इन बूथों पर नियुक्त पुलिसकर्मी विशेष रूप से महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को संवेदनशील व्यवहार, त्वरित कार्रवाई, गोपनीयता बनाए रखने और समुचित रिपोर्टिंग के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करना होगा, ताकि महिलाओं में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो सके।

समाजवादी पार्टी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, बाबा साहेब की तस्वीर से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

●बस्ती में समाजवादी पार्टी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

बाबा साहेब की तस्वीर से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में समाजवादी पार्टी द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर से कथित छेड़छाड़ और उसमें अखिलेश यादव की तस्वीर जोड़ने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को ज़ोरदार प्रदर्शन किया। नगर पालिका परिषद, बस्ती स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी का पुतला भी दहन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा, "बाबा साहेब के चेहरे के साथ अपना चेहरा जोड़कर अखिलेश यादव न केवल अपना अहंकार दिखा रहे हैं, बल्कि करोड़ों दलितों के संघर्ष का भी मज़ाक उड़ा रहे हैं। यह कृत्य दलित समाज का सीधा अपमान है।"उन्होंने सपा पर दलितों के शोषण और उनके अधिकारों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकाल में डॉ. अंबेडकर के नाम से जुड़े संस्थानों से उनका नाम हटाया गया था और आजम खां जैसे नेताओं द्वारा बाबा साहेब के प्रति अपमानजनक टिप्पणी किए जाने पर भी अखिलेश यादव ने चुप्पी साधे रखी।प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने काली पट्टियाँ बांधकर और विरोधात्मक तख्तियाँ लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। पार्टी ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है। भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब के आदर्शों को सम्मान देने के लिए पंचतीर्थ की स्थापना की और 'भीम ऐप' जैसी पहलें शुरू कीं, जो समाज में समानता और एकता को प्रोत्साहित करती हैं। भाजपा ने घोषणा की है कि जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, जिसमें दलित समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।इस कार्यक्रम का संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया। मौके पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, दयाराम चौधरी, चन्द्र शेखर मुन्ना, गोपेश्वर त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, भानु प्रकाश मिश्र, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, अंकुर वर्मा, गिल्लम चौधरी, प्रत्युष विक्रम सिंह, अरविंद पाल, नागेंद्र बहादुर सिंह, लवकुश शुक्ल, सुरेन्द्र चौधरी, सचिन सिंह, दिलीप पाण्डेय, रोली सिंह, सर्वजीत भारती, अमित गुप्ता, अनिल पाण्डेय, रमेश चक्रवर्ती, अभिनव उपाध्याय, कुंदन वर्मा, सतेंद्र सिंह भोलू, शिव पूजन राजभर, गौरव अग्रवाल, प्रमोद कन्नौजिया सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीट मुख्य आरक्षी की सर्तकता से दो अंतर्जनपदीय गैंगस्टर अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात पुलिस 112 आपात सेवाएं

प्रतापगढ़। जनपद में अपराध नियंत्रण व संगीन धाराओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चौकसी के फलस्वरूप थाना कोतवाली नगर के मुख्य आरक्षी वसीम अहमद के सहयोग से मंगलवार को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 187/25 धारा 2/3 उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 थाना कोतवाली नगर में दो अंतर्जनपदीय वांछित अभियुक्तों राजकुमार प्रजापति उर्फ झुल्लु पुत्र हरी लाल प्रजापति निवासी ग्राम गद्दोपुर थाना फाफामऊ, जनपद प्रयागराज उम्र करीब 32 वर्ष, संजीत कनौजिया उर्फ माही पुत्र अशोक कनौजिया निवासी ग्राम गद्दोपुर थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज उम्र करीब 28 वर्ष को थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के भुपियामऊ चौराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

बच्चों को शास्त्र व शस्त्र विद्या दे

●भगवान परशुराम जयंती में विद्वानों ने लिया निर्णय

पहलगाम शहीदों को दी गई श्रध्दान्जली

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर । पचपेड़वा विकास खण्ड के गुरचिहवा समय माता मन्दिर पर भगवान परशुराम की जयन्ती मनाई गई। पचपेड़वा विकास खण्ड के गुरचिहवा समय माता मन्दिर पर भगवान परशुराम जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यापर्ण किया गया आरती उतारी गई और मिष्ठान वितरण किया गया। और भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उसे आत्म सात करने का निर्णय लिए गये। इस अवसर पर राजीव मिश्रा, गिरिजेश पाण्डेय अरुणदेव पाठक, ज?गदीश पाण्डे, ने अपने अपने वक्तब्य प्रस्तुत किया। इसी अवसर पर जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले में शहीद हुये लोगों के लिये मौन रहकर श्रद्धांजली भी दी गई। इस अवसर पर सतीश चन्द्र मिश्रा (पप्पू) विद्यापति त्रिपाठी. निरंजन पाण्डेय, तुलसीराम शुक्ला, त्रियुगी पाण्डे, रामसागर पाठक, चर्तु भुजी शुक्ला, अरुण कुमार चतुर्वेदी हरीराम प्रजापत,.रामसमुझ गुप्ता, राकेश शुक्ला, राजेश शुक्ला, रमेश यादव, हीरु यादव, मोहन–शर्मा, शारदा प्रसाद मिश्रा, उमानाथ मिश्रा द्वारिका प्रसाद , दुःख हरन पाठक तुलसीराम पाण्डेय, जंग बहादुर पाण्डेय सहित भारी संख्या में उपास्थित रहे। इस अवसर सभी विद्वानों ने निर्णय लिया कि गुरचिहवा मन्दिर पर भगवान परशुराम के मुर्ती का स्थापना की जायेगी और बच्चों को शास्त्र और शस्त्र की शिक्षा दी जायेगी।

एनएचएम संविदा कर्मियों का स्थानान्तरण नहीं कर सकते सीएमओ

●- वर्ष 2017 के एनएचएम सर्कुलर में सीएमओ की पावर को किया गया है बैन

- नियमों को ताख पर रखकर शोषण की मंशा से अभी तक स्थानान्तरण करते चले आ रहे हैं सीएमओ साहबान- न्यायालय का आदेश एनएचएम कर्मचारियों की बनेगा ढाल

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले केएनएचएम अर्थात् राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन , स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ है क्योंकि स्वास्थ्य विभाग एनएचएम के सहारे ही चल रहा है । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदाकर्मियों का नियम विरुद्ध स्थानान्तरण अभी तक सीएमओ साहबान करते आ रहे हैं और बदले में मोटी रकम भी ऐंठ रहे हैं जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का वर्ष 2017 का स्पष्ट सर्कुलर है कि एनएचएम के संविदा कर्मियों का स्थानान्तरण जिला स्वास्थ्य समिति या मुख्य चिकित्सा अधिकारी नहीं कर सकते हैं । स्थानान्तरण पर रोक सम्बंधी स्पष्ट सर्कुलर के बाद भी स्थानान्तरण के नाम पर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा ह्यारूकर्मियों का शोषण निश्चित रूप से जाँच एवं कार्यवाही का विषय बना हुआ है । जनपद बलरामपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेहरा बाजार में तैनात डा0 जाकिर (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन चिकित्सा अधिकारी) का स्थानान्तरण मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुलसीपुर हेतु कर दिया था जिसे डाक्टर जाकिर ने माननीय उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में चुनौती दिया । माननीय न्यायालय ने वर्ष 2017 के सर्कुलर का हवाला देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के उस आदेश को निरस्त कर दिया जो डाक्टर के स्थानान्तरण से जुड़ा था । इस प्रकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का स्थानान्तरण पर रोक सम्बन्धी सर्कुलर वर्ष 2017 व माननीय उच्च न्यायालय का आदेश ह्यारूकर्मचारियों हेतु ढाल का काम कर रहा है ।

संक्षिप्त खबरें

सपा की लोहिया वाहिनी के कार्यक्रम में विवाद, अंबेडकर के चित्र के साथ अखिलेश की फोटो, भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

सीतापुर जनपद सीतापुर में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के एक कार्यक्रम में विवाद खड़ा हो गया कार्यक्रम में बाबा साहेब अंबेडकर के चित्र के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगाई गई। इस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ता आरएमपी कॉलिज फील्ड पर एकत्र हुए वहां से विरोध मार्च करते हुए म्युनिसिपल मा स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी मानसिक दिवालियापन से गुजर रही है उन्होंने कहा कि पहले भी सपा नेताओं ने बाबा साहेब के बारे में अनर्गल बयान दिए हैं अब उनके चित्र के साथ अखिलेश यादव की तस्वीर लगाकर सीमा पार कर दी है। भाजपा ने सपा से तत्काल माफी मांगने की मांग की है साथ ही भविष्य में ऐसा न करने का लिखित हलफनामा देने को कहा है भाजपा नेताओं ने बाबा साहेब के अपमान के लिए संविधान के तहत कार्रवाई की मांग की है कार्यक्रम में अनुसूचित जाति मोर्चे के जिला अध्यक्ष रामस्वरूप भार्गव, नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन नेहा अवस्थी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे!!

तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को मारी टक्कर दो लोग घायल, वाहन चालक हुआ फरार

सीतापुर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के केशरीगंज बाजार में बुधवार को एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी हादसे में दो लोग घायल हो गए। कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया घायलों की पहचान उमाशंकर मौर्य (29) और दिनेश कुमार (46) के रूप में हुई है दोनों ग्राम नेवादा, कोतवाली देहात के रहने वाले हैं वे हरगांव से लालपुर जा रहे थे दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क पर कुछ दूर तक घसीटती चली गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया उमाशंकर की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया हादसे के बाद बाजार में एक घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार को अपने कब्जे में लिया स्थानीय लोगों की मदद से जाम को खुलवाया गया पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है!!

रोजगार सेवक का आकस्मिक निधन

बिसवां विकास खण्ड बिसवां के अंतर्गत ग्राम पंचायत जहांगीराबाद में लंबे समय से सेवाएं दे रहे ग्राम रोजगार सेवक वेद प्रकाश जी का बीती रात आकस्मिक निधन हो गया। मंगलवार को उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद उन्हें उपचार हेतु लखनऊ ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार उनके गांव आम गौरिया वसुदहा में किया गया।

विभिन्न मागों को लेकर शिक्षकों का धरना आज

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सिद्धार्थनगर के तत्वाधान में शिक्षकों की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए 1 मई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर दिन में अपराह्न 1ः00 से 4ः00 तक धरना करके जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा. उक्त धरने के माध्यम से ही जनपद के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं तथा खंड शिक्षा अधिकारी बर्डपुर को हटाकर उनके द्वारा किए जा रहे अनियमित एवं शिक्षक विरोधी कार्यो की जांच करने, शिक्षकों के चयन वेतनमान की स्वीकृति आदेश किए जाने, जीपीएफ लोन से अग्रिम धनराशि का भुगतान किए जाने तथा नवनियुक्त शिक्षकों के एरियर भुगतान का आदेश जारी किए जाने आदि मागों शामिल हैं। यह यह जानकारी प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष राधे रमण त्रिपाठी ने दी है।

ब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम का जन्म दिवस मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

बाराबंकी। बाबा पंचम दास कुटी दशहरा बाग में भगवान परशुराम प्रकटोत्सव व अक्षय तृतीया का पावन कार्यक्रम ब्राह्मण कल्याण समिति बाराबंकी के तत्वाधान में आचार्य कन्हैयालाल मिश्र व दिलीप मिश्रा एडवोकेट के संयोजन एवं पूर्व विधायक चंद्रशेखर त्रिवेदी की अध्यक्षता में ब्राह्मण कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी, महामंत्री देश दीपक मिश्रा की उपस्थिति में आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश, गौरी गणेश, नवग्रह, पृथ्वी पूजन, भगवान विष्णु सहस्त्र नाम का हवन जन कल्याण के लिए पंडित सीताकान्त मिश्र ने संपन्न कराया। इस पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर तिलक पूजन किया।

ब्राह्मण कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी व महामंत्री देश दीपक मिश्रा द्वारा भगवान परशुराम का चित्र देकर मंत्री जी को सम्मानित किया गया साथ ही प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पांडे, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी व रामचंद्र मिश्र के साथ वरिष्ठ ब्राह्मणजनों को भगवान परशुराम का चित्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने उपस्थित ब्राह्मणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मणों को भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है, ब्राह्मणों की त्याग व तपस्या किसी से छुपी हुई नहीं है, इतिहास गवाह है कि महर्षि दाधीच और चाणक्य जैसे अनेक उदाहरण हैं। हम सभी ब्राह्मणों को एकजुट होने की आवश्यकता है और हम सभी ब्राह्मणों को अपने संस्कारों से समाज को नई दिशा देने की जरूरत है जिससे समाज को एक नई दिशा दी जा सकती है।

इस अवसर पर कवियों ने काव्य पाठ भी किया जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ कवि श्री राम किशोर तिवारी, विनय शुक्ला, सीताकांत मिश्रा स्वयंभू, साहब नारायण शर्मा, दीपक शुक्ल, अभिषेक शुक्ल, अनंत मिश्रा आदि ने भगवान परशुराम का महिमा मंडन करते हुए अनेक रचनाओं को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से देव प्रकाश मिश्रा, अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला एडवोकेट, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष श्याम किशोर बाजपेई, सतीश पांडे एडवोकेट, आदित्य दीक्षित, रामू मिश्र, देव प्रकाश मिश्रा, राहुल मिश्रा, पीयूष मिश्रा, ज्ञान प्रकाश पांडे, राघवेंद्र तिवारी, अतुल पांडे, विमलेंद्र तिवारी, संजय अवस्थी, उपेंद्र द्विवेदी, डीके शुक्ला, हरिश्चंद्र शुक्ला, पुरुषोत्तम अवस्थी, श्रीकांत मिश्रा, राकेश अवस्थी, देवराज त्रिपाठी, रुद्र प्रताप अवस्थी, नंदकिशोर मिश्रा, उमेश तिवारी, संतोष मिश्रा, राजेश अवस्थी, अंकित द्विवेदी आदि उपस्थित ब्राह्मणों ने कार्यक्रम में सहभागिता का निर्वाहन किया।

इंडियन बैंक के द्वारा जागरूकता मेला सम्पन्न

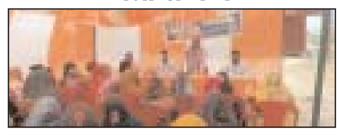

लखनऊ- इंडियन बैंक के द्वारा एस एच जी (स्वयं सहायता समूह) का जागरूकता मेला आयोजित किया गया। बुधवार को माल ब्लॉक की पंचायत सस्पन के टीकर गांव में इंडियन बैंक शाखा सस्पन के द्वारा (स्वयं सहायता समूह) एस एच जी जागरूकता अभियान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अचल कार्यालय प्रमुख अचल प्रबंधक राजेश कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर माल ब्लॉक की दर्जनों समूह सखी को संबोधित करते हुए अचल प्रमुख ने एस एच जी के पंचसूत्रों को ध्यान करते हुए समूह के लाभ तथा बैंकों द्वारा ऋण की सहायता का उल्लेख किया। साथ ही इस मौके पर शाखा प्रबंधक अनिल कुमार ने संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि जो भी एस एच जी पंचसूत्रों का पालन कर रहा है तो ऋण या अन्य किसी सहायता का इच्छुक है,तो इंडियन बैंक शाखा सस्पन से निराश होकर नहीं जाएगा।आयोजना का समापन ऊर्जा के साथ हुआ।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का धरना 1 मई 2025 को संपन्न होगा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 30 अप्रैल, 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी संघर्ष के अन्तर्गत कल दिनांक 01 मई, 2025 को लखनऊ के उप-शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल के कार्यालय पर मध्याह्न 12 बजे से धरना होगा और धरना के समापन अवसर पर सायं 03 बजे, उप-शिक्षा निदेशक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा0 आर0पी0 मिश्र एवं मण्डलीय मंत्री जगजीवन प्रसाद शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री को प्रेषित किए जाने वाले ज्ञापन में प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन की बहाली, चयन बोर्ड अधिनियम की सेवा सुरक्षा सम्बन्धी धारा 21 की बहाली, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन आदि मांगे सम्मिलित होंगी। इसी के साथ उप-शिक्षा निदेशक, षष्ठ मण्डल को प्रेषित ज्ञापन में लखनऊ मण्डल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं से सम्बन्धित मांगें-31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले शेष शिक्षकों को पेंशन की स्वीकृति एवं जीओपीएफ का भुगतान, वर्ष 2006 से वर्ष 2015 तक 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक/शिक्षिकाओं को एक नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ, मृतक आश्रितों की पेंशन पुनरीक्षण, उप-शिक्षा निदेशक कार्यालय में प्रभावी ढंग से सिटीजन चार्टर लागू किया जाना आदि सम्मिलित हैं। शिक्षक नेताओं ने बताया कि धरने में लखनऊ मण्डल के लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर एवं उन्नाव जनपदों के पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता सम्मिलित होगे।

फांसी के फंदे पर लटक कर शिक्षक की पत्नी ने किया सुसाइड घर में मचा कोहराम, रात भर फंदे से लटका रहा शव

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र के शिव नगर मोहल्ले में एक शिक्षक की पत्नी ने आत्महत्या कर ली मृतका की पहचान कल्पना (32) के रूप में हुई है वह शिव सेवक दीक्षित की पत्नी थीं जो मूल रूप से ग्राम पंचायत रीछिन के निवासी हैं। कल्पना ने बीती रात मकान के नीचे बने कमरे में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी सुबह परिजनों ने कमरे का दरवाजा बंद देखा तो हरगांव पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोला और सीतापुर से फोरेंसिक टीम को बुलाया जनपद लखीमपुर से मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने के बाद शव को नीचे उतारा गया। हरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा महिला रात भर फांसी के फंदे पर लटकी रही परिजनों ने दोपहर 12 बजे पुलिस को सूचना दी स्थानीय लोगों के अनुसार, मायके पक्ष को भी रात में ही घटना की जानकारी दे दी गई थी पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी!!

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की जान चली गई। यह हादसा तब हुआ जब युवक अपनी मोटरसाइकिल से दवा लेने के लिए जा रहा था। मृतक की पहचान सचिन रावत पुत्र कृपाशंकर रावत निवासी ग्राम रायपुर, मजरा कोडरा रायपुर, थाना कोतवाली मोहनलालगंज के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार दिनांक 28 अप्रैल 2025 को सुबह लगभग 7:50 बजे सचिन रावत अपनी मोटरसाइकिल से दवा लेने के लिए भदेसुवा की ओर निकला था। जब वह राज किशोर तिवारी के खेत के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर भूसा लादे हुए था और उसमें कोई लाइट नहीं लगी थी। चालक की पहचान संदीप कुमार उर्फ नन्हके पुत्र राम सहारे बाजपेयी निवासी ग्राम रायपुर के रूप में की गई है।

ट्रैक्टर चालक की लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के कारण सचिन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मृतक की मां सोनी देवी ने घटना की तहरीर कोतवाली मोहनलालगंज में दी है, जिसमें उन्होंने ट्रैक्टर चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सचिन घर का इकलौता बेटा था और उसकी आकस्मिक मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

बिजली कर्मचारियों के छंटनी पर आक्रोश संविदा कर्मियों ने अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन, बोले छंटनी हुई तो रुकेगी बिजली सप्लाई

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर लहरपुर स्थित विद्युत उपखंड कार्यालय पर बुधवार को संविदा कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड के माध्यम से उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से विद्युत उपकेंद्र पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम कर रहे हैं उन्हें जानकारी मिली है कि उनकी छंटनी की जा रही है कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर किसी भी कर्मचारी की छंटनी की गई तो सभी लोग काम बंद कर देंगे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छंटनी रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि अगर विद्युत व्यवस्था प्रभावित होती है तो इसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी प्रदर्शन में रफीक अंसारी, संतोष कुमार, उमेश कुमार, चंद्र मोहन कृष्णा, संदीप कुमार, मोहम्मद मुकीम, मोहम्मद ओसामा, इरफान अली समेत बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी मौजूद थे!!

विद्युत संविदा कर्मियों ने की हड़ताल उपखंड अधिकारी को सौंपा मांग पत्र

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख(सीतापुर) विद्युत विभाग में बीते 15 वर्षो से निरंतर कार्य करते चले आ रहे आउटसोर्सिंग संविदा श्रमिकों को कार्य से बाहर करने की प्रक्रिया का घोर विरोध करते हुए मिश्रिख विद्युत उपकेंद्र के दर्जनों संविदा कर्मियों ने आज 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन कार्य हड़ताल शुरू कर दी है। इन हड़ताली कर्मचारियों ने मिश्रिख के विद्युत उपखंड अधिकारी को एक मांग पत्र सौंप कर प्रदेश सरकार तक पहुंचाने और उचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है। हड़ताली संविदा कर्मियों का आरोप है। कि वह लोग बीते15 वर्षों से विभाग में नियमित कर्मचारियों के रूप में कार्य करते चले आ रहे हैं। उनके कार्य लगन के कारण ही पूरी तरह से विद्युत लाइन लास काम हुआ है। जब तक उप केंद्र को बिजली मिलती है। तब तक लाइनों में उसका निर्वाध संचालन होता है। छोटी से छोटी शिकायत आने पर वह दिन-रात दौड़कर उसे शीघ्र ठीक करने का कार्य करते हैं। जिससे विभाग और सरकार की छबि जनता में खराब होने से बच सके। इन हड़ताली कर्मियों का कहना है। कि नियमित 8 घंटे की ड्यूटी होने के बावजूद भी वह 24 घंटे कार्य करते हैं। बीते दो माह से उन लोगों को वेतन भी नहीं दिया गया है। जिससे उनके परिवार भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। और अब उन्हें कार्य से हटाकर बेरोजगार करने की भूमिका बनाई जा रही है। यह सबका साथ सबका विकास का कैसा सरकारी दावा है। मांमले में पूछने पर उपखंड अधिकारी शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया है। कि जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उससे हम सब लोगों का कोई लेना-देना नहीं है। शासकीय निर्देश के तहत कार्य करना हमारी मजबूरी है। दूसरी तरफ मिश्रित नैमिषारण्य विद्युत उप केंद्र के तहत मढिया, आंट, विश्व बैंक, रामकोट, मिश्रिख नगर व देहात फीडर सहित 373 गांवों में सुचारू रूप से बिजली संचालन का कार्य भार संविदा कर्मियों के ऊपर ही है। जिनमें विद्युत आपूर्ति पहुंचाने का दायित्व संविदा कर्मियों के ऊपर ही निर्भर करता है। उनकी मेहनत के कारण विद्युत लाइन संबंधी शिकायतों का आना प्राय बंद हो गया है। आखिरकार हम लोगों के कार्य का किस तरह से आंकलन किया गया है। इन संविदा कर्मियों ने खुले आम चेतावनी दी है। कि शुरू की गई मनमानी छटनी प्रक्रिया अगर बंद न की गई। तो हम सब लोग बेरोजगार होने से बचने के लिए माननीय उच्च न्यायालय ही नहीं उच्चतम न्यायालय तक का दरवाजा खटखटाएगे और स्वयं तथा परिवार की रोजी-रोटी के लिए हर संभव संघर्ष करेंगे। इस अवसर पर रमेश कुमार, जितेंद्र कुमार, मासूम अली, कपिल कुमार, दीपू, अनुपम कुमार, शाहबाज बनो, रीना देवी, राम प्रकाश, राजेंद्र सिंह, भोजपाल, शाहनवाज, फैसल खान, कलीम खान, प्रदीप राठौर, आशीष द्विवेदी, शैलेंद्र, मोहसिन खान, अमित कुमार पांडेय, अनूप कुमार, रमाकांत, सुजीत, राधे श्याम, संदीप पाल, मुस्ताक खां, नरेश कुमार यादव, आसिफ, अतुल कुमार, मदन, आशीष मिश्रा, निखिल तिवारी, रौनक तिवारी, अजय प्रताप, अमर सिंह, रामसेवक, अरुण कुमार तिवारी, विनीत कुमार, मुकेश कुमार, हनुमान आदि एक सैकड़ा तक संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

मंसाराम प्रांगण में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर का किया गया नीव पूजन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/सीतापुर मंसाराम प्रांगड़ में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर का नींव पूजन किया गया। पंडित शिवकुमार अवस्थी और सुबोध अवस्थी के मार्गदर्शन में विधिवत पूजन और हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रकाश चंद्र सरस्वती ने ब्राह्मण समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के उत्थान और संगठन पर विशेष बल दिया। महंत संतोष दास ने बताया कि मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा। मंदिर निर्माण के बाद यहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महंत बजरंगदास और महंत कृष्णचारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम का संचालन मुकुट बिहारी वाजपेई ने किया। इस अवसर पर अश्विनी त्रिपाठी, बबलू मिश्रा, अंशुल बाजपेई, विकास चतुर्वेदी और कमलेंद्र बाजपेई सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कस्बे के खंभेश्वर नाथ मंदिर पर भी भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान मुन्ना

शुक्ला, बच्चू अवस्थी, गोपाल मिश्रा, पंकज मिश्रा, विजय शंकर, संजीव बाजपेई, रामसागर शुक्ल और कमलेश मिश्रा सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जन्म सेवा दल ने आयोजित किया 103 वाँ हनुमान मंगल पाठ

● मंगलपाठ से पूर्व पहलगाम में शहीद हुए हिंदू भाइयो के लिए रखा गया दो मिनट का मौन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। श्री हरि के प्रिय भक्त प्रहलाद की जन्म व् कर्म पावन भूमि हरदोई में मंगल पाठ के अवसर अपने निरंतर एक सौ तीन वे मंगलपाठ के क्रम में श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने भक्त प्रहलाद नगरी हरदोई के कई मंदिरो में एक साथ धार्मिक आयोजन कर माहौल को भक्ति मय कर दिया। आज श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने श्री बैजनाथ धाम, श्री शिव श्याम परिवार मंदिर कांशीराम कालोनी, श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज, श्री हनुमान मंदिर कमालगंज, श्री महादेव मंदिर ग्राम काईमाऊ, श्री महावीर मंदिर गंज जलालाबाद मल्लावां में हनुमान चालीसा, अष्टक व् आरती कर माहौल को भक्ति पूर्ण बना दिया। महिला प्रकोष्ठ जिला प्रमुख विनीता पांडे के नेतृत्व में श्री बैजनाथ धाम सरायथोक में बहनों ने काफी संख्या में भाग लेकर हनुमान चालीसा, सुंदर कांड व् आरती के साथ हनुमान जी के भजनो का गुणगान किया। इस अवसर पर जिला महिला प्रभारी विनीता पांडेय ने कहा कि पहलगाम में हिंदू परिवारों पर हमला पूरे हिंदुस्तान के हिंदुओं को चुनौती है अब भी वक्त है हमे सोई हुई अलसाई नींद से जागना होगा।इस अवसर पर शहीद हुए हिंदू भाइयो की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर महिला संगठन की संयोजक अनीता मिश्रा, पुष्पा मिश्रा, बॉबी ओमर, अलका गुप्ता, अमृता सिंह, नीलम गुप्ता, बीना त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, अर्चना दुबे, सोनिका गुप्ता, शशि गुप्ता, रामवती देवी, सोनू गुप्ता मिंटू गुप्ता, अमृता सिंह, संगीता गुप्ता, सुमन गुप्ता, अनुराधा गुप्ता, चन्दा पांडेय, आर्या गुप्ता, मोनिका गुप्ता, विद्या पांडेय, आरती गुप्ता, राधा गुप्ता, आरती मिश्रा, रानी शुक्ला आदि बहनों समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कांशीराम कालोनी में श्री शिव श्याम मंदिर में युवा प्रभारी संध्या श्रीवास्तव के नेतृत्व में काफ़ी संख्या में लोगो ने मंगल पाठ में भाग किया।

महिला प्रभारी मंजू गुप्ता के नेतृत्व में श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवे गंज में गायक पंकज गुप्ता एव अपूर्व गुप्ता ने सभी को हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक का पाठ करवाया।मंदिर पंडित रवि मिश्रा व अनिरुद्ध तिवारी ने पूजा अर्चन कराया। इस अवसर पर भजन गायक वेद प्रकाश गुप्ता राजू ने एक से बढ़कर एक भजन राम भी आना हनुमत भी आना, हनुमत संग पधारो श्री राम हमारे कीर्तन में, पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जायेगे, दीननाथ मेरी बात, जब जब संकट कोई गहरा होता है आदि भजन सुना लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया इस मौके पर विजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, बहादुर बेटियाँ फाउंडेशन की जिला अध्यक्ष रेशमा गुप्ता, नीलम जिंदल, अंशिका अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, अवध राज, अक्षत गुप्ता, सचिन शुक्ला, आदित्य सिंह, मोहित शुक्ल, संदीप श्रीवास्तव, गौरव गुप्ता, शोभित गुप्ता, आस्था श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। ग्राम काईमाऊ में युवा प्रभारी सुमित तिवारी के नेतृत्व में मंगल पाठ हुआ।मल्लावां में आकाश गुप्ता व् वंश कटियार के नेतृत्व में काफी संख्या में मौजूद लोगो ने सामूहिक मंगल पाठ किया।

मातृशक्ति के देश के विकास में योगदान को भुलाया नहीं जा सकता- प्रियंका रावत

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई जेके पब्लिक स्कूल में एक राष्ट्र एक चुनाव पर महिला समागम श्रीमती अनुराधा मिश्रा के संयोजकत्व में संपन्न हुआ। प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रियंका रावत ने कहा कि देश की आजादी में मातृ शक्ति का कितना योगदान रहा है उनके योगदान को कोई भुला नहीं सकता है। मातृशक्ति को ऐसे वक्त पर इस चिंतन की आवश्यकता है कि हम हिंदुस्तानी हैं हमारी देश के विकास में क्या भूमिका हो सकती है जहां मातृशक्ति हर एक विधा में अपना महत्वपूर्ण प्रदर्शन कर रही हैं, पारिवारिक निर्वहन के बाद वे इस चर्चा को गुणित अनुपात में अपने लोगों के बीच रखकर क्यों जरूरी है इस बात पर चिंतन करने के लिए समझाना चाहिए। हमारा देश विकसित बने ,सशक्त बने ,इसमें प्रधानमंत्री जी के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को शाश्वत करते हुए इसमें लग जाना चाहिए। मातृ शक्तियां राष्ट्र की प्रगति में सहायक सिद्ध हों,आंतरिक और वाह्य सुरक्षा की चिंता प्रधानमंत्री जी को है लेकिन हम सब मातृ शक्तियों को अपने पारिवारिक निर्वाहन का पालन करते हुए इस ओर एक चुनाव कराने की आवश्यकता और अनिवार्यता को समझाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती कीर्ति सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी सम सामयिक आवश्यकता है। पहलगाम की घटना ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटा दिया, ऐसे अलगाववादी आतंकी लोगों को का बहिष्कार करना चाहिए ।समय संसाधन और विकासशील प्रक्रिया को गति देने में एक राष्ट्र एक चुनाव का सभी समर्थन करते हैं केवल वही विरोध करते हैं जिन्हें विरोध करने की आदत सी बन गई है उन्होंने मात्र शक्तियों से एक राष्ट्र एक चुनाव को जन-जन में चर्चा का विषय बनाने,इसकी अनिवार्यता पर चर्चा करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती अनुराधा मिश्रा ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर कहा कि इसका विरोध वही लोग कर रहे हैं जो हमेशा से हर एक सामाजिक परिवर्तन में विरोध करते रहते हैं एक चुनाव से संसाधनों और समय की बचत होगी ,जब एक देश, एक संविधान है तो एक चुनाव क्यों नहीं होना चाहिए संत विवेकानंद एकेडमी की अध्यक्षा श्रीमती सुजाता ने कहा कि एक चुनाव होने से सरकार को नीतिगत निर्णय लेने में देरी नहीं होगी। आर्थिक बोझ कम पड़ेगा समय की बचत होगी। जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रेमावती पी के वर्मा ने कहा कि देश में वर्षभर कोई ना कोई चुनाव चलते रहते हैं इससे विकास कार्यों में अवरोध होता है आर्थिक संसाधनों का दोहन और समय की बचत के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो विचार आपके सामने लाए हैं उसका जनमत बनाकर समर्थन करना है।अंत में आए हुए सम्मानित जनों महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक अविनाश मिश्रा, जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश पाठक, नीतू चंद्रा, राजीव मोहन अवस्थी, श्रीमती समता अवस्थी, श्रीमती शोभना सिंह, सुहाना जैन, परीशा तिवारी, प्रियंका सिंह, मधुबाला गुप्ता समेत कई मातृ शक्तियां उपस्थिति रही।

सबसे अच्छी बात और सबसे बुरी बात

यह दुख की बात है कि पहलगाम में पाक-प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भाजपा और संघी गिरोह पूरे देश में मुस्लिम विरोधी माहौल बना रहा है। इसके नतीजे में जगह-जगह कश्मीरियों पर और मुस्लिमों पर हमले हो रहे है। इस बात को साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि हमारी असली लड़ाई पाकिस्तान के सत्ताधारियों और आतंकवादियों से है, मुस्लिमों से नहीं और न ही पाकिस्तान की उस जनता से, जो हमारी तरह ही बेरोजगारी, भूख, गरीबी, ज़हालत और सरकारी दमन की भट्टी में जल रही है। दोनों ओर की आम जनता की लड़ाई तो एक है, लेकिन दोनों ओर की सत्ताधारी पार्टियां अपने राजनैतिक स्वार्थों के लिए उसका इस्तेमाल कर रही है। इस आतंकी हमले के इतने दिनों बाद भी हमारे परिधान मंत्री के श्रीचरण कश्मीर में नहीं पड़े हैं। वे प्रचार मंत्री बनकर बिहार में आतंकवादियों को ललकार रहे हैं, पाकिस्तान पर गरज रहे हैं, लेकिन बरसेंगे कब, इसका किसी को अता-पता नहीं है। संघी मीडिया इस आतंकी हमले को हिंदुओं पर मुस्लिमों के हमले का रूप देने में लगा है। सबको पता है कि नफरत की जो फसल बोई जा रही है, बिहार चुनाव में कटेगी और संघ-भाजपा को सत्ता के और करीब ले जायेगी। पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ने की घोषणा भी इसी तरह की है। पूरे देश में युद्ध का उन्माद फैलाया जा रहा है, पुलवामा की तरह। तब भी संघी गिरोह इसी तरह गरजा था। उसने पाकिस्तान और आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने की कसमें खाई थीं, ठीक वैसी ही, जैसी पहलगाम मामले में खाई जा रही है। लेकिन पुलवामा की असलियत आज तक जनता के सामने नहीं आई, पुलवामा के आतंकी हमले की जिम्मेदारी आज तक मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं की। ऐसा ही हाल पहलगाम पर हमले का होने वाला है।

भारत में अटल राज की कृपा से पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश बन चुका है। संघी गिरोह की विदेश नीति हमेशा विफल रही है। मोदी राज भी इसी का प्रमाण है। आज हमारे देश की किसी भी पड़ोसी देश से अच्छी मित्रता नहीं है। इसलिए यदि हमारे न चाहने के बावजूद कोई युद्ध होता है, तो न चीन हमारा समर्थन करने वाला है और न अमेरिका हमारे साथ आने वाला है। भारत की सैन्य शक्ति पाकिस्तान पर कितनी भी भारी क्यों न हो, उसकी परमाणु संपन्नता उसे हमारी बराबरी पर ला खड़ा करती है। पिछले दस सालों में निजीकरण की नीतियों के कारण रक्षा उद्योग में हमने अपनी आत्मनिर्भरता खो दी है। हमने शोध और विकास पर जितना भी खर्च किया हैं, जितनी भी नई तकनीक ईजाद की है, वह मस्जिदों को खोदकर मंदिरों को ढूंढने के लिए तो कारगर है, लेकिन दुश्मन देश की सेनाओं का और उसकी सैन्य तकनीक का मुकाबला करने के लिए नहीं। गोदी मीडिया से परे की रिपोर्ट बता रही है कि पिछले दस सालों से हम मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम का खेल ही खेलते रहे, पाकिस्तान उन्नत अस्त्र-शस्त्रों और तकनीक से लैस होता गया है। अपनी सेनाओं को अग्निवीरों को ठेके पर देने का नतीजा यह हुआ है कि जल, थल, वायु की तीनों सेनाएं नियमित और प्रशिक्षित सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही है।

युद्ध किसी का भला नहीं करता -- और युद्धरत देशों की आम जनता का भला तो करता ही नहीं। परमाणु संपन्न देशों की लड़ाई का नतीजा आम जनता के लिए सिवा तबाही के और कुछ नहीं होगा। लेकिन आम जनता की चिंता किसको है? दोनों ओर गद्दी की चिंता है। मोदी सरकार ने पाकिस्तान को पानी रोकने का जो फैसला लिया है, उससे न तो किसी आतंकी की और न ही किसी पाकिस्तानी नेता की नल की टोंटी सूखने वाली है। यह फैसला पाकिस्तान की जनता को प्यासा मारकर बदला लेने का फैसला है। हालांकि इस फैसले पर अमल उतना आसान नहीं है, जितना मोदी सरकार सोचती है। लेकिन इससे साफ हो जाता है कि मोदी सरकार के निशाने पर पाक सरकार और आतंकवादी नहीं, पाकिस्तान का हिन्दू-मुस्लिम अवाम है। इस फैसले के बदले में पाकिस्तान ने जो एयर स्ट्राइक की है, उसका हमारी देश की अर्थव्यवस्था पर तुरंत प्रभाव पड़ने जा रहा है। कुल मिलाकर, दोनों ओर के सत्ताधारियों के फैसले से महंगाई बढ़ने वाली है और बेरोजगारी और गरीबी भी ; यहां भी और वहां भी। आज युद्ध दोनों ओर के सत्ताधारियों की जरूरत है, सत्ता में बने रहने के लिए। देखना केवल यह है कि यह युद्ध किस रूप में होता है।

लेकिन क्या देश की जनता को विभाजित और कमजोर करके यह युद्ध लड़ा जाएगा? क्या भारत-पाकिस्तान युद्ध को देश के अंदर हिंदू-मुस्लिम युद्ध में बदलने की कोई तैयारी चल रही है? पिछले एक सप्ताह के घटनाक्रमों और उसमें सरकार और प्रशासन के हस्तक्षेप को देखा जाएं, तो ऐसा लगता है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध प्रत्यक्ष रूप से हो, चाहे न हो, लेकिन देश के मुस्लिमों के खिलाफ एक युद्ध छेड़ ही दिया गया है। संघी गिरोह एक ही सांस में 'पाकिस्तान मुर्दाबाद 'का नारा लगा रहा है, पुतले जला रहा है और उसी सांस में देश के मुस्लिमों के खिलाफ जहर उगल रहा है, उन पर हमले कर रहा है। भोपाल के हबीबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में नशे में धुत युवकों ने रेलवे पुलिस के हेड कांस्टेबल दौलत खान पर केवल उनके नाम की पट्टी देखकर उन पर हमला कर दिया। साफ है कि अब पुलिस और सैनिक भी संघी गिरोह के सांप्रदायिक हमलों से ऊपर नहीं है। अब स्थिति यह हो गई है कि एक हिंदू डॉक्टर अपने मुस्लिम मरीज का इलाज करने से मना कर रहा है। कितनी शर्मनाक बात है यह।

संघी गिरोह के हमले से तो अब खुद संघ के प्रति निष्ठावान लोग भी नहीं बचे हैं। जनसत्ता के संपादक रहे राहुल देव की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर तैर रही है -- ÷बेटी के साथ अपनी डीपी हटा दी है, उससे पूछकर, क्योंकि उसकी इच्छा से लगाई थी। फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर 'राष्ट्रवादी सनातनी देशभक्तों 'की अश्लील निगाहों और टिप्पणियों का शिकार बेटी अब और न बने इसलिए। इस संस्कारी प्रजाति के सदस्य किसी की मां, पत्नी, बेटी पर अपनी कुत्सा बरसाने में भी संकोच नहीं करते। यहीं आशा करता हूं कि वे अपने परिवार-परिजनों की महिलाओं को बख्श देते होंगे।÷ राहुल देव का संघ के प्रति झुकाव जग जाहिर है। लेकिन उससे क्या? नफरत और कुत्सा की राजनीति किसी को नहीं छोड़ती, न किसी मुस्लिम को, न हिन्दू को। सूरत के दंगों में गर्भ में खेल रहे उस अजन्मे बच्चे को भी नहीं, जिसकी मां के पेट में तलवार घुसेड़कर भ्रूण को तलवार की नोंक पर नचाया गया था। उसका अपराध केवल यही था कि वह किसी गैर हिंदू मां के पेट में पल रहा था। इस कुत्सा की आग हिंदुओं यह भी पहुंचनी ही थी, पहुंच रही है। राहुल देव के साथ मेरा भी सिर शर्म से झुका हुआ है, क्योंकि नाम से एक हिंदू पहचान के बावजूद मेरा भी मैसेंजर ऐसे ही धमकियों और गलियों से भरा पड़ा है और मैं ऐसे सभ्य सनातनियों के खिलाफ कुछ भी करने में असहाय हूं। राहुल जी का दुख और क्षोभ मेरा अपना है।

भागलपुर, भिवंडी, मालेगांव, अलीगढ़, बनारस, मेरठ, मुरादाबाद, मुज़फ्फरनगर में हुए दंगों का इतिहास बताता है कि इन दंगों को आयोजित-प्रायोजित करने में भाजपा-संघ का कितना बड़ा हाथ था। ये सब दंगे मुस्लिमों की घरेलू अर्थव्यवस्था को तोड़ने और उनके उद्योगों पर हिंदू पूंजीपतियों का कब्जा कराने के उद्देश्य से किए गए थे, यह रहस्य की बात नहीं है। भाजपा राज में आज भी मुस्लिमों की आजीविका पर ही सुनियोजित रूप से हमले हो रहे हैं। दूसरी ओर, मालेगांव बम धमाका, समझौता एक्सप्रेस धमाका, मक्का मस्जिद धमाका आदि घटनाओं से इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि मुस्लिमों को आतंकवादी साबित करने के लिए संघी गिरोह ने खुद ही इन आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया था। सबूत इतने पुख्ते हैं कि मोदी के राज में, मोदी के अधीन काम करने वाली जांच एजेंसी, एनआईए को भाजपा की पूर्व सांसद और कथित साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और सात अन्य हिन्दुत्ववादी आतंकवादियों के लिए फांसी की सज़ा की मांग करनी पड़ी है। नफरत की राजनीति को पालते-पोसते ये इतने गिर चुके हैं कि खुद ही आतंकी बन चुके हैं और जिंदा बम बनकर घूम रहे हैं। ये सभी दंगे और आतंकी घटनाएं, जिसमें संघी गिरोह की सीधी संलिप्तता है, और उसका मुस्लिम-विरोध, अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षकों की नजर में है। इससे भाजपा और मोदी सरकार का आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और पहलगाम पर हमला पाक-प्रायोजित होने का दावा कमजोर पड़ता है।

मोदी सरकार की इस कमजोरी का अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर पाकिस्तान पूरा फायदा उठा रहा है। उसने अपनी ओर से पहलगाम की घटना की ÷निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच÷ करने की मांग की है, जिसे चीन ने अपना समर्थन दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25 अप्रैल को सर्व-सम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके पहलगाम में आतंकवादी हमले की निंदा की है, लेकिन इस हमले में पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के हाथ होने के लगभग पुष्ट प्रमाणों के बाद भी प्रस्ताव में उसके नाम का उल्लेख नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के गर्जन-तर्जन के बावजूद प्रस्ताव पर इसका कोई असर नहीं दिखा है। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका और रूस जैसे भारत के मित्र देशों ने भी भारत के पक्ष में कोई रुचि नहीं ली है। कूटनीति के स्तर पर यह भारत की पराजय ही है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित युद्ध की स्थिति में भारत को शायद ही किसी शक्तिशाली देश से सक्रिय समर्थन मिलेगा।

अच्छी बात यही है कि पहलगाम की घटना के बाद भाजपा जिस तरह का सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना चाहती थी, वह अभी तक नहीं हुआ है। अच्छी बात यह है कि कश्मीर की हिंदू और मुस्लिम जनता और उनका प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां और संस्थाएं आतंकवाद की इस घटना के खिलाफ खुलकर, एकजुटता के साथ खड़ी हुई है। अच्छी बात यह है कि कश्मीर की सभी मस्जिदों में हमारे मुस्लिम भाईयों ने आतंकवाद की निंदा करते हुए पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। अच्छी बात यह है कि इस भीषण आतंकी समय में कश्मीर के मुस्लिम परिवारों के दरवाजे हर हिंदू के लिए खुले हुए हैं। अच्छी बात यह है कि इस घटना से मानवीयता, संवेदनशीलता के कई ऐसे चमकदार उदाहरण सामने आए हैं, जिसने हिंदू-मुस्लिम एकता की भावना को नई धार दी है और दोनों कौमों के बीच भाईचारे के नए संबंध विकसित हुए हैं। अच्छी बात यह है कि बिना किसी देरी के कश्मीर में फिर से सैलानियों की बहार है। आतंकवादियों का असली उद्देश्य इसी पर्यटन उद्योग को कुचलना और हिंदू-मुस्लिम का सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना था। लेकिन सबसे बुरी बात यह है कि संघी गिरोह किसी भी अच्छी बात से कोई सबक लेना नहीं चाहता और अपने चुनावी फायदे के लिए पूरे देश को सांप्रदायिक रूप से विभाजित करने की ही नीति पर चल रहा है। नफरत और सांप्रदायिकता के आधार पर विभाजित देश किसी भी प्रकार के हमले का सामना नहीं कर सकता -- न पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का और न अमेरिका प्रायोजित आर्थिक हमलों का। आज की सबसे बुरी खबर यह है कि संघ-भाजपा की सांप्रदायिक और साम्राज्यवादपरस्त नीतियों ने हमारे देश को कहीं का नहीं छोड़ा है।

आलेख- संजय पराते

मजदूर नहीं, मेहनत का मसीहा है वह, श्रम का सम्मान, समाज की पहचान

समाज की रीढ़, देश का स्तंभ, और विकास की धारा के नायक वे हैं जिनके बिना किसी राष्ट्र की परिभाषा अधूरी रहती है। ये लोग सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि हमारे समाज का वह अभिन्न हिस्सा हैं जो अपनी मेहनत से हर दिन नए सपने रचता है। लेकिन हम उन्हें किस रूप में जानते हैं? क्या उनकी संघर्षों की गाथाएं हमें कभी सुनाई देती हैं, या फिर हम उन्हें सिर्फ मज़दूर कहकर उनके अस्तित्व को सीमित कर देते हैं? अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस, जिसे हम 1 मई के रूप में मनाते हैं, हर साल हमें इस सवाल से रू-ब-रू कराता है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि एक समर्पण है, एक श्रद्धांजलि है उन लाखों श्रमिकों के प्रति जिनकी मेहनत से देश की संजीवनी शक्ति और समाज की आत्मा जीवित रहती है। यह दिन केवल श्रमिकों के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह उन अनकही कहानियों का उद्घाटन करता है, जिन्हें न जाने क्यों हम नज़रअंदाज करते हैं। यह दिन 1886 में शिकागो के ऐतिहासिक हेमार्केट नरसंहार से जुड़ा हुआ है। उस समय, अमेरिका में श्रमिक आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग कर रहे थे। आठ घंटे कार्य, आठ घंटे आराम और आठ घंटे खुद के लिए यह उनकी सीधी, सरल और न्यायपूर्ण मांग थी। लेकिन इस मांग को हिंसा का सामना करना पड़ा, और कई श्रमिकों की जान चली गई। तब से यह दिन सिर्फ एक संघर्ष का प्रतीक नहीं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक बयार बन गया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र की असली ताकत उस राष्ट्र के श्रमिकों के संकल्प और संघर्ष में निहित होती है, न कि केवल सत्ता और राजनीति में।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में, जहाँ हर दिन हजारों श्रमिक खेतों में, कारखानों में, कंस्ट्रक्शन साइटों पर, या घरेलू कार्यों में लगे होते हैं, यह दिन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हमारे देश में करोड़ों श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनका जीवन कठिनाईयों से भरा हुआ है, लेकिन उनका संघर्ष और सामर्थ्य कभी खत्म नहीं होता। श्रमिकों के लिए यह दिवस न केवल उनका सम्मान है, बल्कि यह एक संकल्प है कि उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने श्रमिकों की भलाई के लिए कई योजनाएं और नीतियाँ लागू की हैं, जिनका उद्देश्य उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उनके अधिकारों की सुरक्षा करना है। सरकार ने न्यूनतम मजदूरी कानून, ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) योजना, और पीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) योजना जैसे कदम उठाए हैं, ताकि श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा मिल सके। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना जैसी योजनाएँ भी श्रमिकों के लिए वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था प्रदान करती हैं, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा बढ़ी है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जनधन योजना ने श्रमिकों को बैंकिंग सेवा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उनके आर्थिक लेन-देन सुरक्षित और पारदर्शी हुए हैं। उधार आधारित योजना और राष्ट्रीय श्रमिक कल्याण बोर्ड जैसी योजनाएं भी श्रमिकों के कल्याण के लिए कार्यरत हैं। हालांकि इन योजनाओं से श्रमिकों को कुछ हद तक लाभ हुआ है, फिर भी वास्तविक स्थिति यह है कि कई बार इन योजनाओं का लाभ पूरी तरह से पात्र व्यक्तियों तक नहीं पहुँच पाता, और उनका कार्यान्वयन क्षेत्रीय स्तर पर कमजोर होता है। यह भी सच है कि श्रमिकों के जीवन में कई तरह की चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। हमारी नीतियाँ अक्सर योजनाओं के कागजी रूप तक सीमित रहती हैं, और ज़मीनी स्तर पर उनकी सही तरह से क्रियान्वयन में अक्सर कठिनाई आती है। आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के पास न तो कोई स्वास्थ्य सुरक्षा है, न कोई उचित कार्य वातावरण। कई बार वे अत्यधिक काम के दबाव में, बेहद कम वेतन पर, और बुनियादी अधिकारों से वंचित रहकर काम करते हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। यही कारण है कि श्रमिकों के जीवन में व्याप्त असमानता, कठिनाई और संघर्ष कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं। 1 मई का दिन हमेशा उन लोगों के जीवन की कड़ी सच्चाई को सामने लाता है, जो अपनी आवश्यकताओं और अपनों की खुशियों को अपने श्रम की कमाई से पूरा करते हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि हमारे समाज में श्रमिकों को जिस तरह से देखा जाता है, वह बहुत हद तक असम्मानजनक और अपमानजनक होता है। हमारे समाज में श्रमिक वर्ग को हमेशा एक अवश्यक बुराई के रूप में देखा गया है। हम उनके श्रम का फायदा तो उठाते हैं, लेकिन उन्हें मानवीय गरिमा से साक्षात्कार नहीं कराते। उन्हें कभी अपना अधिकार नहीं मिलता, कभी कोई सम्मान नहीं मिलता। एक ओर जहां हम रोज़ अपने घरों में आराम से रहते हैं, वहीं दूसरी ओर ये श्रमिक बिना किसी शिकायत के काम करते रहते हैं। निर्माण कार्य हो, सड़कें बनानी हो, घरों में सफाई करनी हो, या बच्चों को स्कूल भेजने का काम हो। ये सब कुछ उनका ही योगदान है। लेकिन क्या हम कभी सोचते हैं कि इन श्रमिकों को क्या मिलता है? क्या वे अपने परिवार के लिए सुरक्षित भविष्य देख पाते हैं? क्या उनके पास स्वास्थ्य सुविधाएँ हैं, शिक्षा के अवसर हैं? हमारे देश में श्रमिकों की स्थिति पिछले कुछ दशकों में थोड़ी सुधरी है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हम उन्हें पूरा सम्मान दे पा रहे हैं। श्रम कानूनों में सुधार, न्यूनतम मजदूरी की घोषणा, और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ भले ही बनाई गई हों, लेकिन इनका सही तरीके से पालन नहीं हो पाता। इसके कारण श्रमिकों को कभी न्याय नहीं मिलता। उनका जीवन हमेशा संघर्षों में घिरा रहता है, और कभी-कभी वे आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। अगर हम सचमुच एक समृद्ध राष्ट्र बनना चाहते हैं, तो हमें अपने श्रमिकों के जीवन को प्राथमिकता देनी होगी। हमारे विकास के पैमाने सिर्फ आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता से भी मापे जाने चाहिए। जब एक श्रमिक खुशहाल होगा, तब ही एक राष्ट्र खुशहाल होगा। आज के समय में हमारे लिए यह समझना जरूरी है कि श्रमिक केवल काम करने वाले हाथ नहीं होते। वे राष्ट्र की आत्मा हैं, राष्ट्र की नींव हैं। जब हम किसी निर्माण कार्य को देखते हैं, तो हमें उस मिस्त्री के चेहरे पर झलकते संघर्ष को देखना चाहिए। जब हम किसी सफाईकर्मी को देखते हैं, तो हमें उस व्यक्ति की मेहनत और उसकी गरिमा को महसूस करना चाहिए। जब हम किसी मजदूर को देखकर चुप रहते हैं, तो हम दरअसल उन सपनों को नकारते हैं जो वह अपने बच्चों के लिए पाल रहा होता है। हमें श्रमिकों को केवल उनके काम के लिए नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और उनकी मानवता के लिए भी सम्मान देना होगा। श्रम के बिना कोई विकास नहीं हो सकता। श्रमिकों के बिना कोई समाज नहीं बन सकता। वे हमारी अर्थव्यवस्था का ध्वजवाहक हैं, और उनका सम्मान हमारी सभ्यता का दर्पण है। यह सही समय है जब हम अपने समाज की सोच को बदलें। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि श्रमिकों के बिना समाज का कोई अस्तित्व नहीं है। हमें केवल श्रमिकों के अधिकारों की बातें नहीं करनी चाहिए, बल्कि उन अधिकारों को वास्तविकता में बदलने के लिए कार्य करना चाहिए। हमारे लिए एक सशक्त और प्रगतिशील समाज तभी संभव है जब हम अपने श्रमिकों को वह सम्मान और सुरक्षा प्रदान करें जिसकी वे पूरी तरह से हकदार हैं। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है, बल्कि हम सभी की है। हमें अपने भीतर बदलाव लाने की आवश्यकता है। हमें श्रमिकों को उनके अधिकार देना होगा, उन्हें सम्मान देना होगा, और उन्हें वह पहचान देनी होगी जिसकी वे सच्चे हकदार हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस पर, आइए हम एक संकल्प लें। श्रमिकों के बिना हमारे समाज की कोई पहचान नहीं। उन्हें पहचानिए, सम्मान दीजिए, और उन्हें एक उज्जवल भविष्य का हिस्सा बनाइए। श्रमिकों का सम्मान ही हमारे राष्ट्र का असली सम्मान है।

हंसराज चौरसिया

संपादकीय

बालश्रम एक बड़ी समस्या, श्रमिकों का उद्धार कब होगा

(1 मई, अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस)

संविधान के अनुसार 18 साल से कम उम्र का बच्चा यदि घरेलू कामों से अलग अन्य कार्यों जैसे कारखाना, होटल हलवाई या अन्य जगह कार्य करता है तो उसे बाल श्रमिक माना जाता है। कानूनी रूप से बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर पूरे भारत सहित अन्य विकासशील देशों में बाल श्रम की बहुतायत पाई गई है। बाल श्रमिकों के साथ बड़े मजदूरों की की समस्या भी बड़ी विकराल है इसमें भारत देश को निजात पाना अत्यंत जरूरी है। बाल श्रम केवल एक ही रूप में मौजूद नहीं है बल्कि कई अन्य रूपों में भी वह प्रचलित है, इसमें घर पर कार्य करने वाले घरेलू श्रमिकों चाय खाने-पीने की होटलों पर कार्य करते बच्चे पटाखा उद्योगों में दिन रात काम करते बच्चों के छोटे-छोटे शहरों में कचरा कूड़ा बीनते और भीख मांगते बच्चों से कार्य लिया जाना भी बाल श्रम माना जाता है। यह भी कानूनी रूप से अवैध ही है। बाल श्रम मूल रूप से भारत में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, कुपोषण तथा बेरोजगारी जैसे कारण के कारण परिवार के लोगों द्वारा स्वयं अपने बच्चों को बाल श्रम के दलदल में फसा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त समाज में शिक्षा का अभाव, अंधविश्वास जागरूकता का अभाव तथा बच्चों के अधिकार के प्रति जानकारी का नितांत अभाव और बाल श्रम को लागू करने वाली संस्थाओं की कमजोरी के कारण बाल श्रम को बल मिलता है। बाल श्रम रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया में इतनी लंबी तथा महंगी होती है की इस प्रक्रिया पर रोक लगाना लगभग असंभव प्रतीत दिखाई देता है। कई परिवारों में बहुत बच्चे होने के कारण और परिवार के अभिभावकों की असामयिक मृत्यु अथवा बीमारी के कारण बच्चों पर ज्यादा जिम्मेदारी आने से बाल श्रम का सिलसिला शुरू होता है, और वह निर्बाध गति से आगे बढ़ता है। इसमें बच्चों का समाजिक, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, प्रशासनिक जैसे सभी स्तरों पर शोषण होता है। भारत में बाल श्रम इसीलिए भी प्रचलित है क्योंकि बाल श्रमिकों को वयस्क श्रमिक से आधे से भी कम पारिश्रमिक दिया जाता है। बाल श्रमिक बहुत कम दाम पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसलिए इस सिलसिले को रोकने का प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। बालकों के श्रम करने से उनमें मस्तिष्क का तनाव मानवी कुंठा तथा उन्हें दिग्भ्रमित करने की दिशा में कई स्तरों पर शोषण किया जाता है। इस तरह लाखों बच्चे सामाजिक बुराई के शोषण का शिकार होते हैं। बाल श्रम के कारण अनेक विसंगतियां के प्रमाण मिले थे जैसे मानव दुर्व्यवहार, बाल वेश्यावृत्ति जैसे अपराधों में बड़ी संख्या में वृद्धि होती है,और बाल श्रमिकों का जीवन एक दुर्घटना तथा अभिशाप बनकर रह जाता है । समाज के लिए कई परेशानियों का जन्म भी होता है। बाल श्रम करने के पश्चात भी बालकों बालिकाओं को पर्याप्त भोजन नहीं मिलने से वह कुपोषण के भी शिकार होते हैं, और बाद में कई बीमारियों के संवाहक भी बन जाते हैं। जो बालक बालिकाओं की जिंदगी के लिए अत्यंत खतरनाक एवं कष्ट दायक होता है। बाल श्रम रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा कई प्रयास किए बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 का यदि कड़ाई से पालन किया जाए तो बाल श्रम को रोका जा सकता है । इसका क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां ही एकदम ढीली एवं संदेशों से परे नहीं है। इन एजेंसियों में नियोजक द्वारा क्रियान्वयन की जाने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के साथ भ्रष्टाचार करके इसे लालफीताशाही की चादर ओढ़ा दी जाती है। ऐसे में लाखों बच्चे बाल श्रम की आग में झोंक दिया जाते हैं। भारत में बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकार 2009, राष्ट्रीय पोषण मिशन, राष्ट्रीय बाल श्रम निवारण योजनाएं बनाई गई है। इनके क्रियान्वयन में को की लेटलतीफी के कारण लाखों बच्चे अभी भी बाल श्रम में उलझे हुए हैं। अपनी जिंदगी को स्वयं अपने कंधों पर ढोने पर मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में दुनिया भर की मानव अधिकार संस्थाएं क्यों मौन है। इतने कानून बनने के बाद भी बाल श्रमिकों की संख्या हर वर्ष क्यों बढ़ते जा रही है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। बाल श्रमिकों पर जब भी संसद या विधायिका में प्रश्न उठाए जाते हैं तो मानव अधिकार की संस्थाएं क्यों बगले झांकने लगती है। बाल श्रमिक होना और बाल श्रम करवाना दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं। बाल श्रमिक मजबूरी के कारण अपनी आजीविका चलाने के लिए बाल श्रमिक बनता है। पर इनको नियोजन में रखने वाली संस्थाओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। वरना बाल श्रमिक की विभीषिका दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती जाएगी और हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे। बाल श्रमिकों की संख्या को तत्काल रोका जाना चाहिए और इन्हें देश की मुख्यधारा में शामिल किया जा कर देश के विकास में इनका सहयोग लिया जाना चाहिए। अन्यथा आज के ये बच्चे भविष्य के मजबूत नागरिक कैसे बन पाएंगे और एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे हो पाएगा।

संजीव ठाकुर

समंदर में भारत की ताकत

**''जहां शस्त्र बल नहीं
वहां शास्त्र पछताते और रोते हैं
ऋषियों को भी तप में सि?द्धि तभी मिलती है
जब पहरे में स्वयं धनुंधर राम खड़े होते हैं।''**

भारत कभी भी आक्रमणकारी नहीं रहा। भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले सुरक्षित समावेशी और समृद्ध दुनिया का समर्थन किया है। हर देश को अपनी सुरक्षा का अधिकार है और भारत भी जल, थल, नभ गहरे समुंद्र और असीम अंतरिक्ष में अपने हितों की सुरक्षा कर रहा है। भारत में भी ऋषि-मुनियों के यज्ञ तभी सफल होते थे जब श्रीराम धनुष लेकर राक्षसों का नाश करते थे। भारत को शास्त्र के साथ-साथ आधुनिक शस्त्रों की भी जरूरत है। भारतीय सेना अपने अदम्य साहस और शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। भारतीय सेना देश की रक्षा करने के साथ-साथ मानवता की रक्षा बढ़-चढ़कर करती है। अगर भारतीय सेना का कोई वीर सपूत देश के लिए शहीद होता है तो उसकी शहादत पर आंसू केवल उसका परिवार ही नहीं बहाता बल्कि उसके परिवार के रूप में पूरा देश आंसू बहाता है। जिस तरह की परिस्थितियां वैश्विक स्तर पर बनी हुई हैं उसे देखते हुए सशस्त्र बलों को मजबूत बनाया जाना बहुत जरूरी है। वर्तमान में युद्ध जमीन पर कम आकाश और जल में ज्यादा लड़े जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय सेनाओं को किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार किया जा रहा है। भारत और फ्रांस ने 63 हजार करोड़ की राफेल डील पर हस्ताक्षर किए। इस डील के तहत भारतीय नौसेना को 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान मिलेंगे। भारत के पास पहले से ही 36 राफेल विमान हैं। 2016 में ही इन विमानों की खरीद के लिए फ्रांस की कम्पनी के साथ डील हुई थी। भारतीय नौसेना की जरूरतों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट समिति ने इस सौदे को मंजूरी दी थी। भारत के युद्ध पोतों के नए फाइटर जेट्स की जरूरत महसूस की जा रही थी। रखरखाव संबंध मामलों को लेकर मिग-29 फाइटर जेट अब पहले की तरह काम नहीं कर रहे हैं। फ्रांस ने राफेल मरीन विमानों को युद्ध पोत पर तैनात करने के हिसाब से ही डिजाइन किया है। फ्रांस की सेना पहले से ही इसका इस्तेमाल कर रही है। इस सौदे के साथ ही समुन्दर में ताकत बढ़ाने के चीनी मंसूबे पर भारत ने पानी फेरने का पूरा बंदोबस्त कर लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद नौसेना ने दुश्मनों को कड़ा संदेश देते हुए एक महत्वपूर्ण मिसाइल परीक्षण भी किया था। यह मिसाइल परीक्षण नौसेना ने अपने डिस्ट्रॉयर शिप आईएनएस सूरत से अरब सागर में किया था। नौसेना ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल दागी थी। विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल-एम मिलने के बाद नौसेना की ताकत कई गुणा बढ़ जाएगी। चीन जिस तरह से हिन्द प्रशांत क्षेत्र में अपनी धौंस जमाने में जुटा हुआ है और भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में अन्य देशों की मदद करने के लिए हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है, इसके लिए नौसेना को अति आधुनिक बनाया जा रहा है। इसी वर्ष 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वागशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के मौके पर कहा था कि भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साऊथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारतीय सेना को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हुए हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच स्थितियां तनावपूर्ण हैं। जंग और युद्धाभ्यास के लिए राफेल बहुत खास माना जाता है।

नया राफेल मरीन पिछले राफेल से थोड़ा छोटा है। इसे खासतौर पर इसलिए डिजाइन किया गया है कि विमान वाहक युद्धपोतों से सीधे दुश्मन पर हमला किया जा सके और आसानी से युद्धपोत पर लैंड कर सके। यही वजह है कि राफेल मरीन में लैंडिंग गियर के साथ एयर फ्रेम को पहले से ज्यादा पावरफुल बनाया गया है। इसके फोल्डिंग विंग्स को पावरफुल बनाया गया है। राफेल-एम पाकिस्तान और चीन के फाइटर जेट से बेहतर है। इसे पड़ोसी देश पाकिस्तान के एफ-16 और चीन के जे-20 फाइटर जेट से कहीं ज्यादा पावरफुल बताया गया है। भारत का राफेल मरीन एक मिनट के अंदर 18 हजार मीटर की ऊंचाई में पहुंचने की क्षमता रखता है। इसका कॉम्बेट रेडियस 3700 किमी है। राफेल की तरह राफेल मरीन हवा में ईंधन भरने की क्षमता रखता है। राफेल-एम में एक जंप स्ट्रट नोज व्हील का इस्तेमाल किया गया है, यह टेकऑफ के दौरान फैल जाता है। इसके अलावा इस विमान में बिल्ट इन लैडर (सीढ़ी) होती है जिससे युद्धपोत से विमान के कॉकपिट में पहुंचने का काम आसान होता है। अलग से सीढ़ी नहीं लगानी पड़ती। राफेल-एम में खास तरह के माइक्रोवेव लैंडिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है जिसके कारण राफेल और राफेल एम विमान वजन में भी अलग हैं। राफेल के मुकाबले राफेल-एम का वजन थोड़ा ज्यादा है। इसका वजन करीब 10,300 किलो है। भारतीय नौसेना के मिग-29 के फाइटर जेट के साथ राफेल मरीन की तैनाती आईएनएस विक्रमादित्य पर होगी। मिग-29 के फाइटर जेट 65 हजार फीट से अधिक ऊंचाई तक उड़ानें भरने की क्षमता रखता है। यह अत्याधुनिक वेपन सिस्टम से लैस है। हवा, समुंद्र और जमीन पर टार्गेट करके हमला कर सकता है। अब मिग-29 के और राफेल मरीन मिलकर भारतीय नौसेना की ताकत को बढ़ाएंगे और दुश्मनों के इरादों को नाकाम करेंगे। शास्त्र और शस्त्र में बुद्धि और बल का आपसी समन्वय होता है। शास्त्र जीवन के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं। शास्त्र जीवन जीना ?सिखाता है और शस्त्र जीवन की रक्षा करना सिखाता है। शस्त्र से शक्ति मिलती है और आज के विश्व में शक्ति से ही सम्मान मिलता है। विष्णु जी का सुदर्शन चक्र, शिवजी का त्रिशूल, ब्रह्मा जी के वेद, देवी मां के हाथों में हथियार शस्त्रों का महत्व ही प्रदर्शित करते हैं। भारतीय सेना आज दुनिया की शक्तिशाली सेना बन गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उम्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

वैष्णो मंदिर के पास झोपड़ी में लगी आग, मुसाफिरों ने दिखाई मानवता

डाला, सोनभद्र- बुधवार के दिन करीब 3:00 बजे डाला में बैष्णो मंदिर से आगे ब्रिज के नीचे एक झोपड़ी में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब वहां से कई मुसाफिर गुजर रहे थे। आग की लपटें देखकर राहगीरों ने तुरंत मानवता का परिचय देते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग काफी तेजी से फैल रही थी। मौके पर मौजूद मुसाफिरों ने बिना किसी देरी के आसपास के लोगों से पानी मांगा और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए। उनकी तत्परता और एकजुट प्रयास सराहनीय रहे। जानकारी के अनुसार, उस मुसाफिर अरविंद शुक्ला और उनके सहायक जयदेव भी शामिल थे, जिन्होंने आग बुझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अन्य राहगीरों के साथ मिलकर अथक प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप आग को फैलने से रोका जा सका। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मुश्किल घड़ी में अनजान लोग भी एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आ सकते हैं। मुसाफिरों द्वारा दिखाई गई यह मानवीयता निश्चित रूप से प्रेरणादायक है।

सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों को दी गई विदाई

चित्रकूट - पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस विभाग में अपनी सेवा देने वाले व अधिवर्षता पूर्ण करने वाले उपनिरीक्षक व महिला उपनिरीक्षक की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हो रहे उपनिरीक्षक नागरिक सुखलाल एवं महिला उपनिरीक्षक गुड्डी देवी को प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत हो रहे दोनों उपनिरीक्षकों से कहा कि वह घर जाकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें एवं निरन्तर व्यायाम करते रहें। कहा कि अब वह अपनी तीसरी पीढ़ी के साथ अपना समय बिताए। सेवानिवृत हो रहे उपनिरीक्षक सुखलाल ने कहा कि जो भी पुलिस कर्मी विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे है, अनुशासित होकर अपने कर्तव्यों का पूर्ण मनोयोग से पालन करें। साथ ही महिला उपनिरीक्षक गुड्डी देवी ने भी अपने अनुभव साझा कर बताया कि अनुशासित और समय के पाबंद होने से आपको अपनी नौकरी आसान लगेगी खुद को समय का पाबंद बना पाएंगे। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, वाचक राजीव कुमार सिंह, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जिले के एकमात्र आईसीएसई विद्यालय का शत-प्रतिशत रहा बोर्ड परीक्षा परिणाम

चित्रकूट- केन्द्रीय बोर्ड द्वारा संचालित आईसीएसई बोर्ड ने बुधवार को हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। जिसमें जनपद का एक मात्र आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालय एकेडमिक हाइट्स किंग्सन इंग्लिश हाईस्कूल के कक्षा 10 के सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परीक्षा में कक्षा 10 की छात्रा संस्कृति व नायशा ने सर्वाधिक अंक अर्जित किए। साथ ही अन्य विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में सफलता हासिल की। परीक्षा पास करने वाले सभी विद्यार्थियों ने इसका श्रेय अपने शिक्षकों को दिया। विद्यालय की संचालिका शाहीन खान एवं प्रबन्धक मिनहाज आलम खान ने सभी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को बधाई दी। साथ ही सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी खरे, अध्यापक राम दुलारे विश्वकर्मा, उमेश, मंयक आदि मौजूद रहे।

वनटांगिया गांव में बनेगा स्वास्थ्य उपकेंद्र

● सीएमओ ने गांव में एम्स गोरखपुर और चरगांवा पीएचसी के संयुक्त स्वास्थ्य शिविर में दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर और चरगांवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तरफ से जंगल तिकोनिया नंबर तीन (वनटांगिया गांव) में बुधवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे जनपद के सीएमओ डॉ राजेश झा ने बताया कि गांव में शीघ्र ही एक स्वास्थ्य उपकेंद्र खोला जाएगा। आगे चल कर इस उपकेंद्र को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भी अपग्रेड किया जाएगा। सीएमओ ने कहा कि किराये का भवन मिलते ही गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र शुरू करा दिया जाएगा। गांव के प्रधान ने केंद्र के लिए किराये का भवन दिलवाने में मदद का आश्वासन दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश झा ने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र खुलने से वनटांगिया समुदाय को अपने नजदीक ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलने लगेंगी। केंद्र के जरिये बीमारियों की स्क्रिनिंग, दवाएं, नियमित टीकाकरण और अन्य कई सेवाएं वनटांगिया समुदाय को मिलेंगी। गांव में उपकेंद्र खुल जाने से एम्स गोरखपुर और स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय समय पर लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविर को भी मजबूती मिलेगी।

सीएमओ ने बताया कि एम्स गोरखपुर के साथ मिल कर स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में वनटांगिया गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर के जरिये जहां एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिला वहीं जांच व दवाओं में चरगांवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने सहयोग दिया। शिविर में स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान वनटांगिया गांव के मुखिया रामगनेश द्वारा मिनी स्वास्थ्य केंद्र की मांग

की गई थी। इस अवसर पर एम्स के चिकित्सक डॉ आनंद मोहन दीक्षित, डॉ प्रदीप खारया, डॉ यू वैंकटेश, डॉ लालमणि सिंह, डॉ दिव्यांशु कुमार, डॉ फैसल अंसारी, डॉ सुरभि नेगी और डॉ घोष ने सेवाएं दीं। शिविर में डीसीपीएम रिपुंजय पांडेय, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ धनंजय कुशवाहा, एचईओ मनोज कुमार, बीसीपीएम चंद्रशेखर यादव, अजीत रमन और सीएचओ यशवंत सिंह मौजूद रहे।

लोगों को किया गया जागरूक

शिविर के माध्यम से वनटांगिया गांव में संदेश दिया गया कि किसी भी प्रकार का बुखार होने पर चिकित्सक से ही इलाज कराएं। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर हर प्रकार के बुखार के जांच और इलाज की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। बुखार के रोगी सरकारी अस्पताल जाने के लिए 108 नंबर एम्बुलेंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए भी सभी अस्पतालों पर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जाती हैं। वह अस्पताल जाने और वापस घर लौटने के लिए 102 नंबर एम्बुलेंस की सुविधा का इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्मार्ट मीटर के साथ नहीं मिल रहा केबल, बिजली विभाग पर धन उगाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाज़ार, गोरखपुर। गोला क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के कार्य में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के साथ 40 मीटर नया केबल निःशुल्क दिए जाने का प्रावधान है, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाने वाली ठेकेदार टीम पुराने केबल को ही पुनः जोड़ रही है, जबकि नए केबल की सुविधा भी उपभोक्ताओं के अधिकार में शामिल है। इतना ही नहीं, कुछ स्थानों पर स्मार्ट मीटर लगाने के एवज में धन उगाही की भी शिकायतें मिल रही हैं, जिससे आमजन में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। इस मामले की शिकायत भाजपा नेता शत्रुघ्न कसौधन द्वारा विद्युत विभाग के सक्षम अधिकारी से की गई है। अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह निःशुल्क हैं और उन्हें 40 मीटर नए केबल के साथ लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह

भी आश्वासन दिया कि यदि कोई कर्मचारी या ठेकेदार नियमों के विपरीत कार्य करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि वर्तमान में सरकार द्वारा बिजली व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और विद्युत चोरी पर लगाम लगाने के उद्देश्य से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। लेकिन विभाग में मौजूद कुछ अराजक तत्व सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं में असंतोष व्याप्त है। स्थानीय प्रशासन और विभागीय अधिकारियों से मांग की जा रही है कि वे इस पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करें, ताकि जनता का भरोसा बहाल बना रहे।

प्रभु श्रीराम का मोमेंटो देकर मंत्रीगणों का नपाध्यक्ष ने किया स्वागत

कुशीनगर। जिले में पी ओ पी एस के उद्घाटन अवसर पर आए केंद्रीय मंत्री कीर्तवर्धन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, एवं विदेश मंत्रालय तथा डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, केंद्रीय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं संचार मंत्रालय द्वारा कुशीनगर में 450वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) का उद्घाटन किया गया जो कि पासपोर्ट की सुविधा को सुलभ बनाने और भारत में सुशासन के विजन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ चंद्रशेखर पेम्मासामी व केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को नगरपालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल के प्रतिनिधि मनीष जायसवाल ने प्रभु श्रीराम का मोमेन्टो देकर स्वागत अभिनंदन किया।

गोरखपुर में दबंगों का बेखौफ तांडव, सीएम सिटी में कानून व्यवस्था पर सवाल!

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई! शाहपुर थाना क्षेत्र के राधिका कॉम्प्लेक्स के सामने देर रात दबंगों ने ऐसा तांडव मचाया कि पूरा इलाका दहशत में डूब गया। बेखौफ युवकों ने बीच सड़क पर गाली-गलौज, पथराव और उत्पात मचाकर दुकानों को निशाना बनाया, लेकिन पुलिस नदारद रही।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब आधे घंटे तक दबंगों का हंगामा चलता रहा। सड़क पर ईंट-पत्थर बरसाए गए, दुकानें क्षतिग्रस्त हुईं और राहगीर सहम गए। स्थानीय लोगों ने घटना का वीडियो बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि गुंडे बिना किसी डर के

उत्पात मचा रहे हैं, जबकि पुलिस का कोई अता-पता नहीं।स्थानीय दुकानदारों में गुस्सा और डर का माहौल है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाएं अब आम हो गई हैं, लेकिन पुलिस की लचर कार्रवाई के चलते दबंगों के हौसले बुलंद हैं। खासकर, मुख्यमंत्री के जनपद में ऐसी वारदात ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां रात्रि गश्त और सीसीटीवी की बातें जोर-शोर से की जाती हैं, वहां दबंग कैसे इतने बेखौफ हो गए?पुलिस अब जांच की बात कर रही है, लेकिन सवाल वही–जब योगी के गढ़ में ही गुंडई चरम पर है, तो आम जनता कैसे सुरक्षित रहेगी? जनता मांग कर रही है–क्या अब सख्त एक्शन होगा, या ये सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित रहेगा

गोरखपुर दक्षिणांचल में भारी वाहनों की मनमानी पर फूटा जन आक्रोश, व्यापारियों और नेताओं ने मुख्यमंत्री को दिया पत्रक

स्वतंत्र प्रभात

खजनी। गोरखपुर दक्षिणांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में टोल टैक्स बचाने के नाम पर भारी वाहनों की मनमानी अब स्थानीय जनता के सब्र का बांध तोड़ रही है। टोल से बचने के चक्कर में ये वाहन मुख्य सड़कों को छोड़कर खजनी, जैतपुर, बाँसगांव, उनवल, और पिपरौली जैसे संकरे व जर्जर ग्रामीण मार्गों से गुजर रहे हैं, जिससे न केवल सड़कें टूट रही हैं बल्कि आमजन की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न होने से नाराज़ व्यापारियों और स्थानीय नेताओं ने मंगलवार को एकजुट होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व हियुवा जिला संयोजक रामपाल सिंह ने किया, जिसमें जनप्रतिनिधि गब्बू मद्देशिया, नवीन श्रीवास्तव सहित अन्य प्रमुख लोग शामिल रहे। ज्ञापन में कहा गया है कि भारी वाहन 'जीरो प्वाइंट' से यूटर्न लेकर बोकटा, पिपरौली, जैतपुर होते हुए खजनी और कौड़ीराम मार्ग का इस्तेमाल कर दो टोल टैक्स की बचत कर रहे हैं। यही नहीं, देवरिया, बिहार, मिर्जापुर व बनारस से आने वाले ट्रक भी कौड़ीराम से शॉर्टकट लेते हुए लखनऊ और कानपुर की ओर रुख कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि इन मार्गों पर भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए और टोल टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ओबरा में ब्राह्मण समाज ने श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई भगवान परशुराम जयंती

स्वतंत्र प्रभात

ओबरा, सोनभद्र। ओबरा स्थित ब्राह्मण समाज कार्यालय में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में बुधवार को भगवान परशुराम की जयंती बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न बंधुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान परशुराम के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के अध्यक्ष नंदलाल पांडेय ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्म वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को हुआ था। श्री पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम सदैव समाज में सद्भाव स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील रहे और उनका जीवन हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित समाज के सदस्यों से भगवान परशुराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें देवानंद मिश्र, संतोष पाण्डेय, राजीव दूबे, कृष्ण मोहन तिवारी, राकेश मिश्रा, पशुपति नाथ उपाध्याय, अगस्त शुक्ला, कृष्ण बिहारी तिवारी, कृपा शंकर पाण्डेय, महेश पाण्डेय और आचार्य अरविन्द शुक्ला प्रमुख थे। इन सभी ने भी भगवान परशुराम के त्याग, तपस्या और न्यायप्रियता जैसे गुणों पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में उपस्थित सभी ब्राह्मण बंधुओं ने भगवान परशुराम के प्रति अपनी गहरी आस्था और सम्मान व्यक्त किया। जयंती समारोह पूरे भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। इस आयोजन ने समाज के लोगों को एक साथ आने और अपनी संस्कृति एवं मूल्यों को साझा करने का अवसर प्रदान किया।

कुशीनगर में 450वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का हुआ भव्य उद्घाटन

● - जनपद में नागरिक-केंद्रित सुशासन की एक उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात

कुशीनगर। कीर्तवर्धन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, एवं विदेश मंत्रालय तथा डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, केंद्रीय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं संचार मंत्रालय द्वारा कुशीनगर में 450वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) का उद्घाटन किया गया जो कि पासपोर्ट की सुविधा को सुलभ बनाने और भारत में सुशासन के विजन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल, सांसद कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, सांसद विजय कुमार दुबे, सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय विधायकगण मोहन वर्मा, विनय प्रकाश गोंड, विवेकानंद पांडे, मनीष कुमार, सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि विदेश मंत्रालय के अधिकारी गण, डाक विभाग के अधिकारी गण, कुशीनगर जिला प्रशासन और कुशीनगर पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान संबोधन में मंत्री ने इतिहास और अध्यात्म की दृष्टि से समृद्ध भूमि तथा भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर में इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। उन्होंने कहा कि, यह महज एक उपलब्धि नहीं है, यह एक नए भारत के उस विजन को दर्शाता है जहां पर सुशासन एक कल्पना मात्र नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए, एक जीवंत सच्चाई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कुशीनगर में पीओपीएसके की स्थापना इसकी सांस्कृतिक आदान-प्रदान और तीर्थयात्रा की समृद्ध विरासत को भारत की आधुनिक वैश्विक आकांक्षाओं से जोड़ती है तथा पूरे विश्व को अपने में समाहित करने की हमारी परंपरा को प्रतिबिंबित करती है। पीओपीएसके के परिवर्तनकारी स्वरुप पर प्रकाश डालते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि काफी लम्बे समय तक पासपोर्ट प्राप्त करना अपने आप में एक यात्रा करने जैसा था लेकिन आज, कुशीनगर का कोई भी किसान, मजदूर या मानसिक शांति को गंवाए बिना इन सेवाओं का लाभ ले सकता है। मंत्री ने विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच की इस महत्वपूर्ण साझेदारी को 'जनकल्याण के लिए सरकार के दो अंगों के एकजुट होने का जीता जागता उदाहरण' बताया। उन्होंने कहा कि, भारतीय डाक के विशाल नेटवर्क का लाभ उठाते हुए डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों ने डाकघरों को आधुनिक सुशासन के केंद्रों में परिवर्तित कर दिया है। एम-पासपोर्ट सेवा ऐप, कागज रहित दस्तावेजों के लिए डिजिलॉकर के साथ और अप्लाई फ्रॉम एनीव्हेयर योजना जैसी नवीन सुविधाओं ने पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया है, जोकि इस सेवा के लोगों की जरूरतों के अनुरूप ढालने के नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। अपने संबोधन के अंत में, माननीय मंत्री जी ने सहयोग प्रदान करने के लिए डाक विभाग को धन्यवाद दिया और इस डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र को कुशीनगर की जनता को समर्पित करते हुए सुलभ सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पीओपीएसके विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच साझेदारी का परिणाम है जिसका उद्देश्य पासपोर्ट सेवाओं को शहरी केंद्रों की सीमाओं से निकालकर आम नागरिकों तक पहुंचाना है। 37 पासपोर्ट कार्यालयों के अंतर्गत कुल 450 पीओपीएसके एवं 93 पासपोर्ट सेवा केंद्रों के साथ अब देशभर में 543 पासपोर्ट सर्विस पॉइंट्स का नेटवर्क है, जिसमें से क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ के क्षेत्राधिकार में कुल 4 पासपोर्ट सेवा केंद्र एवं 33 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र संचालित होते हैं। कुशीनगर का यह पीओपीएसके क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अंतर्गत 33वाँ डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र होगा। वह पीओपीएसके प्रत्येक लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पासपोर्ट सेवा पॉइंट स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महामारी जैसी चुनौतियों के बावजूद 543 निर्वाचन क्षेत्रों में विदेश मंत्रालय ने यह लक्ष्य हासिल कर लिया है।कुशीनगर, एक ऐसी जगह है जिसने सदियों से संतों, विद्वानों और साधकों को अपनी ओर आकर्षित किया है और यहाँ पर इस सुविधा की शुरुआत यह सुनिश्चित करती है कि इस क्षेत्र के लोगों की विश्व स्तर तक पहुँच उसी प्रकार हो सके जिस प्रकार विश्व की पहुँच कुशीनगर तक सुनिश्चित हुई है। यह हमारे देश के अतीत और भविष्य के बीच एक छोटा किंतु सशक्त माध्यम है ताकि इसके माध्यम से भारत ग्रहणशीलता और संपर्क का प्रकाश स्तंभ बना रहे।

ओबरा में पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात

ओबरा, सोनभद्र। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दुखद आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों की स्मृति में ओबरा नगर में शोक छा गया। नगर के कमल पेट्रोल टंकी स्थित प्रेस कार्यालय पर वरिष्ठ पत्रकार राम प्यारे सिंह और सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पत्रकारों ने शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस शोक सभा में नगर के विभिन्न पत्रकारों ने एकत्रित होकर दिवंगत पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की। सभी ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के संतोष साहनी और अजीत सिंह ने इस बर्बर और कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाना मानवता के विरुद्ध एक जघन्य अपराध है। उन्होंने यह भी कहा कि सोनभद्र जिले के सभी पत्रकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। अजीत सिंह ने अपने विचार

साझा करते हुए कहा कि आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इस प्रकार की हिंसक घटनाओं को देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने का एक घिनौना प्रयास बताया। उन्होंने सरकार से पुरजोर मांग की कि इस जघन्य कृत्य के दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।इस श्रद्धांजलि सभा में ओबरा और डाला नगर के कई प्रतिष्ठित पत्रकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें प्रमुख रूप से राम प्यारे सिंह, सुरेंद्र सिंह, शिव प्रताप सिंह, संतोष साहनी, मिथिलेश भारद्वाज, सोहेब अहमद खान, भारत कुमार, अजीत सिंह, ज्वाला प्रसाद और कैलाश बिहारी शामिल थे। सभी उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी एकजुटता प्रदर्शित की और इससे मिलकर मुकाबला करने का दृढ़ संकल्प लिया। इस शोक सभा ने यह संदेश दिया कि दुख की इस घड़ी में पूरा पत्रकार समुदाय पीड़ित परिवारों के साथ है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार चुर्क का निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी.एन. सिंह और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने आज जिला कारागार चुर्क (घुर्मा), सोनभद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में सीधी बातचीत की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सबसे पहले पाकशाला पहुंचे, जहां बंदियों के लिए शाम का भोजन तैयार किया जा रहा था। उन्होंने तैयार हो रहे भोजन की गुणवत्ता को परखा और जेलर को इसमें सुधार लाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि बंदियों को पौष्टिक और स्वच्छ भोजन मिले।इसके बाद, उन्होंने कारागार के विभिन्न बैरकों का निरीक्षण किया और वहां बंदियों से उनकी सेहत और बीमारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बंदियों की स्थिति का जायजा

लेते हुए बैरकों में साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, दिन और रात्रि शौचालय तथा स्नान की उचित व्यवस्था का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने जेलर को निर्देशित किया कि बंदियों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने बंदियों से यह भी पूछा कि क्या उन्हें कारागार में कानूनी सहायता के लिए वकील उपलब्ध हैं। जिन बंदियों ने वकील की व्यवस्था न होने की बात बताई, उनके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अधिवक्ता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, बंदियों को कारागार में काम करने के बदले मिलने वाले पारिश्रमिक के बारे में भी जानकारी ली गई।इस मौके पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने बंदियों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें जेल में मिल रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। उन्होंने संबंधित जेलर को बंदियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जेलर राजेश कुमार वर्मा, गौरव कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह और कारागार के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के इस निरीक्षण का उद्देश्य कारागार में बंदियों को बेहतर माहौल और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

संक्षिप्त खबरें

सेमरई गाँव के एक गरीब किसान ने कुत्तों से बचाई हिरण के बच्चे कीजान वन विभाग को सौपा

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। मोहम्मदी वनरेंज के अंतर्गत आने वाले गाँव सेमरई में एक मजदूर ने जंगलों से निकलकर आए हिरण के बच्चे की जान कुत्तों से बचाकर घर में आश्रय दिया। डायल 112 पर फोन कर सूचना देने पर वनविभाग की टीम के आने पर हिरण के बच्चे को सौंप दिया।जानकारी अनुसार गेंहू काटने गए सेमरई निवासी लालजी प्रसाद ने देखा कि एक नन्हा सा बच्चा गेंहूँ में छिपा है,और करीब चार-पाँच कुत्ते एक हिरण को दौड़ा ले गए हैं, नन्हा सा बच्चा देख मन मे दया भाव जागृत हुआ ,उसकी जान की रक्षा के लिए उसकी काफी देर तक निगरानी करते रहे। हिरणी के न आने पर उसे अपने घर ले आया और डायल 112 को फोन कर जानकारी दी सूचना पर पहुंची वनविभाग की टीम को हिरणी के बच्चे को सौंप दिया। वनकर्मी का कहना था बच्चे को अपने साथ लेगए जहां उसका चिकित्सा उपचार कर जंगल में छोड़ा जाएगा।

04 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता गिरफ्तार, माल बरामद

शाहजहांपुर। एस0 ओ0 जी0 टीम, सर्विलांस सेल व थाना तिलहर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा ज्वैलरी की दुकान से चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी करने वाले 04 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता (कुल 05 अभियुक्तगण) को मय माल के गिरफ्तार किया थाना तिलहर पुलिस टीम को बड़ी सफलता हासिल हुई।थाना तिलहर पर वादी द्वारा थाना तिलहर स्थित अपनी ज्वैलरी की दुकान से कुछ अज्ञात लोगो द्वारा ज्वैलरी चोरी करने के सम्बन्ध में मु0अ0स0 120/25 धारा 303(2बीएनएस पंजीकृत कराया था। घटना को गम्भीरता से लेते हुए लगातार घटना के अनावरण हेतु थाना तिलहर पुलिस टीम, एस0 ओ0जी0 व सर्विलांस टीम प्रयासरत थी। मुकदमा उपरोक्त की विवेचना के क्रम में घटना कारित करने वाले प्रकाश में आये वांछित अभियुक्तगण ऋषि शुक्ला पुत्र विश्नु कुमार शुक्ला, शिवपूजन शुक्ला विश्नु कुमार शुक्ला, रिंकी पत्नी शिवपूजन शुक्ला निवासीगण नयापुरवां थाना बेनीगंज जनपद हरदोई, अमरीश कुमार पुत्र प्यारेलाल अम्बर मिश्रा पुत्र सुन्दरलाल मिश्रा निवासीगण ग्राम बहुती थाना मिश्रिख जनपद सीतापुर को कपसेड़ा मन्दिर के पीछे थाना तिलहर क्षेत्र से एस0 ओ0जी0 टीम, सर्विलांस सेल व थाना तिलहर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखविर खास की सूचना पर उपरोक्त सभी अभियुक्तगणों को चोरी किये गये सामान 01 चैन पीली धातु , 01 हार पीली धातु ,घटना में प्रयुक्त 01 कार न्यू बोलेरो नम्बर UP 32PT8309 के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पिकअप की टक्कर से 26 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

बेनीगंज/हरदोई- बेनीगंज थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी 26 वर्षीय रामखेलावन पुत्र शिवप्रसाद अपने चचेरे साले की शादी में 26 अप्रैल को शेखवापुर गया हुआ था। साले के सशुराल में लड़की पक्ष से चौथी के लिए लोग आए थे। उसी समय कुछ सामग्री कम पड़ जाने पर रामखेलावन अपने चचेरे शाले शिवम पुत्र छोटेलाल निवासी शेखवापुर के साथ मल्हेरा कुछ पारिवारिक सामान खरीदने जा रहा था। तभी अनियंत्रित पिक अप डाला युवक को रौंदते हुए सड़क किनारे खन्ती में जा घुसा। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई और एक व्यक्ति घायल हुआ। मृतक युवक के एक वर्ष की एक पुत्री जिसका नाम राधा है पत्नी रोशनी का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ग्रामीणों की भीड़ ने लगभग 1 घंटे तक सड़क मार्ग जाम किया। मौके पर बेनीगंज कोतवाल कृष्ण बली सिंह,संडीला एस एस आई सुनील कुमार मिश्रा, के काफी समझाए जाने के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर जाम को हटाया जा सका।

ग्राम पंचायत बम्हनपुर में स्थित कुआं जो कि अब भू माफिया की नजर में है

स्वतंत्र प्रभात

बम्हनपुर/निघासन। निघासन क्षेत्र के ग्राम पंचायत बम्हनपुर में स्थित कुआं जो कि अब भू माफिया की नजर में है, गाँव के ऐतिहासिक पूजा स्थल कुएं पर माफियाओं की नज़र, संरक्षण की गुहार गाँव में वर्षो से पूज्यनीय माने जाने वाले ऐतिहासिक कुएं की हालत दिनोंदिन जर्जर होती जा रही है। यह कुआं न केवल ग्रामीणों की आस्था का केंद्र है, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्राचीन कुएं पर अब भूमाफियाओं की बुरी नजर है, जो इसे कब्जाने की फिराक में हैं। ग्रामवासियों के अनुसार, पहले इस कुएं की नियमित सफाई और पूजा-अर्चना होती थी। गाँव के हर शुभ कार्य में इस कुएं का जल प्रयोग में लाया जाता था। मगर आज कुएं की देखरेख नहीं हो रही है, दीवारें टूट चुकी हैं और गंदगी का अंबार लग गया है। गाँव के बुजुर्गो का कहना है कि कुछ प्रभावशाली लोग जानबूझकर कुएं की हालत खराब कर रहे हैं ताकि बाद में इसे अनुपयोगी घोषित कर निजी हितों के लिए कब्जा किया जा सके। ग्राम पंचायत और प्रशासन की चुप्पी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों की मांग-

» कुएं का तत्काल जीर्णोद्धार कराया जाए।

» इसकी पवित्रता और सार्वजनिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए सुरक्षा दी जाए।

» कुएं की जमीन पर कोई अवैध कब्जा न हो, इसके लिए स्थायी व्यवस्था की जाए।

» दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

» गाँव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल- अब सवाल उठता है कि क्या प्रशासन जागेगा और इस धार्मिक धरोहर को बचाएगा, या फिर माफियाओं के हाथों एक और सांस्कृतिक विरासत का विनाश होने दिया जाएगा?

अमीरुल मोमिनी इंटर कॉलेज की छात्र-छात्राओं का रहा शानदार प्रदर्शन

● अमीरुल मोमिनी इंटर कालेज की छात्रा ने इल्मा अंसारी ने प्राप्त किए 84.66 अंक

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के नतीजे आने पर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे।कस्बा खीरी के अमीरुल मोमनीन इंटर कॉलेज की छात्र छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया।वहीं मोहल्ला डीहपुर निवासी वकील अहमद की पुत्री इलमा ने 84.66 अंक प्राप्त किए।इल्मा अंसारी का लक्ष्य 99 प्लस का था लेकिन इल्मा अंसारी बताती है तैयारी अच्छी की थी लेकिन पेपर टफ होने से इल्मा अंसारी 84.66 अंक ही मिल सके।फिलहाल इल्मा अंसारी ने 84.66 अंक प्राप्त कर न सिर्फ़ अपने माता पिता का नाम रौशन किया है,बल्कि अपने कॉलेज और टीचर्स का गौरव बढ़ाया है।बात चीत में इल्मा अंसारी ने अपनी सफलता का श्रय अपने माता-पिता और कॉलेज के शिक्षकों को दिया। इल्मा अंसारी डॉक्टर बनना चाहती है। इसके अलावा अमीरुल मोमनीन छात्र-छात्राओं में जैनब के सबसे अधिक 86.83 अंक रहे।सारा अंसारी 85.66 अंक।जीनत अंसारी 80.66 अंक।अरहमा 80.16 अंक।सरिया 79.16 अंक। नूर नजील 77.66 अंक। शिवानकी वर्मा 77.00 अंक।इकरा खान 76.33 अंक तो वही चांदनी ने 75.83 अंक प्राप्त कर अच्छा परदर्शन किया।

अजीजगंज गोलीकांडप्तगर्रा पुल पर जाम, परिजनों ने की एनकाउंटर की मांग

महापौरअर्चना बर्मा ने घटनास्थल पर जाकर पीड़ितों को आश्वासन देकर जाम को खुलाबाया

शाहजहांपुर- अजीजगंज इलाके में हुए सनसनीखेज गोलीकांड के बाद जनाक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना से आक्रोशित महिलाओं ने बुधवार को गर्रा पुल रोड को पूरी तरह जाम कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, हमलावरों ने तीन युवक को सरेआम गोली मार दी थी, जिसमें एक की मौके पर मौत जिससे क्षेत्र में भय का माहौल फैल गया। घटना के बाद से ही परिजन आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और एनकाउंटर की मांग पर अड़े हुए हैं।मौके पर हालात बेकाबू होते देख प्रशासन ने भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। अफसरों की समझाने की तमाम कोशिशों के बावजूद महिलाएं अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई- यहां तक कि एनकाउंटर- नहीं किया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। स्थानीय प्रशासन अब हालात को सामान्य करने और लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश कर रहा है। महापौरअर्चना बर्मा ने घटनास्थल पर जाकर पीड़ितों को आश्वासन देकर जाम को खुलाबाया।

दबंगो ने मकान पर किया कब्जा कर भूसा भरने की कोशिश, पीड़िता ने थाने में दी तहरीर

बंडा शाहजहांपुर। बंडा क्षेत्र के ग्राम बरगदा में दबंग ने जबरदस्ती मकान पर कब्जा कर भूसा भरने की कोशिश की पीड़िता ने 112 नंबर बुलाई पुलिस ने भूसा भरने से रोका पीड़िता ने बंडा थाने में तहरीर दी ग्राम धीमरपुर थाना फरीदपुर जिला बरेली निवासी सर्वेशा देवी पत्नी पृथ्वीराज, ने बंडा थाने में तहरीर देखकर बताया ग्राम बरगदा थाना बंडा जिला शाहजहांपुर में हमारा मायका हैं हम और हमारी बहन सरोजा देवी दो लोग अपने माता-पिता के जायज बारिश है और हमारी जन्मभूमि ग्राम बरगदा में है, हमारे मकान में 28 अप्रैल को गांव के ही इंस्पेक्टर सिंह पुत्र गंगाराम अपने साथियों के साथ जबरदस्ती कब्जा की नीयत से हमारे मकान पर भूसा भरने लगे तब हमने एक112 नंबर पर कॉल किया तभी पुलिस ने आकर उसे भूसा भरने से रोक दिया इंस्पेक्टर सिंह पुत्र गंगाराम हमारे मकान में भूसा भरकर कब्जा करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। मना करने पर गंदी-गंदी गाली देकर लड़ाई झगड़ा पर आमादा हो जाता है और हमें जान से मारने की धमकी देता है। हलका इंचार्ज प्रदीप कुमार चौधरी ने बताया जांच कर कार्रवाई की जाए।

बाल विवाह के खिलाफ उठी बुलंद आवाज- "आओ मिलकर इसे जड़ से मिटाएँ"- मुख्य विकास अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध जनजागरूकता हेतु विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान मुख्य विकास अधिकारी महोदया के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के मार्गदर्शन में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया गया।इस अवसर पर मदरसा नुरुल हुदा में जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने, शिक्षित होने एवं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इसे सामाजिक बुराई बताया, जिसे जड़ से समाप्त करने की आवश्यकता है।राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने छात्र-छात्राओं को बताया कि कई स्थानों पर आज भी अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर लड़के एवं लड़कियों के विवाह न्यूनतम वैधानिक आयु (लड़कों के लिए 21 वर्ष एवं लड़कियों के लिए 18 वर्ष) से पूर्व कर दिए जाते हैं, जो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसके अंतर्गत दोषी को दो वर्ष की सजा, ?1,00,000 जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।अमृता दीक्षित द्वारा सभी विद्यार्थियों को बाल विवाह न करने एवं न होने देने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। साथ ही यह अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल विवाह की घटना हो रही हो तो तुरंत 1098 (चाइल्ड लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) अथवा वन स्टॉप सेंटर को सूचित करें।कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना प्रमुख हैं।कार्यक्रम में प्राचार्य अनिल कुमार, अध्यापकगण महेंद्र कुमार सिंह, राजीव श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार अवस्थी, प्रेम शंकर सक्सेना, निधि प्रज्ञा, सुनीता मिश्रा सहित विद्यालय का समस्त छात्र-शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ का कार्यक्रम हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई संडीला में थाने वाले हनुमान जी मंदिर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ के कार्यक्रम का आयोजन पूजा अर्चना के साथ भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समस्त ब्राह्मण परिवार संडीला के तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर विष्णु दयाल शुक्ला, अमन त्रिपाठी, रामजी द्विवेदी, सृजल तिवारी, अतुल तिवारी, शिवम शुक्ला, गयाधर तिवारी, अजय द्विवेदी सभासद, जगत द्विवेदी, संजीव त्रिपाठी, सुखदेव द्विवेदी, विनय शुक्ला, पंकज तिवारी, विवेक द्विवेदी, पंडित शिव सहाय तिवारी, अनुज त्रिपाठी, बृजेश पांडेय, शैलेश अग्निहोत्री, मुकेश सिंह सोमवंशी, चंदन सिंह, सुचित द्विवेदी, विवेक मिश्रा (विराट), करुणेंद्र तिवारी, विनोद द्विवेदी, एवं समस्त ब्राह्मण परिवार एवं सर्व समाज उपस्थित रहा।

पूर्व विधायक ने पूर्व सीएम अखिलेश यादव का फूंका पुतला

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई मे भाजपा कार्यकर्ताओ ने संविधान निर्माता डाक्टर भीमराव आम्बेडकर के तस्वीर के साथ सपा द्वारा अखिलेश यादव की तस्वीर लगाने के विरोध में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन किया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव का पुतला दहन कर की जमकर नारेबाजी की।

लखनऊ के स्वयं को तथाकथित पत्रकार पर सरकार के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी करने पर थाना मैलानी में मुकदमा पंजीकृत

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले के बाद केंद्र सरकार पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले युवक के विरुद्ध मैलानी थाने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस दौरान कस्बे के व्यापारियों एवं हिंदूवादी संगठनों कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।जानकारी के अनुसार पूर्व में मैलानी व वर्तमान समय में लखनऊ में रह रहें और स्वयं को पत्रकार बताने वाले कैफ खान ने इंटरनेट मीडिया पर केंद्र सरकार को लेकर तीखी टिप्पणी कर दी। टिप्पणी पढ़ने के बाद कस्बे के लोगों में आक्रोश हो गया।कस्बे के व्यापारी एवं धार्मिक संगठन के लोग थाने पहुंचे और आरोपी के विरुद्ध शिकायत दर्ज करायी। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने आनन-फानन आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।आरएसएस के भवानी शंकर माहेश्वरी,भाजपा नेत्री गुरमीत कौर,मीना शर्मा,अनीता कौर,आशीष अग्रवाल,सोमदत्त प्रजापति सहित जिला उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री गोपाल सिंघल ने आरोपी युवक के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष निराला तिवारी का कहना है कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।इस तरह की टिप्पणी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।ऐसा करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बजाज चीनी मिल गोला में संयुक्त गन्ना सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला एवं गन्ना विकास परिषद के गन्ना पर्यवेक्षको के संयुक्त सर्वे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गोला चीनी के सभागार मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त गन्ना एवं चीनी उत्तर प्रदेश नीति के द्वारा जारी गन्ना सर्वे बिंदुवार व्याख्यान करने के साथ अवगत कराया गया कि गन्ना सर्वे कार्य 01 मई से 30 जून 2025 तक जी पी एस से मैट्रिक प्रणाली पर आधारित केवल पौधा गन्ना का सर्वेक्षण किया जाएगा। ज्येष्ठ गन्ना विकाश निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने संयुक्त रूप से सभी गन्ना सुपरवाइजरो को सर्वे सट्टा नीति के बारे में जानकारी दी।चीनी मिल के युनिट हेड जितेन्द्र सिंह जादौन ने सभी गन्ना पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्र के किसानों से संपर्क कर गन्ना रकवा संबंधी घोषणा पत्र आनलाइन भरवा दे, जिससे सीजन के दौरान सट्टा संचालित होने में असुविधा ना होने पाए। उन्होंने यह भी बताया कि कृषकों के मोबाइल नंबर भी अपडेट कर लें ताकि कृषकों को उनके सट्टा, गन्ना रकवा व पर्ची इत्यादि के एस एम एस प्राप्त होने में कोई असुविधा ना हो। साथ ही सभी गन्ना किसानो से अनुरोध किया है कि अपने गांव में सर्वे के समय सभी किसान मौजूद रहे। इस मौके पर सचिव गन्ना समिति बलवंत चौधरी, सहायक महाप्रबंधक गन्ना ओ डी शर्मा सहित सभी गन्ना पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटलीजेंस एंड ग्लोबल डेवलपमेंट' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का होगा आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जी.एफ.कॉलेज के कॉमर्स और बी.बी.ए विभाग तथा गेडू कॉलेज आफ बिजनेस स्टडीज़ भूटान और नॉवेल एकेडमी पोखरा नेपाल के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 1-2 मई को 'आर्टिफिशियल इंटलीजेंस एंड ग्लोबल डेवलपमेंट' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खाँ ने बताया कि सेमिनार में नेपाल, भूटान नाइजीरिया, साउथ कोरिया व भारत के लगभग 500 विद्वान, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ प्रतिभाग करेंगे और ए.आई के उपयोग एवं संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सेमिनार में विभिन्न देशों के साथ जी.एफ.कॉलेज द्वारा एम.ओ.यू हस्ताक्षर किए जाएंगे जिससे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों को शिक्षा के वैश्विक अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

सेमिनार के संयोजक वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ पुनीत मनीषी ने बताया कि पहले सत्र में नेपाल से श्री विशेश्वर आचार्य, भूटान से डॉ0 शेवांग फुंशो, अयोध्या से डॉ0 मिर्ज़ा शाह साहब, एस.एस. कॉलेज, शाहजहाँपुर से प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल अपने विचार व्यक्त करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. अनमोल सक्सेना ने बताया कि सेमिनार में प्रस्तुत किए जानवाले शोधपत्रों की पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन प्रातः 10 बजे महाविद्यालय के कमेटी हॉल में किया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खाँ ने सेमिनार का ब्रोशर प्रस्तुत किया। सेमिनार के समन्वयक प्रो. फैयाज अहमद, सैयद अनीस अहमद, सैयद औरंगज़ेब, सह आयोजन सचिव डॉ0 स्वप्निल यादव आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया सतघरवा का औचक निरीक्षण

● बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाना सुनिश्चित किए जाने का दिया निर्दसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्था पाए जाने पर डीएम ने चिकित्सा अधीक्षक को लगाई फटकार, सुधार लाए जाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर आमजनमानस को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाना सुनिश्चित किए जाने हेतु डीएम श्री पवन अग्रवाल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया सतघरवा का औचक निरीक्षण किया गया।इस दौरान उन्होंने वाटर कूलर में शीतल पेयजल की उपलब्धता का जायजा लिया। वाटर कूलर संचालित पाया गया।उन्होंने ओपीडी कक्ष, इंजेक्शन कक्ष ,लेबर रूम आदि का निरीक्षण किया। आर्थो चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए एवं इंजेक्शन कक्ष बंद पाया गया, जिस पर डीएम ने चिकित्सा अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाई, उन्होंने लेबर रूम का भी निरीक्षण किया एवं खाली बेड पाए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को सुधार लाते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर किए जाने के निर्देश दिया।

इस दौरान उन्होंने मरीजों से भी वार्ता की एवं बाहर से दवा तो नहीं लिखी जा रही इसका फीडबैक प्राप्त किया। मरीजों ने बताया कि बाहर से दवा नहीं लिखी जा रही है। इस दौरान

बाल विवाह एक दण्डनीय अपराध है:- संजय कुमार निगम

● बाल विवाह कुरीति को समाप्त किये जाने हेतु जिला प्रोबेशन अधिकारी ने लोगों से की अपील

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी/जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय निगम ने बताया है कि अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह करने की रुढिवादी परम्परा समाज में आज भी विद्यमान है। इस वर्ष 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया है। उन्होंने जनपद के समस्त सम्मानित प्रबुद्धजनों से अपील भी की है कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग के निर्देशानुसार तथा शासन की मंशा के अनुरूप बालक/बालिकाओं के सर्वोत्तम हित के दृष्टिगत 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर किसी भी वर्ग के बाल विवाह को रोकने में हर सम्भव मदद करें। बाल विवाह अधिनियम 1929, यथा संशोधित 2006 के अन्तर्गत बाल विवाह करना/कराना दोनों तरफ से कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है। इसके लिए सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराकर जुर्माना तथा सजा का प्रावधान है। यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था जिसकों बाल विवाह के सम्पन्न होने की जानकारी या बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त, होने पर अपने इलाके के पुलिस अधिकारी,बाल कल्याण समिति कार्यालय, जिला बाल संरक्षण कार्यालय, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112, महिला हेल्पलाइन 181 एवं जिला मजिस्ट्रेट को लिखित या मौखिक रूप से सूचित कर सकते है। उन्होंने बताया कि वह बालिका जिसने 18 वर्ष की आयु न पूरी की हो एवं वह बालक जिसने 21 वर्ष की आयु न पूरी की हो वह बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी अपराध है ऐसे विवाह करवाने वाले व्यक्तियों या सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों जैसे-पंडित, मौलवी, पादरी, माता-पिता एवं रिस्तेदार, दोस्त, प्रिंट प्रेस, टेंट व्यवसायी, मैरिज हाल, बैड बाजा, कैटर्स, फोटोग्राफर इत्यादि द्वारा बाल विवाह को सहमति देना, बढ़ावा देना या शामिल होने पर उनके विरूद्ध दो वर्ष की कठोर कारावास/एक लाख जुर्माना या दोनो का प्रविधान है।

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत्ति पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता का हुआ विदाई समारोह सम्मान

भदोही - को अधिष्ठा आए पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुए पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता अच्छे लाल पाल काका नगर पालिका गोपीगंज में विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उनके साथ बीते हुए पाल को लेकर अध्यक्ष तथा कर्मचारी नम आंखों से विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ इसमें नगर पालिका परिषद अध्यक्ष जितेंद्र कुमार द्वारा माला पनागर एवं अंगवस्त्र देकर सम्मान किया तथा नगर पालिका परिषद कर्मियों द्वारा माला फूल बनाकर उनके अच्छे भविष्य एवं स्वास्थ्य की कामना किया इस मौके पर समस्त नगर पालिका परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

दिनांक-28.04.2025 को पीड़िता/वादिनी मुकदमा उम्र करीब 30 वर्ष द्वारा थाना सुरियावां पर सूचना दिया गया कि वर्ष 2023 से आरोपी युवक द्वारा शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया । उक्त सूचना पर तत्समय ही आरोपी के विरुद्ध थाना सुरियावां पर मु0अ0सं0-124/2025 धारा-376 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिमन्यु मांगलिक,पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देश के क्रम में आज दिनांक-30.04.2025 को थानाध्यक्ष सुरियावां के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म करने के आरोपी पंकज उर्फ सचिन बारी पुत्र अमर बहादुर बारी उम्र 25 वर्ष निवासी निवासी महुआपुर थाना सुरियावां जनपद भदोही को रेलवे स्टेशन सुरियावां से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान मा0 न्यायालय किया गया। पुलिस द्वारा त्वरित वैज्ञानिक विवेचना तथा मा0 न्यायालय में शीघ्र ही गवाहों व साक्ष्य को उपस्थित कराकर प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी को अल्पसमय में दंडित कराया जाएगा।

गोपालपुर में राधा मंदिर के लिए विधि विधान से हुआ भूमि पूजन

स्वामी प्रेमानन्द जी महराज से प्रेरित होकर मंदिर बनाने का बनाया मन

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के गोपालपुर में बुधवार क़ो दयालुवीर हनुमान मंदिर के पास श्री राधा कृष्ण मंदिर के निर्माण के लिए विधि विधान से पूजन किया गया और अब हनुमान मंदिर के पास ही श्री राधा कृष्ण का मंदिर भी बनेगा। भूमि पूजन शिव शंकर यादव ने वैदिक मंत्रो के साथ किया। मालूम हो कि गोपालपुर में भव्य हनुमान जी का मंदिर है और इसी परिसर में आध्यात्मिक कार्यक्रम भी आयोजित होता है। गांव के ही शिव शंकर यादव जो स्वामी प्रेमानन्द से प्रभावित होकर गांव में श्री राधा कृष्ण का मंदिर बनाने की इच्छा जताई और गांव के लोगों के सहयोग से मंदिर निर्माण पर सहमति बनी जिसके क्रम में बुधवार क़ो विधि विधान से भूमि पूजन किया गया। इस मौके पर तुला संकर दुबे, प्रेम शंकर पांडेय, लव दूबे,कल्लू दुबे, विजय कांत तिवारी, हरीश चंद यादव, प्रेम चंद यादव, शेषधर यादव, अनंत कुमार यादव, श्यामधर दुबे, मनता दूबे, राम चंद यादव और राहुल यादव समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रोतागणों को सुनाई सुदामा चरित्र की कथा

चित्रकूट- जिला मुख्यालय के तरौंहा के गोपाल कुंज स्थित करवरिया आवास में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास सिद्धार्थ महराज ने श्रोतागणों को सुदामा चरित्र की कथा का रसपान कराया। कथा व्यास ने श्रोताओं से कहा कि मित्रता में कोई बड़ा-छोटा, ऊंचा-नीचा, अच्छा व बुरा नही होता। कहा कि जो व्यक्ति अपने मित्र के सुख-दुःख मे हर क्षण उसके साथ रहे तथा बिना बताए ही अपने मित्र की दशा का ज्ञान करले, वही सच्चे मित्र होते है। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर झाकियों के साथ ब्रज की फूल होली खेली गई। कथा के आयोजक गोविन्द करवरिया ने बताया कि बृहस्पतिवार को गोदान के बाद भंडारे के साथ अनुष्ठान पूर्ण होगा। इस मौके पर धर्मेंद्र करवरिया, चंद्रप्रकाश खरे, सौरभ पयासी, गोविन्द करवरिया, संगीता करवरिया, बबलू करवरिया, सुनील शुक्ल सहित अन्य श्रोतागण मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किसान दिवस में आए किसानो की सुनी समस्याएं, निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन के आडिटोरियम में किसान दिवस का आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के विकास खण्डों से आये हुए कृषकों के साथ-साथ कृषि, पशुपालन, उद्यान, सहकारिता, विद्युत, सिंचाई सहित कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित अन्य विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। उप कृषि निदेशक विकेश कुमार पटेल द्वारा किसान दिवस से सम्बन्धित पिछली कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया तथा उपस्थित किसानों की समस्याओं के समाधान के बारे में भी बताया गया। धर्मदेव उपाध्याय, जिलाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) जनपद- मीरजापुर द्वारा बताया गया कि जनपद में चल रहे ईट भट्ठा क्रेशर प्लांट लोहा बनाने वाली फैक्टरियाँ पुराने टायरों से तेल निकालने वाली कम्पनियों के कार्य में लगे ट्रैक्टर ट्राली व अन्य वाहन जिनका लाइसेन्स मिट्टी, गिट्टी, पत्थर का ढोका तथा अन्य सामान ढोने का परमीशन नहीं है। इसकी जांच करायी जाए। स्टेट हाइवे नरायनपुर से शक्ति नगर मार्ग पर नरायनपुर से अहरौरा तक सड़क के किनारे कार्यदायी संस्था द्वारा बनवाई गयी नालियों का पानी जहाँ तहाँ किसानों के खेत में अनियंत्रित बह रहा है जिसके कारण किसान परेशान है और पर्यावरण भी प्रभावित हो रहा है। उक्त नाली के पानी को तत्काल निस्तारण की व्यवस्था करायी जाए। गरई नहर से संचालित बिक्सी माईनर में लगे कुलावा नं0 7, 8, 9, 10 ऊँचाई पर होने के कारण समुचित ढंग से सिंचाई नहीं हो पाता इसे उचित स्थान पर लगाया जाए, जिससे सिंचाई सुगमता से हो। जिले के नालों को चिन्हित करके सम्पूर्ण नालों पर चेकडैम बनाये जाए तथा जिले के तालाब, पोखरा, छोटे बंधियों को अतिक्रमण मुक्त करते हुए पानी से भरा जाए, ताकि भूजल संरक्षण बना रहे। इससे किसानों की सिंचाई भी सम्भव है। साथ ही अवगत कराया गया कि ग्राम नीबी में राम महाल सिंह पटेल के घर बास के खम्हे से विद्युत प्रभावित होता है। खम्हा लगाने की व्यवस्था हो तथा विशुनपुर जरहा के किसानों को खम्हा न होने से केबिल द्वारा विद्युत सप्लाई होता है, यहाँ खम्भा लगाया जाए।

भारतीय किसान यूनियन, मीरजापुर के जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में रेलवे कारीडोर बनाने के लिए किसानों के भूमि का अधिग्रहण किया गया जिसमें किसानों को मुआवजा व पुनर्वास की राशि अभी भी बकाया है जबकि रेलवे लाइन निर्माण होकर पूर्ण रूप से परिचालन चल रहा है। जिससे किसानों में काफी मायूसी है। चुनार तहसील के अन्तर्गत ग्राम- कुंडाडीह, जादवपुर, करहट, बरईपुर, मकईपुर, जमालपुर मु0, बरीजीवनपुर व अन्य गांव के किसानों के जमीन का मुआवजा व पुनर्वास की राशि (5 लाख रूपये) किसानों को अभी तक नहीं मिला है और पं0 दीनदयाल स्टेशन से प्रयागराज तक तीसरी लाइन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चला है जिसमें किसानों का मुआवजा व सभी किसानों को पुनर्वास की राशि भी अभी तक नहीं मिला है, कृपया आवश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित करे। अनुराग गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन लोक, अदलहाट मीरजापुर द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम गौरही के पूर्वी सीमा पर कलवरिया नाला स्थित है, जो दक्षिण से उत्तर को जाती है, उसमें पूर्व ग्राम प्रधान नन्हकूध्शिवमूरत के चक के सामने उक्त रेगुलेटर बना हुआ है, जिससे निगार का पानी रोककर धान के फसल की भरपूर सिंचाई की जाती है। उक्त रेगुलेटर के पास नाले की पर्याप्त भूमि खाली पड़ी है। उस भूमि में रेगूलेटर के दक्षिण, पश्चिम नाले के ही जमीन में खोदाई करके व नाला के पश्चिम तरफ मेड़ा मजबूत व ऊँचा करके चेकडैम का निर्माण आसानी से कराया जा सकता है। चेकडैम का निर्माण हो जाने से उपरोक्त रेगुलेटर के सहारे पानी रोककर धान की खेती के साथ-साथ सैकड़ों एकड़ खेत में गर्मी के सीजन में साग सब्जी की अच्छी खेती की जा सकती है और नाले के पश्चिम पटरी को सर्विस रोड का रूप दिया जा सकता है। बजरंगी कुशवाहा, प्रमुख महासचिव भा0कि0यू0 लोकशक्ति, मीरजापुर द्वारा अवगत कराया गया है कि विभिन्न ग्रामसभाओं में कूड़ाघर का निर्माण कराकर उन्हें कूड़ागाड़ी भी उपलब्ध कराया गया है परन्तु उपयोग नही के बराबर है अधिकांश में ताला बन्द है। ग्रामसभाओं में कूड़ादान नहीं रखा गया है। साथ ही अवगत कराया गया कि डोहरी से पसही सम्पर्क र्मा को 300 मीटर कट स्टोन को छोड़कर मार्च/अप्रैल 2024 को गढ्ढा मुक्त किया गया था। जून 2024 को उसे पीसी कराया गया था, परन्तु दो -तीन माह में ही पसही मौया/बियरान बस्ती के पास उक्त सड़क पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे महसूस हो रहा है कि उक्त सकड़ के निर्माण मानक के अनुरूप नहीं किया गया है। जिससे आम नागरिकों के आवागमन में काफी असुविधा हो रही है। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, ए0आर0 कोआपरेटिव, अग्रणी जिला प्रबन्धक व अन्य विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

चुनार मिर्जापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में बुधवार को आपदा प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ रीता मिश्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचित आपदाओं की सूची, आपातकालीन संपर्क सूत्र,एवं प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के बारे मे बताया । डॉ अवधेश सिंह यादव ने बाढ़, लू प्रकोप, आंधी तूफान, से बचाव के बारे में जानकारी दी। डॉ नलिनी सिंह ने बढ़ते प्राकृतिक आपदाओं के मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ कुसुमलता ने छात्र छात्राओं को बदलते मौसम के हिसाब से सावधानी बरतने की सलाह दी।कार्यक्रम में डॉ राजेश कुमार दुबे,डॉ नलिनी सिंह, डॉ अवधेश सिंह यादव,डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी, डॉ दीपनारायण,डॉ मंजुला शुक्ला , रितेश कुमार केशरी, धर्मचंद्र सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

डीएम, एसपी द्वारा जिला कारागार का किया गया संयुक्त निरीक्षण

● बुनकर बन्दियों द्वारा निर्मित कालीनों की डीएम ने सराहना करते हुए विशिष्ट लोगो/मार्क से ब्रान्डिग करने का दिया निर्देश

विभिन्न बैंरकों, रसोई घर, डिस्पेंसरी, वीडियों कॉन्फ्रेसिंग रूम आदि का लिया गया जायजा

स्वतंत्र प्रभात

भदोही - जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार ज्ञानपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने जेल में बन्द कैदियों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जानकारी ली, तथा जेल अधीक्षक को सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं को समय से बन्दियों को मुहैया कराने का निर्देश दिया। इस दौरान ज्ञानपुर जिला जेल में निरुद्ध जनपद भदोही के पुरुष/महिला बैरकों में जाकर सरकार द्वारा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने रसोई घर, स्टोर खाद्यान, महिला बैरक/पुरुष बैरक/किशोर बैरक, के निरीक्षण के साथ ही जेल कैम्पस में ही संचालित डिस्पेन्सरी का भी निरीक्षण किया तथा डिस्पेन्सरी में मौजूद दवाओं के बारे में जानकारी हासिल की। तत्पश्चात सभी अधिकारियों ने महिला बैरक में पहुच कर उन्हें जेल प्रशासन द्वारा मुहैया करायी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी हासिल की। डीएम व एसपी ने महिलाओं व उनके बच्चों को बिस्कुट, चॉकलेट देते हुए उनसे आत्मीय संवाद किया। कालीन बुन रहे बुनकर बन्दियों से डीएम व एसपी ने जानकारी लेते हुए उनके द्वारा निर्मित कालीनों का अवलोकन कर उनके कार्यो का सराहना किया। जिलाधिकारी ने कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह को निर्देशित किया कि तैयार कालीनों पर जिला कारागार का अपना लोगों व मार्क भी लगाये, जिससे इन कालीनों की ब्रान्डिग के तहत अगल से पहचान हो सके, तैयार हो रहे भोजन व खाद्य पदार्थो के गुणवत्ता का भी परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 8 बैरकों में 392 पुरूष व 21 महिला कैदी बन्दी है। उपर्युक्त लोगों ने पेयजल व्यवस्था, शौचालय, साफ-सफाई आदि का निरीक्षण के साथ ही मुलाकाती पंजिका का भी अवलोकन किया।

जनता स्कूल के पास बेकाबू ट्रक ने एक बालक को कुचला, हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

बभनी- थाना क्षेत्र के बभनी-अंबिकापुर मार्ग पर जनता स्कूल के पास रेणुकूट से छत्तीसगढ़ की ओर जा रहे एक ट्रक ने 13 वर्षीय बालक को कुचल दिया। हादसे में बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई।मृतक की पहचान नंदलाल पुत्र पुरुषोत्तम निवासी ग्राम हरपुरा थाना विंढमगंज के रूप में हुई है।मृतक नंदलाल अपने गांव से एक बारात में शामिल होने बभनी आया था। मंगलवार की रात करीब 11 बजे जब बारात दरवाजे पर लगी हुई थी, उसी दरमियान ट्रक ने बच्चे को कुचल दिया। पुलिस ने घटना के बाद ट्रक को अपने हिरासत में ले लिया है। और अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।हादसे के बाद शादी समारोह को जल्दी-जल्दी संपन्न कराया गया। घटना की सूचना पर बभनी थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा कर कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक बालक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बिटिया के घर पहुंच कर विधायक ने दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात

सीखड़, मीरजापुर। मंगलवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की इण्टर मीडिएट के परीक्षा में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मीरजापुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा आरोही दूबे के घर चुनार विधायक अनुराग सिंह पहुंच कर अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए बधाई दी। विधायक ने कहा कि प्रतिभा किसी परिस्थिति की मोहताज नही होती।यह साबित कर के आरोही ने दिखा दिया।यदि आप में कुछ करने की क्षमता है तो बड़े से बड़े मुकाम को हासिल किया जा सकता है जिसका जिता जागता उदाहरण आरोही दूबे है। आरोही ने कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति से जिले के साथ साथ अपने गांव का भी नाम रोशन किया है। बिटिया ने यह साबित कर के दिखा दिया कि आज भी गांव में प्रतिभा की कमी नहीं।साधारण परिवार में जन्मी आरोही ने अपने हौसलों के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है जो बधाई की पात्र है। उन्होंने आरोही से आगे के लक्ष्य के बारे में बात की तो उसने आई एस बन कर देश की सेवा करने की बात कही। विधायक ने आरोही के पिता संजय दूबे व माता नीतू दूबे को भी बधाई देते हुए कहा कि आप लोग धन्य है जो ऐसी प्रतिभाशाली बिटिया को जन्म दिया जिसने माता पिता के साथ जिले में नाम रोशन किया है। उन्होंने आरोही के पिता संजय दूबे से कहा कि बिटिया की आगे की पढ़ाई बाधित न हो इसके लिए प्रयत्नशील रहें और मुझसे भी जो संभव होगा मदद करने के लिए तत्पर रहूंगा। उक्त अवसर पर विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह, मण्डल अध्यक्ष विजय भारद्वाज सिंह, मण्डल मंत्री हितेश उफ? बब्बल पाण्डेय, मण्डल उपाध्यक्ष नीरज पांडेय नीरज सिंह, सर्वेश सिंह, सहित काफी संख्या में ग्राम पंचायत के लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई ब्राह्मण शिरोमणि भगवान परशुराम जी की जयंती

स्वतंत्र प्रभात

चुनार मिर्जापुर। राष्ट्रीय परशुराम सेवा संघ मिर्जापुर इकाई के तत्वाधान में बुधवार को प्रातः 10:00 बजे संघ के जिला अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला के बरेवां स्थित आवास पर ब्राह्मण शिरोमणि भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना के साथ धूमधाम से जयंती मनाई गई व प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में अरविंद त्रिपाठी ने वर्तमान समय में ऐसी आयोजनो की आवश्यकता को काफी गहराई से समझाते हुए कहा कि हम सभी को अपने समाज के ऐसे होनहार बच्चों को जो अपनी कड़ी मेहनत और लगन से अलग-अलग क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करके पूरे समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। साथ ही ऐसे बच्चों की जिनके पठन-पाठन का कार्य आर्थिक अथवा किसी अन्य कारण से प्रभावित हो रहा हो तो उनके मदद के लिए सामने आना चाहिए। डॉ आकाश उपाध्याय ने ब्राह्मण समाज के आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए ।सुरेंद्र मिश्रा अंकुर जी ने अपनी कविता से उपस्थित लोगों को मंत्र मुक्त किया। उत्कर्ष मिश्रा ने परशुराम जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने हेतु सरकार को पत्र लिखने की बात कही । कार्यक्रम में स्नेह कुमार द्विवेदी, जनार्दन त्रिपाठी, दिवाकर पांडे ,ज्ञानचंद शुक्ला, अशोक कुमार पांडे, मुन्ना चौबे, अनुराग शुक्ला सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश मिश्रा ने व धन्यवाद ज्ञापन संघ के जिला अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने दिया।

डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल, के तीनों शाखाओं में संपन्न हुआ विद्यार्थी परिषद का अलंकरण समारोह

● विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ली शपथ

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल,के लोहिया तालाब,नार घाट एवं संकट मोचन ब्रांच में सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन किया गया और उन्हें आयोजित समारोह में शपथ दिलाई गई कि वे सत्र पर्यत निष्ठा एवं निष्पक्षता से अपने पद के उत्तरदायित्व का निर्वहन करेंगे। बच्चे ही देश के भावी कर्णधार हैं, अतः उन्हें सुयोग्य नागरिक बनाना विद्यालय की प्रथम जिम्मेदारी होती है। शिक्षा के साथ छात्र -छात्राओं के बहुआयामी विकास एवं निर्माण हेतु डैफोडिल्स पूरे जनपद में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता दिखाई पड़ता है। व्यक्तित्व विकास से लेकर सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों तक से बच्चों के जुड़ाव के लिए डैफोडिल्स सदैव तत्पर रहता है। इसी कड़ी में 28,29,व 30 अप्रैल को डैफोडिल्स के तीनों ब्रांच में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को एक भव्य समारोह में उत्तरदायित्व के निर्वहन की शपथ दिलाई गई और बैज़ एवं सैश लगाकर उनका अलंकरण किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती अपराजिता सिंह ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बैज़ लगाकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर अनेक अभिभावक भी उपस्थित रहे।

समारोह के अतिथियों का स्वागत स्काउट टीम ने बैंड बाजे के साथ किया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। प्रारंभ में उप प्रधानाचार्या श्रीमती सुमिता दत्ता , श्रीमती पूजा अग्रवाल, श्रीमती रिया भूटानी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संगीत विभाग के बच्चों द्वारा आर्केस्ट्रा और कथक नृत्य की प्रस्तुति बहुत शानदार रही। विद्यालय - गीत की प्रस्तुति भी मनमोहक थी। अलंकरण समारोह के प्रारंभ की घोषणा स्कूल की

एकेडमिक हेड श्रीमती प्रेरणा आशीष तिवारी द्वारा की गई। समारोह में ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, रेड हाउस एवं यलो हाउस के प्रभारी शिक्षकों, हाउस मास्टर्स , हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन एवं प्रीफेक्ट्स का अलंकरण किया गया। इसके अतिरिक्त कल्चरल, डांस , डिसिप्लिन, स्पोर्ट्स, एडीटोरिअल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बैच लगाकर सम्मानित किया गया। स्कूल डायरेक्टर श्रीमती अपराजिता सिंह ने स्कूल हेड ब्वाय एवं हेड गर्ल के लिए नाम की उद्घोषणा की। वाइस हेड गर्ल, वाइस हेड ब्वाय, डिसिप्लिन हेड , एडीटोरियल हेड स्पोर्ट्स कैप्टन का मंच पर अलंकरण किया गया। स्कूल डायरेक्टर श्रीमती अपराजिता सिंह ने इस शानदार समारोह के लिए एकैडमिक हेड प्रेरणा आशीष तिवारी, प्रधानाचार्या श्रीमती मिट्ठू बैनर्जी, सुश्री अर्पिता मुखर्जी व श्री राजेश राठौर,कल्चरल इंचार्ज, श्रीमती लक्ष्मी जायसवाल, श्रीमती नम्रता श्रीवास्तव, श्रीमती राधा गुप्ता सहित सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने पद ग्रहण करने वाले सभी बच्चों को आशीर्वाद व बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। प्रधानाचार्य के द्वारा सभी पदाधिकारी को शपथ ग्रहण कराया गया। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की खूब सराहना की।

रेणुकूट में मानवता की मिसाल टीम निशा बबलू सिंह ने बेसहारा महिला के अंतिम संस्कार में दिखाई संवेदनशीलता

स्वतंत्र प्रभात

रेणुकूट, सोनभद्र। आज सुबह खाड़ पाथर के रास्ते पर जाते हुए, मुझे कुछ लोगों ने एक अत्यंत दुखद समाचार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एक बेसहारा महिला का निधन हो गया है और इस दुख की घड़ी में उनका कोई भी सहारा मौजूद नहीं है।इस हृदयविदारक सूचना मिलते ही, टीम निशा बबलू सिंह के सदस्यों ने तुरंत सक्रियता दिखाई और घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पहुंचकर, टीम के सदस्यों ने जो मंजर देखा, उससे उनका हृदय करुणा से भर गया।मानवता की उत्कृष्ट मिसाल पेश करते हुए, टीम के सदस्यों ने दिवंगत राजकुमार बैगा की पत्नी के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया। इस पुनीत कार्य में बड़े भैया नरेश अग्रवाल जी, बड़े भैया संतोष साबू जी, डब्लू मिश्रा जी, इरसाद विक्की जी, मुन्ना भैया जी और पीयूष जायसवाल जी ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन सभी के प्रयासों से न केवल अंतिम संस्कार की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई, बल्कि शोकाकुल परिवार को कुछ आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई, ताकि वे इस मुश्किल

समय में कुछ संबल पा सकें।यह परिवार रेणुकूट स्थित बाबू राम सिंह महाविद्यालय के सामने एक छोटी सी झोपड़ी में निवास करता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब इस परिवार में केवल एक 20 दिन का नवजात शिशु और एक 3 साल की छोटी बच्ची ही शेष हैं, जिनके आगे-पीछे कोई भी देखभाल करने वाला नहीं है। मैं सभी संवेदनशील और उदार हृदय वाले बंधुओं से विनम्र अपील करता हूँ कि यदि आपके लिए संभव हो, तो कृपया इस संकटग्रस्त परिवार की सहायता के लिए आगे आएं। इस मुश्किल घड़ी में मानवता के नाते इस परिवार का साथ दें और उनकी मदद करें।यह एक ऐसा कार्य है जो न केवल किसी के दुख को कम करेगा, बल्कि समाज में करुणा और एकजुटता की भावना को भी मजबूत करेगा।

झारो खुर्द गांव के पास तेज रफ्तार बाइक ने एक राहगीर को मारी टक्कर, जिला अस्पताल किया गया रेफर

स्वतंत्र प्रभात

दुद्धी- कोतवाली क्षेत्र के झारो खुर्द गांव के पास मंगलवार रात्रि तकरीबन 8:30 बजे एक तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रहे एक राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय मनोज पुत्र सूरजदेव निवासी ग्राम झारो खुर्द मंगलवार की रात सड़क किनारे पैदल जा रहा था। उसी दौरान 45 वर्षीय शिवपूजन कनौजिया पुत्र ज्योतराम, निवासी कोंगा (थाना बभनी) बाइक से तेज रफ्तार में अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह झारो खुर्द के पास पहुंचा, उसकी बाइक ने सामने से पैदल जा रहे मनोज को जबरदस्त टक्कर मार दी।हादसे में मनोज गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक चालक शिवपूजन को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक समेत चालक को कब्जे में लेकर कोतवाली ले आई है। मामले की जांच की जा रही है। घायल अवस्था मे मनोज को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।जहाँ चिकित्सकों ने मनोज की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

जनपद में आज कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष होगा दौरा

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कल दिनांक 1.5.2025 को कौशाम्बी के दौरे पर आ रहे हैं जहां पर वह सुबह 8:00 बजे भरवारी के टीकरदेह माफी में मिट्टी का तिल ढहने से पांच लोगों की हुई मृत्यु के परिजनों को सांत्वना देंगे , तत्पश्चात सरसवा विकास खण्ड के कोल्हुआ गांव में हुई एक युवती की नृशंस हत्या की बाद उनके परिजनों से मिलकर परिवार जनों को सांत्वना प्रदान करेंगे। मीडिया से बात करते हुए कौशांबी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने बताया कि कल प्रदेश अध्यक्ष कौशाम्बी के दौरे पर रहेंगे और दो घटनाओ में पहुंचकर उनके परिजनों को सांत्वना देंगे तत्पश्चात कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

कौशाम्बी के मरीजों को अब मेडिकल कॉलेज में ही मिलेगी प्लेटलेट की सुविधा,प्रभारी मंत्री ने किया शुभारम्भ

कौशाम्बी। जनपद के मरीजों को प्लेटलेट्स के लिए प्रयागराज के ब्लड बैंको पर नहीं निर्भर रहना पड़ेगा,कौशाम्बी मेडिकल कॉलेज में बुधवार से प्लेटलेट्स की सुविधा शुरू कर दी गई है,जिसका शुभारंभ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किया।प्रभारी मंत्री ने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया।इस दौरान डीएम मधुसूदन हुल्गी एवं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य हरिओम सिंह ने प्रभारी मंत्री को मेडिकल कॉलेज में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ हरिओम ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में आज से प्लेटलेट की सुविधा शुरू हो गई है। अब मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। जिसका उद्घाटन आज प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया है, जल्द ही और भी सुविधाएं मरीजों को मेडिकल कॉलेज में मिलेगी।

थाना करैली पुलिस द्वारा 01अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के सफेद धातु के आभूषण, 01 तांबे की कटी फटी प्लेट बरामद

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज तरुण गाबा एवं अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज कानून व्यवस्था डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस करैली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0 अ0सं0- 56/2025 धारा 331(4) /305a बी0एन0एस0 में प्रकाश में आये अभियुक्त राज शेख उर्फ ढोलू पुत्र दुखखू शेख निवासी बर्फ फैक्ट्री के पीछे करैलाबाग नाले के किनारे थाना करैली प्रयागराज को दिनांक 28.04.2025 को करैलाबाग जल संस्थान थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी के आभूषण सफेद धातु (01 जोड़ी पायल, 01 जोड़ी बिछिया, 01 बचकानी कंगन, 01 कटी फटी प्लेट) व 01 तांबे की कटी फटी प्लेट बरामद किये गये। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बी0एन0एस0 की बढ़ोत्तरी की गयी। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

भगवान परशुराम की जयन्ती पर विभिन्न कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। जनपद में भगवान परशुराम की जयन्ती के शुभ अवसर पर मंगलवार को जनपद मुख्यालय मंझनपुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये भगवान परशुराम की जयन्ती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर के हनुमान मन्दिर में सुन्दरकाण्ड का पाठ का आयोजन कर भगवान परशुराम की जयन्ती धूमधाम से मनाई गयी और उनके जीवनी पर चर्चा की गई इसके उपरान्त हनुमान मन्दिर परिसर में ही विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जहां पर भारी संख्या में महिला पुरुष भक्तों ने भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया भगवान परशुराम की जयन्ती के अवसर पर ओसा स्थित वृद्ध जन आश्रम में प्राइमरी हेल्थ सेन्टर द्वारा फल और वस्त्र का वितरण वृद्धजन के बीच किया गया है इसके बाद जिला अस्पताल में रक्तदान भी किया गया है इसी तरह जनपद के अन्य क्षेत्रों में भी भगवान परशुराम की जयन्ती बड़े धूमधाम से मनाई गई है उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भक्त जनों ने भगवान परशुराम को नमन किया गया और उनके वीरता की चर्चा की इस मौके पर डॉक्टर सुनील कुमार शुक्ला मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर के के मिश्रा डॉक्टर प्राजन्ल मिश्रा डॉक्टर पंकज तिवारी डॉक्टर ज्ञानेन्द्र द्विवेदी डॉक्टर अरुण कुमार पाण्डेय डॉ हिमांशु ओझा आकाश शुक्ला, अभिषेक शुक्ल सहित सैकड़ो भक्तजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में पासी समाज के डेढ़ करोड़ मतदाता

● 103 विधान सभा छेत्र में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

पहल गांव की नृशंस हत्या कांड मानवता के लिए क्रूरतम घटना।दी गई श्रद्धांजलि।

पूर्व मंत्री राजाराम पाण्डेय के पौत्र विकास पाण्डेय को लोक जनशक्ती पार्टी का महासचिव व प्रवक्ता बनाये जाने पर खुशी।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। लोक जनशक्ती पार्टी (रामविलास) की पार्टी का एक बैठक सिविल लाइन स्थित होटल साकेत में प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से पूर्व मंत्री व प्रतापगढ़ जनपद के विश्वनाथगंज सीट से तीन बार के विधायक स्व0 राजाराम पाण्डेय के पौत्र जौनपुर के गवारा सीट से 1993 में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे विजय नारायण पाण्डेय के पुत्र विकास पाण्डेय को पार्टी का प्रदेश महासचिव/प्रवक्ता बनाया गया जिसे उनकी पार्टी में घर वापसी भी कहा जा रहा है।

बैठक में सर्व प्रथम पहलगाम में हुई आतंकी घटना में मारे गये लोगों की आत्मा की शान्ति के लिये ईश्वर से कामना की गयी। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विकास पाण्डेय को पार्टी महासचिव प्रवक्ता बनाये जाने पर खुशी जाहिर तथा इनके पार्टी में आने से पार्टी को प्रदेश में और मजबूती मिलेगी प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने कहा कि देश आजाद होने के बाद आज तक देश के किसी राज्य का मुख्यमंत्री पासी समाज को नहीं बनाया गया है जबकि उत्तर प्रदेश में पासी/पासवान समाज की आबादी लगभग सबा करोड़ से अधिक है जो प्रदेश की 103 विधानसभा क्षेत्र में निर्णायक भूमिका अदा करती है लोग जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मांग करती है कि 2025 विधानसभा चुनाव एवं 2027 विधानसभा चुनाव यूपी में पासी/पासवान को मुख्यमंत्री बनाया जाए, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी, विकास पाण्डेय ने अपने सैकड़ो साथियों के साथ लोग जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सदस्यता ली सदस्यता लेने में मुख्य रूप से स्वामीनाथ पाण्डेय, सुरेश कोरी, महेश कोरी, फूलचंद वर्मा, लालजी शर्मा, सुनील पाण्डेय, लवकुश पाण्डेय, शुभम कुमार, राजकुमार, हरिओम, पिंटू पाल, सुनील कुमार, अश्वनी कुमार, कमलेश पासी, कमलेश तिवारी, विपिन तिवारी आदि सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ग्रहण की इस अवसर पर पार्टी के हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री के बेटे की वाट्सएप पर डी0पी0 लगाकर 2.08 करोड़ की ठगी करने वाले गिरोह के 01 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में साइबर क्राइम थाना पर पंजीकृत मु0अ0सं0-51/2024 धारा-319(2) /318(4)/ 111(2)(b) भा0न्या0सं0 व 66सी/66डी आई0 टी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त 1. गवाले धर्मेश संजय पुत्र संजय कौतिक गवाले निवासी ग्राम साकडी निजामपुर भाम्बेर थाना निजामपुर जनपद निजामपुर महाराष्ट्र, हालपता म0नं0-401 सिंघनपुर तरणकुंज थाना सिंघनपुर जनपद सूरत गुजरात व अभियुक्ता 2. अनिमा देवी पत्नी राजू केवट निवासिनी बाहरी धवलपुरा पंचित अखाडा के पीछे थाना बाईपास जनपद पटना बिहार को साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-29.04.2025 को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

अभियुक्तों द्वारा पीड़ित को अज्ञात वाट्सएप नंबर से मंत्री उ0प्र0 के बेटे की डी0पी0 लगाकर मैसेज किया गया था कि मैं एक मीटिंग में हूँ और एक बिजनेस डील फाइनल कर रहा हूँ, जिसके लिये मैं कुछ एकाउन्ट नं0 भेज रहा हूँ, उनके द्वारा बताये गये एकाउन्ट में 3 बार में कुल 2.08 करोड़ रूपये ड़ालने को कहा गया। जिसके बाद सी0ए0 द्वारा वाट्सएप पर लिखे हुए आदेश को मानते हुये बताये गये खातों मे पैसे ट्रान्सफर कर दिया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त/अभियुक्ता ने पूछताछ करने पर बताया कि हम लोग साईबर ठगों से जुड़े हुये है, साइबर ठगों के कहने पर हम लोग अपना बैंक खाता खुलवाकर उसकी जानकारी साइबर ठगों को दे देते है। साइबर ठग, साइबर ठगी के पैसे हमारे एकाउंट में ट्रांसफर करवाते थे जिन्हे हम लोग बैंक/ए0टी0एम0 तथा चेक बुक के माध्यम से निकालकर साइबर ठगों को दे देते थे। इस काम के बदले में हम लोगों को कुछ पैसे साइबर ठगों द्वारा कमीशन के तौर पर दिया जाता था।

DIOS कौशाम्बी डॉ0 सच्चिदानन्द यादव के सेवानिवृत्त होने पर दी गई भावभीनी विदाई

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी के जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 सच्चिदानन्द यादव के द्वारा अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर माध्यमिक शिक्षा विभाग कौशाम्बी के द्वारा सेवानिवृत्त होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 सच्चिदानन्द यादव को भावभीनी विदाई दी गयी उनका कौशाम्बी में लगभग दो वर्ष दो माह का कार्यकाल रहा जिसमें उनके द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग में कुछ उल्लेखनीय कार्यों में प्रोजेक्ट अलंकार, समीक्षा अधिकारी सहायक समीक्षा अधिकारी पीसीएस परीक्षा तथा बोर्ड परीक्षा का संचालन सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। विदाई समारोह में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा वित्त एवं लेखा अधिकारी विनय कुमार प्रजापति, राजू यादव प्रधानाचार्य पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज देवखरपुर एवं नीरज केसरी पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज केसारी कौशाम्बी ,ऋग्वेद सिंह राजकीय पुस्तकालय अध्यक्ष कौशाम्बी, लिपिक आनन्द सिंह, लिपिक हेमचन्द्र एवं अन्य प्रबन्धक/प्रधानाचार्य बहुत से शिक्षकगण उपस्थित उपस्थित रहे।

सर्विलांस सेल व शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम ने बम फेंकने की घटना का किया अनावरण

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। एस0 ओ0जी0/सर्विलांस सेल यमुनानगर जोन व थाना शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना शंकरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत नारीबारी में बम फेंकने की घटना का सफल अनावरण कर 04 अभियुक्त गिरफ्तार,किया कब्जे से 02 अवैध देशी बम, 03 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल बरामद। एस0ओ0जी0/ सर्विलांस सेल यमुनानगर जोन व थाना शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना शंकरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत नारीबारी में बम फेंकने की घटना का सफल अनावरण करते हुए थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-044/2025 धारा-109/288 बीएनएस से संबंधित 04 अभियुक्तों 1. वंश गौतम पुत्र नरेन्द्र गौतम निवासी उमरपुर नीवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 2. नीरज भारतीया पुत्र कल्लन भारतीया निवासी ग्राम उमरपुर नौवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 3. आशीष कुमार जायसवाल पुत्र दिलीप कुमार जायसवाल निवासी वार्ड नं0 10 चाकघाट थाना चाकघाट जनपद रीवा म0प्र0 4. भोला केसरवानी पुत्र भैयालाल केसरवानी निवासी वार्ड नं0 ।। चाकघाट थाना चाकघाट जनपद रीवा म0प्र0 को मुखबिर की सूचना पर भारतनगर तालाब से लगी सड़क के पास थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार कर कब्जे से 02 अवैध देशी बम, 03 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। अवगत कराना है कि दिनांक-14.04.2025 को वादी सौरभ केशरवानी पुत्र स्व0 देवदास निवासी वार्ड नं0 4 चाकघाट थाना चाकघाट जनपद रीवा म0प्र0 द्वारा तहरीर दी गई कि दो अज्ञात मोटर साइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा जान से मारने की नियत से वादी के भाई रवी केशरवानी के ऊपर दिनांक-13.04.2025 को समय 21.00 बजे बम फेका गया, जिससे वादी के भाई रवी केशरवानी व उसके चालक वेद को गम्भीर चोट आ गयी थी। उक्त प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्काल थाना शंकरगढ़ पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन किया गया। गिरफ्तारी हेतु गठित टीमों के अथक प्रयास तथा अन्य तकनीकी व भौतिक संसाधनों की मदद से आज दिनांक-29.04.2025 को मुखबिर की सूचना पर 04 अभियुक्तों को एस0ओ0जी0 यमुनानगर जोन व थाना शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों उपरोक्त के कब्जे से 02 अवैध देशी बम, 03 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी बरामदगी व साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-61(2)/317(2)/53 बीएनएस व 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि) की बढ़ोत्तरी की गयी। उल्लेखनीय है कि मुकदमा उपरोक्त में 02 वांछित अभियुक्तो 1. सोनू पुत्र इंदल निवासी भवंदर धरा थाना बारा जनपद प्रयागराज 2. अमित भारतीया पुत्र राजेश भारतीया निवासी

भोला का पुरा प्रीतम नगर थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज का नाम प्रकाश में आया है। जिनकी गिरफ्तारी हेतु तलाश की जा रही है। पूछताछ पर अभियुक्त भोला केसरवानी उपरोक्त द्वारा बताया गया कि घायल/पीडित रवी केसरवानी मेरा पड़ोस है। पूर्व मे जमीन के कब्जेदारी के लिये कई बार हम लोगों के बीच विवाद हुआ था, जिसमे रवी जमीनों की कीम बढ़ाकर अपने कब्जे मे कर लेता था और इसी बात को लेकर आये दिन मुझे अपमानित किया करता था। इसी,नाराज होकर मैने योजराबध्द तरीके से अपने साथियों। वंश गौतम पुत्र नरेन्द्र गौतम निवासी उमरपुर नीवा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 2. नीरज भारतीया पुत्र कल्लन भारतीया निवासी ग्राम उमरपुर नीबा थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 3. आशीष कुमार जायसवाल पुत्र दिलीप कुमार जायसवाल निवासी वार्ड नं0 10 चाकघाट थाना चाकघाट जनपद रीवा म0प्र0 4. अमित भारतीया पुत्र राजेश भारतीया निवासी भोला का पुरा प्रीतम नगर थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज 5. सोनू पुत्र इंदल निवासी भवंदर घरा थाना बारा जनपद प्रयागराज के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था।

नैनी डबल मर्डर मामले में लंगड़ा है कातिल इलेक्ट्रीशियन

● हत्या के बाद ले गया था "लाखों के गहने"

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। नैनी की एडीए कॉलोनी में ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआईओ) कंपनी से सेवानिवृत्त प्रबंधक अरुण कुमार श्रीवास्तव व उनकी पत्नी मीना श्रीवास्तव की हत्या करने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। जांच में पता चला है कि हत्या के एक दिन पहले यानी रविवार शाम सात बजे भी आरोपी इलेक्ट्रीशियन घर में कूलर बनाने के लिए घुसा था। यही नहीं, हत्या के बाद इलेक्ट्रीशियन लॉकर में रखे लाखों रुपये के गहने भी अपने साथ ले गया। साथ ही दंपती के दोनों मोबाइल को भी उठा ले गया। पुलिस जब इन इन दोनों नंबर को खंगाला तो पता चला कि छिवकी रेलवे स्टेशन और कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय के पास इनकी लोकेशन मिली। पुलिस की दो टीम मंगलवार को इन जगहों पर मोबाइल को खंगालती रही, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। शक है कि आरोपी मोबाइल को बंद कर झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया है। वहीं, एसओजी और नैनी पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए चार संदिग्धों को पूछताछ के लिए उठाया है। इसमें मुख्य आरोपी भी शामिल है।

बताया जा रहा है कि बुधवार को पुलिस मामले का खुलासा कर सकती है। बता दें कि अवंतिका कॉलोनी एलआईजी 16 में रहने वाले अरुण कुमार श्रीवास्तव (65) टीसीआई में प्रबंधक पद से सेवानिवृत हुए थे। वह पत्नी मीना (60) के साथ रहते थे। बड़ा बेटा मनीष मध्य प्रदेश के सीधी जिले में भारतीय स्टेट बैंक में कार्यरत है। तीन बेटियां है, जो बाहर रहती

हैं।सोमवार को पति-पत्नी अकेले ही घर में थे। दोपहर में घर में दंपती की हत्या हुई और सबूत मिटाने की कोशिश की गई। घर में पहुंचे युवक ने दंपती की हत्या कर दी थी और कमरे से कीमती सामान गायब करते हुए हत्या के सबूत मिटाने का प्रयास किया था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि जो युवक गेट से निकल रहा है, वह थोड़ा लंगड़ा रहा है। पुलिस मान रही है कि हो सकता है कि वह एक्टिंग कर रहा हो या फिर उसे चोट लगी हो। या फिर वह थोड़ा दिव्यांग हो सकता है।

अतिरिक्त प्रभार सम्हाल रही ईओ विजेता गुप्ता स्थानांतरण पर नगर पंचायत बेनीगंज कार्यालय के जिम्मेदारों ने दी विदाई

बेनीगंज(हरदोई)- अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज का अतिरिक्त कार्य भार देख रही संडीला नगर पालिका की ईओ विजेता गुप्ता का बांदा जनपद की अतर्रा नगर पालिका में स्थानांतरण होने से नगर पंचायत बेनीगंज सहित संडीला नगर पालिका में ईओ का पद रिक्त हो गया। नगर पंचायत बेनीगंज की अध्यक्ष प्रतिनिधि रूपेश अंजाना सहित कार्यालय में कार्यरत मिलन त्रिपाठी, आदित्य त्रिपाठी, सभासद अमन गुप्ता, राजीव त्रिपाठी ने स्मृति चिन्ह देकर उनके दो साल रहे कार्यकाल की सराहना करते हुए विदाई दी। दो साल तक अतिरिक्त प्रभार के रूप में ईओ के पद पर रही विजेता गुप्ता ने सभी कार्यालय कर्मियों अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं सभासदों के सहयोग की सराहना की।

प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया टेबलेट का वितरण

● उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को बांटा गया टैबलेट

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। बुधवार को कम्पोजिट विद्यालय कोतारी पश्चिम में कौशाम्बी जनपद के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापको व इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को टैबलेट बांटकर सरकार की योजनाओं से अवगत कराया इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि डीबीटी के सभी कार्यों को अब टैबलेट से अपडेट किया जाएगा। बच्चों को नई तकनीक से सीखने का मौका मिलेगा। मंझनपुर विकासखण्ड मे कुल 151 परिषदीय विद्यालयों मे 127 कम्पोजिट व प्राथमिक विद्यालयों को पूर्व मे टेबलेट वितरित किया गया था। 24 उच्च प्राथमिक विद्यालयों 2-2 सेट टेबलेट मिल जाने से विकासखण्ड मंझनपुर के समस्त परिषदीय को टेबलेट प्राप्त हो गया।

विद्यालय में टैबलेट के होने से बच्चे दीक्षा

एप का प्रयोग करके आसानी से सीख सकेंगे। ऑनलाइन अटेंडेंस, एम डी एम की सूचना, ऑनलाइन पंजीकरण, यू डाइस पर डाटा फीडिंग आदि कार्य सहजता से होंगे और सूचनाएं भी त्वरित गति से विभाग को प्रेषित की जा सकेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बल्कि उन्हें अवसर प्रदान करके आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।इस मौके पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, बीएसए कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने विकास खण्ड-मंझनपुर के सभागार में एक राष्ट्र एक चुनाव प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को किया जागरूक

● एक देश एक चुनाव से देश का होगा विकास, एक देश एक चुनाव देश की जरूरत बन गई-प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री ने ओसा चौराहे पर भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के किये गये अपमान के सम्बन्ध में हो रहे धरना प्रदर्शन स्थल पर स्वयं पहुचकर जानकारी प्राप्त की और इस सम्बन्ध में राष्ट्रपति को ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार उद्यान/कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ0प्र0/प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा आज विकास खण्ड-मंझनपुर के सभागार में एक राष्ट्र एक चुनाव प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव के बारे में जागरूक हों। उन्होने कहा कि एक देश एक चुनाव से देश का विकास होगा। उन्होने कहा कि आज एक देश एक चुनाव देश की जरूरत बन गई है, यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आन्दोलन बन चुका है। अगर हम चाहते हैं कि भारत 2047 तक एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनें, तो हम बार-बार होने वाले चुनावों से बचते हुए संसाधनों का समुचित उपयोग करना होगा। उन्होने यह भी बताया कि बार-बार चुनाव होने से न केवल समय और न धन की बर्बादी होती है, बल्कि प्रशासनिक संसाधनों का बंटवारा भी विकास कार्यो से ध्यान हटा देता है। हर बार चुनाव कराने पर हजारों करोड़ रूपये खर्च होते है। शिक्षकों एवं सरकारी कर्मचारियों को उनके मुख्य कार्यो से हटाकर चुनाव कार्यों में लगाया जाता है, जिससे शिक्षा और प्रशासन पर असर पड़ता है। अगर चुनाव एक साथ कराया जाय तो यह खर्च बचाया जा सकता है एवं उन पैसों को देश के विकास में लगाया जा सकता है।

इसके उपरान्त मंत्री द्वारा ओसा चौराहे पर

भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के किये गये अपमान के सम्बन्ध में हो रहें धरना प्रदर्शन स्थल पर स्वयं पहुचकर जानकारी प्राप्त की और इस सम्बन्ध में राष्ट्रपति को ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती कल्पना सोनकर, विधायक चायल श्रीमती पूजा पाल, नगर पालिका अध्यक्ष भरवारी श्रीमती कविता पासी, नगर पंचायत अध्यक्ष अझुआ श्रीमती शान्ती कुशवाहा,बीरेन्द्र फौजी, पूर्व विधायक संजय गुप्ता एवं भोले शंकर सहित अन्य सम्बन्धित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में सीटी मजिस्ट्रेट प्रयागराज को दिया ज्ञापन

● हेमंत पटेल हत्याकांड में हत्यारों के जल्द गिरफ्तारी की मांग। सीएम के विरुद्ध लगे नारे।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। वाराणसी के हेमंत पटेल की हत्या करने वाले दोषियों के खिलाफ भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर हरिश्चंद्र पटेल के निर्देश पर एवं भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राम किशोर पटेल के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट प्रयागराज को ज्ञापन पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद योगी सरकार मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए समस्त पदाधिकारी गण एवं क्षेत्र की सम्मानित लोगों द्वारा कड़े शब्दों में अपराधियों के खिलाफ घोर निंदा करते हुए ज्ञापन दिया गया और कहा गया कि अभिलंब हत्यारा एवं हत्या में साजिश करता सभी लोगों के गिरफ्तारी अभिलंब हो एवं जेल भेजा जाए।

ज्ञापन देते समय भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राम किशोर पटेल एवं जिला अध्यक्ष संजय पटेल एवं जिला महासचिव अधिवक्ता परिषद एडवोकेट संजय कुमार पटेल एवं जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट धीरेंद्र सिंह एवं जिला संगठन सचिव इंजीनियर चंद्रभान सिंह पटेल एवं श्रृंगवेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष धनीराम पटेल एवं एडवो- केट नरेंद्र पटेल एडवोकेट ज्ञानचंद बिन्द भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता परिषद एडवोकेट रामगोपाल पटेल एडवोकेट सरिता पटेल एडवोकेट लाला राम सरोज एडवोकेट दयाशंकर पटेल एडवोकेट विजय यादव

एडवोकेट संजय सिंह एडवोकेट अमित पटेल देवेंद्र सिंह एडवोकेट बलराम सिंह आदि सैकड़ों अधिवक्ता साथियों ने जमकर सरकार पर बरसते हुए कहां की सरकार मूकदर्शक बनी है। अगर यही रवैया सरकार की रहे तो भविष्य में सरकार को समझ में आ जाएगा। और सरकार द्वारा अपनी स्वजातियों का बढ़ावा देना सरकार के हक में नहीं रहे रहेगा।

हमीरपुर में डीएम के बंगले, उससे सटी 1000 करोड़ की सरकारी जमीन के कागज में फर्जीवाड़ा

● पूर्व एसडीएम, तहसीलदार सहित 13 पर केस।

स्वतंत्र प्रभात

हमीरपुर जिले के डीएम के बंगले और उससे लगी 58.14 एकड़ की बेशकीमती कृषि भूमि को अकृषिक दर्शाने और विपक्षियों को फायदा पहुंचाने के लिए अभिलेखों से छेड़छाड़ के आरोप में एसडीएम सदर ने तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और सदर लेखपाल सहित 13 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है. इन पर बेईमानी व धोखाधड़ी समेत 7 धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है. जमीन पर दावे का यह प्रकरण लंबे समय से हाईकोर्ट में लंबित है। डीएम घनश्याम मीणा का कहना है कि यह जमीन करीब एक हजार करोड़ की है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। एसडीएम सदर सुक्रमा प्रसाद विश्वकर्मा ने तहरीर में बताया है कि डीएम आवास और उससे सटी मेरापुर डांडा की 51.89 एकड़ और भिलावां डांडा की 6.25 एकड़ खेतिहर जमीन के अभिलेखों के कूटरचित अभिलेख बनाए गए. ममाले में वर्ष 2004 से लेकर 2007 तक सदर तहसील में कार्यरत रहे एसडीएम विजय कुमार गुप्ता, तत्कालीन तहसीलदार, तत्कालीन नायब तहसीलदार जैनेंद्र सिंह और सदर लेखपाल की भूमिका पर सवाल हैं।

एसडीएम ने बताया कि तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और सदर लेखपाल के साथ ही मुकदमे में पैरवी करने वाले नौ लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है. आरोप है कि इन अधिकारियों व कर्मचारियों ने षड्यंत्र कर विपक्षीगण को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से छल व बेईमानीपूर्वक अवैध लाभ प्राप्त कर कूटरचित अभिलेख तैयार किए. साथ ही सही अभिलेख न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किए गए. लोकसेवक होते हुए सरकारी संपत्ति को बेईमानी से विपक्षीगण को लाभ पहुंचाया गया है. इनके द्वारा करोड़ों की सरकारी भूमि को विपक्षीगण के नाम कराने के लिए भ्रष्टाचार किया गया।

एफआईआर में कानपुर के स्वरूप नगर निवासी रमेश कुमार सिंघल, जानकीशरण सिंघल, राधारमण सिंघल, तिलकनगर पूर्वी कानपुर निवासी प्रकाश मोहन सिंघल, वाराणसी निवासी सूर्यनारायण, लखनऊ निवासी विवेक कुमार, शहर के रमेड़ी निवासी विशाल सिंघल, हिमांशु सिंघल, आनंदेश्वर अग्रवाल को भी नामजद किया गया है. आरोपियों का दावा था कि जिलाधिकारी

आवास उनकी पुश्तैनी जमीन पर बना है. इसके लिए उन लोगों ने उस समय के अधिकारियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार करवा लिए. अब मामला सामने आने पर एसडीएम ने उस समय के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। भूमि के विवाद की शुरुआत देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 से होती है. दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार ने बगावत करने के जुर्म में उस वक्त के क्रांतिकारी माधवराव व नारायनराव की कोठी तथा उससे संबद्ध भूमि जब्त कर ली थी, जिस पर वर्तमान में डीएम का बंगला और खेतिहर जमीन है. यह भूमि नजूल की संपत्ति रही है, जो 1932 में राजस्व विभाग को हस्तांतरित की गई. आज तक राजस्व विभाग के रूप में दर्ज है तथा सरकार के कब्जे में चली आ रही है।

वैकल्पिक एवं स्मार्ट उर्वरकों का प्रयोग करके मृदा जल और वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है- संजय कुदेशिया

उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की जा सकती है

प्रयागराज। आज इफ़को किसान सेवा केंद्र घियानगर पर एक किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय कुदेशिया फूलपुर इकाई प्रमुख ने किया सभा में श्री एस. सी. मिश्रा. उप महाप्रबंधक इफ़को प्रयागराज, डॉ हरिश्चंद्र प्रधानाध्यापक इफ़को कॉर्डेट फूलपुर प्रयागराज, अक्षय कुमार पांडेय क्षेत्र प्रबंधक प्रयागराज ने किया। श्री संजय कुदेशिया ने किसानों को संतुलित पोषक तत्त्व प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि वैकल्पिक एवं स्मार्ट उर्वरकों का प्रयोग करके मृदा प्रदूषण जल प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है साथ ही साथ उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की जा सकती है। उन्होंने सुझाव दिया गया कि नैनो उर्वरकों को ड्रोन एवं टैक्टर माउंटेड स्प्रेयर के द्वारा अधिक से अधिक क्षेत्रफल पर छिड़काव कार्य कराए जाए। कार्यक्रम में एस. सी. मिश्रा उप महाप्रबंधक इफको प्रयागराज के द्वारा सभी को बोरी से बोतल तक के सफर को प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया और एक बोरी और एक बोतल के बराबर होने की शंका का समाधान किया। यूरिया और रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग के अवशेष प्रभाव से होने वाले रोग जैसे ब्लू बेबी सिंड्रोम, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज के बारे में अवगत कराया और विकल्प उर्वरकों के रूप में नैनो उर्वरकों को प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसान बंधुओ से सहयोग की अपेक्षा भी की। कार्यक्रम में इंफ़को फूलपुर प्रयागराज इकाई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी,ड्रोन उद्यमी, एसएफ़ए, एमडीई एक्रा एग्री सहित लगभग 100 किसानों ने प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त खबरें

जाबरा पहाड़िया उर्फ तिलका मांझी प्रतिमा का किया गया अनावरण

पाकुड़, झारखंड- आमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर पंचायत अंतर्गत पाकोडीह पहाड़िया टोला गांव में रविवार को अखिल भारतीय आदिम जनजाति विकास समिति के बैनर तले जबरा पहाड़िया उर्फ तिलकामांझी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता और शिवचरण मालतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर, पुष्प अर्पित कर और नारियल फोड़कर प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी रीति-रिवाजों के तहत स्वागत गान और शॉल ओढ़ाकर अतिथियों के सम्मान के साथ हुई। इसके बाद तिलकामांझी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि बाबा तिलकामांझी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। उन्होंने अंग्रेज अधिकारी अगस्टस क्लीवलैंड को तीर मारकर ब्रिटिश सत्ता को झकझोर दिया था। बदले में अंग्रेजों ने उन्हें सिंगारसी पहाड़ से घसीटते हुए भागलपुर ले जाकर फांसी दे दी थी। वहीं शिवचरण मालतो ने कहा कि बाबा तिलकामांझी ने गुलामी से बेहतर वीरगति को चुना और हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर अपने प्राणों की आहुति दी। ग्राम समिति के निर्णय अनुसार हर गांव में प्रतिमा स्थापना का कार्य गांव वालों के सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम में मुखिया रामी पहाड़िन, बैद्यनाथ पहाड़िया, कामदेव पहाड़िया, डेबीट मालतो, कमलेश्वर पहाड़िया, धर्मेंद्र पहाड़िया सहित कई लोग उपस्थित थे।

मध्य विद्यालय सिंहपुर में पीटीएम एवं बाल सभा संपन्न

चौपारण, झारखंड- प्रखंड के दादपुर पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय सिंहपुर में आज शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी (पीटीएम) एवं बाल सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पिरामल फाउंडेशन से आए आदित्य कुरेरिया की देखरेख में संपन्न हुआ। बाल सभा में बच्चों द्वारा दहेज प्रथा, बाल विवाह, शिक्षा का महत्व, स्वच्छता आदि विषयों पर पोस्टर और बैनर तैयार किए गए। आदित्य कुरेरिया ने बच्चों को बाल सभा के उद्देश्य और महत्व पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे बाल विवाह और दहेज प्रथा के उन्मूलन पर बच्चों के साथ चर्चा की तथा इन बुराइयों को खत्म करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। साथ ही, जीवन में शिक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार कमल ने शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी को संबोधित करते हुए बच्चों की समस्याओं, उनके पठन-पाठन, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता तथा सरकार द्वारा संचालित आरयूएआर कार्यक्रम के तहत 6 से 18 आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन और उपस्थिति पर अभिभावकों से विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में शिक्षक राजकुमार प्रजापति, गौतम कुमार राणा, अनिल कुमार महतो, ऋषि कपूर वर्मा, प्रेम पासवान, रागिनी कुमारी, मंजू कुमारी, प्रभावती देवी, केशव कुमार सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं भारी संख्या में बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावक उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्त हिरासत में

देवरिया। जनपद के बरहज थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला संज्ञान में आया है। मामले में नाबालिग बच्ची की मां ने बताया कि हमारी बच्ची के साथ गांव के ही एक युवक ने दुष्कर्म किया है जिससे कि लड़की का गर्भ भी ठहर गया। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया है । सूचना पर फॉरेन्सिक टीम के साथ मैने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया है ।अन्य साक्ष्य इकठ्ठा किए जा रहे हैं। मुख्य अभियुक्त पुलिस की हिरासत में है उससे पूछताछ की जा रही है । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

अनूपलाल यादव महाविद्यालय में "रामायण और महाभारत का योगदान" विषय पर कार्यशाला संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज-सुपौल बिहार- अनूपलाल यादव महाविद्यालय, त्रिवेणीगंज के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयुक्त तत्वाधान में "प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति में रामायण और महाभारत का क्या देन है। " विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयदेव प्रसाद यादव एवं सचिव श्री कपलेश्वर यादव के संरक्षण में हुआ। कार्यक्रम का संचालन द्वन्नष्ट के समन्वयक प्रो. अशोक कुमार ने किया जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने की। वक्ताओं ने रामायण और महाभारत को भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभ बताते हुए कहा कि ये महाकाव्य न केवल धार्मिक और नैतिक मूल्यों को उजागर करते हैं, बल्कि प्राचीन भारतीय समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था, दर्शन और जीवन शैली का सजीव चित्रण भी प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन ग्रंथों की कथाओं से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों की गहराई से समझ विकसित होती है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विषय से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। कार्यशाला के अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने सभी आगंतुकों, वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण प्रो. अरुण कुमार, प्रो. गंगा प्रसाद साह, प्रो. कुलानंद यादव, प्रो. विद्यानंद यादव, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. सदानंद यादव, प्रो. अशोक कुमार सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही। साथ ही शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण निशांत कुमार, रोशन कुमार, रंजन कुमार, बालेश्वर कुमार, जालेश्वर भगत, मनोज कुमार, हीरेंद्र कुमार एवं अन्य ने भी भाग लिया। छात्र-छात्राओं में पूजा, शालू, आयुषी, प्रियांशु, उपासना, पुष्पा, गुंजन, अभय राज वर्मा, राजू कुमार, नीतीश कुमार, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, जीवनी कुमारी, गोपाल कुमार, निरंजन कुमार, दिलखुश कुमार, बालकृष्ण कुमार, निक्की कुमारी, नीलू कुमारी समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए प्राचीन ग्रंथों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।

घास काटने गई महिला से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल,एक आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज बिहार सुपौल। थाना क्षेत्र के एक गांव से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। खेत में घास काट रही एक महिला के साथ दो युवकों ने न केवल दुष्कर्म किया,बल्कि वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर उसका यौन शोषण करते रहे। पीड़िता ने बुधवार को इस संबंध में थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई,जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि यह घटना बीते 7 अप्रैल को दिन के करीब सवा ग्यारह बजे की है, जब वह अपने खेत में घास काट रही थी। उसी दौरान गांव के ही दिनेश शर्मा और मिथिलेश शर्मा वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पहले मिथिलेश शर्मा ने और फिर दिनेश शर्मा ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान मिथिलेश ने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो भी बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि इस आपत्तिजनक वीडियो के जरिए दोनों आरोपी उसे ब्लैकमेल कर कई बार यौन शोषण करते रहे। घटना के समय उसका पति मजदूरी करने गया हुआ था। शाम करीब 9 बजे दोनों आरोपी उसके घर पहुंचे,जहां पीड़िता ने पति को पूरी घटना बताई जिस पर दोनों आरोपियों ने पति-पत्नी के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। साथ ही केस करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने गांव के एक डॉक्टर से इलाज कराया,लेकिन आराम न मिलने पर दूसरे दिन अनुमंडलीय अस्पताल में ईलाज कराई। इसके बाद वह अपने बच्चों और पति के साथ रिश्तेदार के घर चली गई। तबीयत सुधरने पर वह गांव लौटी और फिर स्थानीय पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। वहीं मामले को लेकर थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर थाना कांड संख्या 211/25 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है। एक आरोपी दिनेश शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक, सेहिस पोर्टल प्रशिक्षण को मिली प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात

साहेबगंज, झारखंड- जिले में सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने की। बैठक में राज्य स्वास्थ्य समिति, राँची द्वारा भेजे गए निर्देशों के आलोक में जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रशिक्षण और पंजीकरण व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिले के सभी ड्रॉइंग एंड डिसबर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए सेहिस पोर्टल से संबंधित उन्नत ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण नामित मास्टर ट्रेनरों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। मास्टर ट्रेनरों के रूप में संदीप कुमार (डीपीओ, यूआईडी), हिना गौरव बरनवाल (डीपीएम, एनएचएम), रोहित दुबे (सार्जेंट मेजर), कुमार हर्ष (जिला शिक्षा अधीक्षक) एवं अभिजीत शर्मा (मिट्टी रसायनज्ञ) को नामित किया गया है। इन प्रशिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे डीडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को पूरी दक्षता के साथ प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि पोर्टल संचालन में कोई तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो। उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस पहल से जिले में स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई अन्य उपस्थित थे।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत् वृक्षारोपण हेतु पदाधिकारी ने गड्ढा खुदाई का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखण्ड- प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया से 10 किलोमीटर दूर मुहलपहाड़ी पंचायत के लेदापाड़ा ग्राम के लाभुक सुफल हांसदा की भूमि पर बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत की जा रही गड्ढा व भूमि का निरीक्षण प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी जगदीश पंडित एवं सहायक अभियंता रोहित कुमार ने 30 अप्रैल को किया। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने लाभुक को वृक्षारोपण के रख-रखाव, पौधों के सिंचन व फलदार पौधों से होने वाले लाभ की जानकारी दी। वहीं सहायक अभियंता ने गड्ढे की गहराई, लंबाई और चौड़ाई की जानकारी दी। निरीक्षण कर रहे पदाधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को बिरसा हरित ग्राम योजना के संदर्भ में लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया और वृक्षों से होने वाले आर्थिक लाभ तथा पर्यावरण संरक्षण की जानकारी भी दी।

डालसा सचिव ने वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

साहेबगंज, झारखंड- माननीय झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने गंगा विहार पार्क के समीप स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धाश्रम की समग्र स्थिति का जायज़ा लिया, जिसमें पेयजल सुविधा, स्वच्छता, नियमित चिकित्सीय जांच एवं भोजन व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने वहाँ निवासरत वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा वृद्धाश्रम संचालक को सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बाल सुधार गृह के निरीक्षण के क्रम में श्री भगत ने वहाँ रह रहे बच्चों से मुलाकात की और उनकी सुविधाओं की स्थिति से अवगत हुए। इस अवसर पर बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, लीगल एड डिफेंस कार्उसिल के अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पारा विधिक स्वयंसेवक (पीएलभी) समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आतंकवाद के खिलाफ मुस्लिम समुदाय की हुंकार,कैंडिल मार्च निकाल कर पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि,लगे पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज सुपौल ,बिहार- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में बीते दिनों हुए आतंकी हमले के खिलाफ मंगलवार संध्या को बाजार में मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोगों ने कैंडिल मार्च निकाला। थाना रोड स्थित जामा मस्जिद से संध्या में नमाज के बाद निकले इस कैंडिल मार्च ने पूरे शहर में एकता और अमन का संदेश दिया। कैंडिल मार्च थाना रोड, दुर्गा मंदिर,एनएच 327ई,पुरानी बैंक चौक,मेला ग्राउंड होते हुए गांधी पार्क पर समाप्त हुआ। वहाँ मौजूद लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी और शांति की अपील की। कैंडिल मार्च के दौरान लोगो ने पाकिस्तान मुर्दाबाद' और आतंकवाद हाय-हाय जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा। हाथों में जलती मोमबत्तियां और तख्तियों पर अलग-अलग नारे लिख युवाओं,बुजुर्गों और बच्चों ने आतंकवाद के खिलाफ एकता का परिचय दिया। मार्च का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद जहांगीर ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। जो निर्दोषों की हत्या करता है,वह इंसान नहीं हो सकता। देशवासियों को एकजुट होकर आतंक के खिलाफ खड़ा होना होगा। वहीं मोहम्मद सनाउल्लाह ने कहा कि इस्लाम अमन और भाईचारे का प्रतीक है। जो आतंक फैलाते हैं,वे इस्लाम के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते।उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा,हम सब उनके साथ हैं। युवा जावेद अख्तर ने कहा कि हम सरकार से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की मांग करते हैं।वहीं मोहम्मद हम्माद ने कहा आज देश में जाति-धर्म का जो ज़हर फैलाया जा रहा है,हम सब उसे मिलकर समाप्त करना चाहते हैं। अगर सरकार इजाज़त दे,तो हम मुसलमान सरहद पर तैनात होकर पाकिस्तान से खून के बदले खून का बदला लेने को तैयार हैं। इस

मौके पर मोहम्मद जमील,मोहम्मद गैयास, मोहम्मद रिजवान,मोहम्मद समीम, मोहम्मद समसाद,मोहम्मद फारुख, मोहम्मद इदरीस और मोहम्मद आसीफ समेत सैकड़ों लोग शामिल थे। कैंडिल मार्च ने गंगा-जमुनी तहज़ीब और धार्मिक सौहार्द की मिसाल पेश की, जिसने यह स्पष्ट किया कि भारत की सरज़मीं पर आतंक के लिए कोई जगह नहीं है।

रेड क्रॉस के नवनिर्वाचित चेयरमैन डॉ. अरुण गुटगुटिया को CAM ने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

मधुपुर, देवघर, झारखंड- भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, मधुपुर के नवनिर्वाचित चेयरमैन डॉ. अरुण कुमार गुटगुटिया को कोचिंग एसोसिएशन ऑफ मधुपुर (ष्टरू) द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम उनके आवासीय परिसर, कुंडू बंगला में आयोजित किया गया, जहाँ संस्था के सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएँ दीं। संस्था के संयोजक प्रेम पाठक ने इस अवसर पर कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी के लिए डॉ. अरुण गुटगुटिया जैसे योग्य व्यक्ति का चयन अत्यंत सराहनीय है। वे वर्षों से जनसेवा और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान देते आ रहे हैं। उनके नेतृत्व में रेड क्रॉस के सामाजिक एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों में निश्चित रूप से गति और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होगी। रेड क्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जिसका मुख्य उद्देश्य मानव जीवन की रक्षा और सेवा करना है। डॉ. गुटगुटिया के मार्गदर्शन में मधुपुर इकाई भी इन उद्देश्यों की पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभाएगी। नव-निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य भी उनके साथ मिलकर सोसायटी को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए संकल्पित हैं। डॉ. गुटगुटिया शिक्षा और विद्यार्थियों के हित में भी लगातार सहयोग करते रहे हैं। उनके सहयोग से ष्टरूने कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया है। इस अवसर पर कोचिंग एसोसिएशन ऑफ मधुपुर के सतीश शर्मा, अरविंद मिश्रा, भुमन्यु सौरभ, मो. शाहिद, अमित दे सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पहलगांव आतंकी हत्याकांड पर विपक्षी नेताओं के नैरेटिव से बढ़ेगा आतंकियों का मनोबल - हिन्दू विचार मंच

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखण्ड- "आतंकियों का कोई धर्म नही", "आतंकी हमले में सभी हिन्दू नहीं", "सिंधु जल रोकने एवं पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई से लाभ नही", "आतंकियों के नाम पर निर्दोष लोगों पर कार्रवाई न हो"–आदि ऐसे नैरेटिव पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए हिन्दू विचार मंच ने कहा है कि ऐसे निराधार बयानों से आतंकियों तथा राष्ट्रविरोधी तत्वों का मनोबल बढ़ेगा। हिन्दू विचार मंच पाकुड़िया इकाई ने एक सवाल के जवाब में स्पष्ट रूप से कहा है कि इंडिया गठबंधन के नेताओं, विशेष रूप से कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के नेताओं से राष्ट्रवादी मुस्लिम भाई तथा इस्लामी विद्वान बहुत अच्छे हैं, जो पाकिस्तानी आतंकियों की कठोर शब्दों में नृशंस हत्या की निंदा करते हुए स्पष्ट तौर पर कहते हैं कि ऐसे आतंकी इस्लाम को बदनाम कर रहे हैं। एक ओर जहां सभी विपक्षी नेताओं ने इस अमानवीय व नृशंस हत्या पर शोक व्यक्त कर निंदा की है और कहा है कि ऐसे समय में हम सभी सरकार के साथ हैं–यह निसंदेह सराहनीय पहल है परंतु भारत वर्ष के विभिन्न प्रदेशों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के अलावा पाकिस्तानी समर्थकों पर कार्रवाई तथा जम्मू-कश्मीर में आंतरिक सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस बल की कार्रवाई पर प्रश्नचिन्ह लगाना क्या न्यायोचित है? जबकि जम्मू-कश्मीर राज्य में भारत की स्वतंत्रता के समय से ही पाकिस्तानी आतंकियों की गतिविधियों से देश को भारी क्षति उठानी पड़ी है। वहीं दूसरी ओर हिन्दुओं को अब तक विशेष रूप से नुकसान उठाना पड़ा है, जो इन दिनों भी अपनी जन्मजात आतंकी मानसिकता के कारण भारत से शत्रुतापूर्ण व्यवहार करते आ रहे हैं। एक ओर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर लोक व राज्यसभा की संयुक्त सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करते हैं, वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के एक कांग्रेस विधायक ने विवादास्पद व अनाप-शनाप बयान देकर पाकिस्तान को बोलने का अवसर दे दिया, जो आतंकियों के मनोबल को बढ़ाता है। उक्त बयान भारतीयों के जख्मों पर नमक छिड़कने के बराबर है। क्या इसे भारत के लोग कभी भुला पाएंगे? हिन्दू विचार मंच पाकुड़िया इकाई ने आगे कहा है कि इस राष्ट्रीय स्वाभिमान के अवसर पर हम सभी भारतीयों को राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानते हुए ऐसे कथनों से बचना चाहिए जो देशहित के विपरीत हों।

हुसैनाबाद के सेवानिवृत्त शिक्षक हाजी अजमतउल्लाह की पत्नी का इंतकाल, जनाजे में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात

हुसैनाबाद/ पलामू/ झारखंड- हुसैनाबाद के वरिष्ठ नागरिक और सेवानिवृत्त शिक्षक हाजी अजमतउल्लाह साहब की धर्मपत्नी का 29 अप्रैल 2025 को 84 वर्ष की उम्र में इंतकाल हो गया। मरहूमा एक परहेज़गार, नेक दिल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई महिला थीं, जिनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उनके जनाजे की नमाज़ 30 अप्रैल को सुबह 9 बजे हुसैनाबाद के ईदगाह मैदान में अदा की गई, जिसे उनके सुपुत्र हाफिज उमैर साहब ने पढ़ाया। इसके बाद उन्हें ईदगाह कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया।

मरहूमा अनीस फातमा, हाफिज उमैर साहब की माता थीं, जो हर वर्ष ईद की नमाज़ तौहीद और सादगी से अदा कराते हैं। जनाजे की नमाज़ में क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोग शामिल हुए और मरहूमा की मगफिरत के लिए दुआ की। जनाजे में विशेष रूप से जेएमएम के वरिष्ठ नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, गुलाम मोहम्मद, अमीन अली खान, शेख मुजाहिद हुसैनाबादी,शेख निज़ाम, शेख मतीन, अनीस खान, जफर खान, हाफिज गुलाम पीर, डॉक्टर एजाज, रईस खान, जुबैर अंसारी, शकील अहमद, तौकीर आलम, , गुलाम ख़्वाजा, डॉक्टर निशांत हमजा अली, शेख हसन शाकिर, इमामुद्दीन अंसारी, हाजी अलीम अंसारी, ताहिर अंसारी, शेख़ हसन समेत अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

बाबा धर्मराज मंदिर प्रतिष्ठा पर बाउल गान का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

करों, देवघर, झारखंड- अनुमंडल के धार्मिक ग्राम करोंग्राम स्थित नवनिर्मित एवं आकर्षक बाबा धर्मराज मंदिर की प्रतिष्ठा को लेकर मंगलवार रात्रि को बाउल गान का आयोजन मंदिर निर्माण समिति के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम में आस-पास के गांवों से भारी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित हुए और उन्होंने पूरे मनोयोग से बाउल गायन का आनंद लिया।कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल से आए प्रसिद्ध बंगला बाउल गायक बुद्धदेव भल्ला और गायिका चायना ने प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाउल संगीत जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयाम है।

खचाखच भरे पंडाल में उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए बुद्धदेव भल्ला ने एक से बढ़कर एक बाउल गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने "मीनका माथाय दिलो घूंघटा", "आमि हृदय मांझारे राखब फेले देव ना", "ये हरी नाम", "आमार मिलन हबै कत दिन" जैसे गीतों से वातावरण को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर श्रोतागण गीत, संगीत और नृत्य का भरपूर आनंद लेते हुए कलाकारों के साथ झूमने और गाने लगे। देर रात तक चलने वाले इस कार्यक्रम में संगीत और नृत्य ने लोगों को बांधे रखा। मौके पर समिति के अध्यक्ष विष्णु चौधरी, अजय सिंह समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

संस्थापक प्रबंधक स्व.ठाकुर धर्मराज सिंह की पूण्य तिथि पर कार्यक्रम आयोजित

बदलापुर/जौनपुर- सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर जौनपुर की पूण्य तिथि के दिन महाविद्यालय में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक श्याम सिंह एवं प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह ने संस्थापक प्रबंधक के जीवन चरित्र पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अशोक सिंह,पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेन्द्र सिंह,प्रो.धीरेन्द्र कुमार पटेल, डॉ.ओम प्रकाश दुबे, डॉ.कर्मचन्द यादव, डॉ.विनय दुर्गेश, डॉ.तिलक सिंह यादव, डॉ.कुलदीप शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक सुनील सिंह, लेखाकार ऋतुपर्ण सिंह, डॉ.रोहित सिंह, डॉ.संतोष सिंह,डॉ.महेन्द्र सिंह, डॉ.प्रवीण सिंह, मुमताज अंसारी, डॉ.तमन्ना नाज, राघवेन्द्र सिंह,प्रशान्त सिंह, शुभम् सिंह, विजय कुमार, राकेश,रामजीत सहित महाविद्यालय परिवार प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

लेखपाल की बेटी ने किया टॉप

आईएएस बन कर करना चाहती है देश सेवा

जौनपुर। ग्रामीण परिवेश से जुड़े लेखपाल कृष्णचंद मौर्य की बेटी प्रगति मौर्य ने सेंटजान्स स्कूल सिद्धिकपुर में टॉप किया हैं। आईसीएसई बोर्ड हाई स्कूल की परीक्षा में इस बिटिया ने 97.67त्न अंक पाकर विद्यालय में अपना गौरव बढ़ाया है। शहर के चौकी पर गांव निवासी सदर तहसील में कार्यरत लेखपाल कृष्ण चंद्र मौर्य के बड़े पुत्र प्रखर मैं भी इसी विद्यालय से इंटरमीडिएट की परीक्षा में टॉप किया था। मौजूदा समय आईआईटी कानपुर में वह अध्यनरत है। बेटी के टॉपर सूची में आने पर उसकी मां अंशु मौर्य और परिवार के लोगों खासे प्रसन्न हैं। बिल्कुल ही ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी प्रगति आईएएस बनकर देश सेवा में जाना चाहती है । उसका कहना है कि आई आई टी से बीटेक करके यह मुकाम हासिल किया जा सकता है। प्रत्येक दिन आठ घंटे पढ़ने वाली प्रगति अपनी मां अंशु और पिता व विद्यालय के शिक्षकों को इसकी प्रेरणा बताती है।

बैसवारा इंटर कॉलेज में मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

लालगंज (रायबरेली)। नगर के बैसवारा इंटर कॉलेज में मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें कक्षा 10 और 12 के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रबंधक देवेंद्र बहादुर सिंह और प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र बहादुर सिंह ने छात्रों को मालाएं पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। हाई स्कूल परीक्षा में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभिनव सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंशु और कार्तिकेय को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान मिला। इंटरमीडिएट के विज्ञान वर्ग में प्रिंशू यादव ने 85 प्रतिशत अंक हासिल कर सम्मान प्राप्त किया। आकृति सिंह, आंचल शर्मा, दिव्यांशी शुक्ला, तैयबा खातून, सादिया बानो, आर्यन गुप्ता को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र बहादुर सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय के योग्य शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग से हर साल शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम मिलते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय के अनेक छात्र बीएचयू, प्रयाग विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में आसानी से प्रवेश पा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के गरीब छात्रों के लिए यह विद्यालय किसी वरदान से कम नहीं, जहां उन्हें पढ़ाई से लेकर अन्य सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। बैसवारा पीजी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. शीला श्रीवास्तव ने सफल छात्र छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश लेने की अपील की। प्रबंधक देवेंद्र बहादुर सिंह ने सभी मेधावी छात्रों के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की। इस मौके पर डॉ. निरंजन राय, डॉ. प्रवीण, वीरेंद्र कुमार शुक्ला, भवानी प्रसाद श्रीवास्तव, संतोष कुमार सिंह, अतिदेव पांडेय, विनोद कुमार सिंह समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

प्रो. प्रमोद यादव ने डीएसडब्ल्यू का कार्यभार संभाला

● ज्वॉइनिग की तिथि से तीन वर्ष तक रहेगा कार्यकाल

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) के पद का कार्यभार बुधवार को ग्रहण किया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आगामी तीन वर्षों के लिए सौंपी गई है। प्रो. यादव वर्तमान में विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वे रज्जू भैया संस्थान के निदेशक और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में भी सेवाए दे रहे हैं। है। प्रो. यादव के अस्सी से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके है, तीस से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित व्याख्यान दे चुके है । उन्हें शिक्षण, शोध, प्रशासन और छात्र सशक्तिकरण के क्षेत्र में अट्ठारह वर्षो का अनुभव प्राप्त है। प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने पदभार ग्रहण करते हुए मा. कुलपति प्रो वंदना सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷छात्र हित में एवम उनसे जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी तथा छात्रों के सम्पूर्ण विकास पर विशेष जोर दिया जायेगा, जिससे वे शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेल प्रतियोगिताएँ व सामाजिक गतिविधियों में भी आगे बढ़ सकें।÷ इस अवसर पर निवर्तमान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अजय द्विवेदी, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा, दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह, प्रो. गिरधर मिश्रा, प्रो. संतोष कुमार, प्रो मिथिलेश सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ शशिकांत यादव, डॉ श्रवण , दिवाकर शर्मा, रमाकांत यादव आदि ने शुभकामनाएं दी।

खेतासराय की बेटी ने हाई स्कूल में किया टॉप

● नौशीन ने 91.05 त्न अंक पाकर बढ़ाया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात

खेतासराय(जौनपुर) । नगर पंचायत खेतासराय के चौहट्टा मोहल्ला निवासी नौशीन ने हाईस्कूल की आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में 91.05त्न अंक प्राप्त कर कस्बे का नाम रोशन किया है। खेतासराय की बेटी के टॉपर सूची में शामिल होने पर इलाके के लोगों ने मिठाई बांट कर खुशी का इजहार किया।

बताते हैं कि नौशीन सेंटजॉन्स स्कूल सबरहद की छात्रा है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से न सिर्फ परिवार बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। नौशीन की मेहनत लग्न और अनुशासन का ही परिणाम है कि उसने वह बड़ी उपलब्धि हासिल की।पिता सरफराज खान ने बेटी की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । विद्यालय प्रशासन ने भी नौशीन को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। हर दिन छह से आठ घंटे निरंतर पढ़ने वाली मोबाइल की दुनिया से दूर रहने वाली नौशीन की इस सफलता ने पूरे कस्बे का नाम रोशन किया। उनको बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का सिलसिला जारी है।

10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत सफल बनाये जाने हेतु बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली उ0प्र0- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राज कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन मे 10 मई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु समस्त उपजिलाधिकारी व समस्त तहसीलदार के न्यायालयों में लम्बित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आहूत की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता मा0 अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनुपम शौर्य के द्वारा की गयी। बैठक में अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में पिछलें लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव साझा किये। बैठक में समस्त अधिकारियों को तहसील-परिसर में ई-रिक्शा के माध्यम से लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से जारी दिशा-निर्देश के अनुक्रम में तहसीलों में पर्याप्त संख्या में विधिक शिविरों के आयोजन के सम्बन्ध में वार्ता की गयी। इसके अतिरिक्त समस्त उपजिलाधिकारीगण से तहसीलों में लीगल एड क्लीनिक संचालित किये जाने के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्रप्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी ऊँचाहार सिद्धार्थ चौधरी, उपजिलाधिकारी डलमऊ रजितराम गुप्ता उपजिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव तहसीलदार लालगंज ध्रुव नरायण यादव, तहसीलदार ऊँचाहार अकांक्षा दीक्षित, तहसीलदार सलोन दीपिका सिंह, तहसीलदार डलमऊ उमेश चन्द्र व नायब तहसीलदार सदर मंजरी सिंह उपस्थित रही।

कानपुर में रुट निर्धारण कर 87 ई-रिक्शा का किया गया चालान

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। यातायात विभाग ने सर्व सम्बन्धित को सूचित किया है कि यातायात पुलिस लाइन कानपुर नगर में लावारिस / 207 एम0वी0एक्ट के अंतर्गत निरुद्ध कुल 220 दो पहिया वाहनों के नियमानुसार निस्तारण हेतु नीलामी प्रक्रिया दिनांक 02.05.2025 को प्रातः 10ः00 बजे से यातायात पुलिस लाइन कानपुर प्रांगण में अपर नगर मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा संपन्न की जायेगी । इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भागले सकते हैं। दिनांक 21.04.2025 से कानपुर शहर के निर्धारित प्रमुख 10 जगहों (जोन-2 नगर निगम कार्यालय चकेरी, ट्रैफिक पुलिस लाइन रेलबाजार, थाना छावनी, गुंजन टाकीज पार्किंग परिसर सीसामऊ, जोन-4 नगर निगम हैड ऑफिस स्वरूपनगर, जीआईसी ग्राउंड चुन्नीगंज, जोन-5 नगर निगम ऑफिस गोविंद नगर, थाना बाबूपुरवा, थाना ब व थाना अर्मापुर) पर ई-रिक्शा / ऑटो का पंजीयन व रूट निर्धारण शुरु किया गया है। जिसके अन्तर्गत आज दिनांक 30.04.2025 को कुल 87 ई-रिक्शा / ऑटो का पंजीकरण हुआ । शासन के आदेश के क्रम में व उच्चाधिकारियों के निर्देशन में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष रुप से ई-रिक्शा वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, गलत नंबर प्लेट एवं बिना फिटनेस के सम्बन्ध में चेकिंग की गयी और यातायात नियमों का पालन न करने वाले 127 ई-रिक्शा का चालान किया गया। वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने हेतु जागरुक किया गया । इस प्रकार की कार्रवाई के माध्यम से यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाता है । दुर्घटनाओं की रोकथाम में मदद मिलती है। वाहन चालकों को यह संदेश दिया जाता है कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट ने घाटा कोलान बस्ती में बांटी राहत सामग्री, एसडीएम ने की सराहना

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के अंतर्गत काली घाटी स्थित घाटा कोलान आदिवासी बस्ती में बुधवार को मानवता की मिसाल पेश करते हुए भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट वृंदावन शाखा चित्रकूट के तत्वावधान में करीब दो सौ जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं वितरित की गई। वितरण कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम ने स्वयं मौजूद रहकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की और संस्था की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उपजिलाधिकारी मोहम्मद जसीम ने कहा कि, "मानवता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। जो संस्थाएं और लोग समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद वर्ग के लिए मदद का हाथ बढ़ाते हैं, वे सच्चे अर्थों में समाज के सपूत हैं।"उन्होंने ट्रस्ट की इस सेवा भावना को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट द्वारा गेहूं, चावल, दाल, आटा, आलू, प्याज, नमक, शक्कर, सरसों का तेल, साबुन, चायपत्ती, आंवले का तेल, कपड़े, तथा मिट्टी के घड़े वितरित किए गए। इस सहयोग से बस्ती के लोग प्रसन्न नजर आए और उनके चेहरों पर राहत की झलक साफ दिखाई दी।

ट्रस्ट के प्रबंधक रामावतार यादव ने जानकारी दी कि संस्था पिछले 50 वर्षों से दीन-दुखियों, साधु-संतों एवं आपदा पीड़ितों की सेवा में सतत कार्यरत है। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य ट्रस्ट के समर्पित सहयोगियों की वजह से संभव हो सका है। सहयोग देने वालों में अशोक कुमार चौधरी, महाप्रसाद अन्नपूर्णा देवी माता मालेगांव, राजू चौधरी, तथा अशोक कुमार चौधरी का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर भागवत भूषण बृजेंद्र शास्त्री ने कहा कि, "भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट विगत कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रहा है। कोरोना काल में भी संस्था की सेवाएं उल्लेखनीय रहीं।" खाद्य वितरण कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायालय के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी व जिला उपभोक्ता फोरम के न्यायिक मजिस्ट्रेट केशव प्रसाद यादव, कामरेड अमित यादव, पदमेंद्र त्रिपाठी, भालचंद्र पांडेय, समाजसेवी रविंद्र कुमार शर्मा, पूर्व प्रधान फूलचंद यादव, सभासद शंकर प्रसाद यादव, सुमित यादव व काली देवी मंदिर के पुजारी राम विशाल दास उर्फ मदारी बाबा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस जनकल्याणकारी आयोजन से घाटा कोलान की गरीब बस्ती में राहत की अनुभूति हुई और समाज सेवा का संदेश और मजबूत हुआ।

भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक अध्ययन करेगा पूर्वांचल विश्वविद्यालय

● भारतीय परंपराओं की वैज्ञानिक पुनर्परिभाषित की ओर एक ठोस कदम

●अध्ययन के लिए कुलपति ने किया समिति का गठन

स्वतंत्र प्रभात

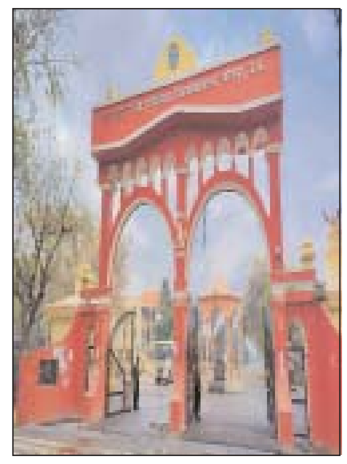

जौनपुर- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय शोध समिति का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषित कर उसे जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करना है। भारत का इतिहास वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, नाट्यशास्त्र, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र, और दर्शन जैसे ज्ञान के विविध क्षेत्रों से समृद्ध रहा है। यह परंपराएं न केवल आध्यात्मिकता की प्रतीक रही हैं, बल्कि इनके पीछे वैज्ञानिक तर्क, अनुभव और प्रयोग आधारित आधार भी मौजूद हैं। किंतु आधुनिक काल में इन विषयों को प्रायः केवल आस्था या पौराणिक संदर्भों से जोड़कर देखा गया, जिससे इनकी वैज्ञानिकता जनसामान्य की दृष्टि से ओझल हो गई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि "भारतीय ज्ञान परंपरा सिर्फ संस्कृति का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का वैज्ञानिक मार्गदर्शन भी करती है। हमारा प्रयास है कि हम इन परंपराओं की वैज्ञानिक बुनियाद को पुनः खोजें, उसका विश्लेषण करें, और शोध आधारित प्रमाणों के साथ उसे शैक्षणिक व सामाजिक पटल पर प्रस्तुत करें।"

इस नवगठित समिति में विविध विषयों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, जिसमें प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रताप मिश्रा डॉ. धीरेंद्र चौधरी और डॉ. पवन कुमार पाण्डेय हैं। समिति की अध्यक्ष कुलपति प्रो. वंदना सिंह है जिससे प्रगति की सम्यक निगरानी की जा सके । समिति न केवल भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक विश्लेषण पर कार्य करेगी, बल्कि विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार, शोध परियोजनाओं, शोधार्थियों के प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम विकास में भी योगदान देगी। इसके अतिरिक्त समिति का उद्देश्य विभिन्न भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं भारतीय जीवनशैली के वैज्ञानिक प्रभावों पर शोध प्रारंभ कर रहा है और इस दिशा में कई राष्ट्रीय संस्थानों से एमओयू भी किए जा रहे हैं। इस प्रयास के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप शोध प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और सेमिनार में सहभागिता का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

लूट के रुपयों के साथ तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

● बड़ी वारदात की बना रहे थे योजना।

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली । लालगंज कस्बे के बेहटा चौराहा के चिकमंडी रोड स्थित गेस्ट हाउस में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति से रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हुए तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से लूटी गई रकम और बैग बरामद किया गया है। पीड़ित अमर बहादुर सिंह के बेटे का तिलकोत्सव कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान वह एक दुकान से कपूर खरीदने निकले थे। तभी बाइक सवार तीन बदमाश उनका रुपयों से भरा हैंड बैग छीनकर तिकोनापार्क की ओर फरार हो गए। घटना से नगर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से 24 घंटे के भीतर ही आरोपियों की पहचान कर ली गई। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में कस्बे के अलीनगर मोहल्ला निवासी अरशद पुत्र नसीर, औशान पुत्र इस्माइल और सरेनी निवासी शोएब पुत्र रफीक अहमद शामिल हैं। पूछताछ में पता चला कि तीनों बदमाश पहले से ही नगर के एक गल्ला व्यापारी की रेकी कर रहे थे और बड़ी लूट की योजना बना रहे थे। जब वह योजना सफल नहीं हुई, तो उन्होंने मौके का फायदा उठाकर अमर बहादुर सिंह से लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

बलिया के इंदरपुर में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का हुआ आगमन

स्वतंत्र प्रभात

बलिया-यूपी के सपा सांसद सनातन पाण्डेय गांव इंदरपुर में आज दोपहर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आगमन हुआ। ब्यूरो चीफ सैयद सेराज अहमद ने प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सपा सांसद सनातन पाण्डेय की भतीजी की शादी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में बलिया पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। कहा कि, पता चला है बलिया में बहुत तेल मिला है, लेकिन यहां के लोगों ने तो भाजपाइयों का ही तेल निकाल दिया है। बलिया की जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया और अगली बार पूरी तरह से तेल निकाल देगी। सपा सांसद सनातन पांडेय की भतीजी की शादी में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ दिन पहले सड़कों पर टायर फेंके जा रहे थे और रामजी लाल सुमन जी पर हमला करने की कोशिश की गई। नंगी तलवारें हम सबने देखीं। लेकिन जो राजनीति करता है, उसे ऐसे खतरों का सामना करना आता है। अगर हम डरते, तो राजनीति में नहीं आते। कहा कि आजकल भाजपा के लोग सड़कों पर बहुत दिख रहे हैं। यह उसी संविधान की ताकत है, जिसे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हमें दिया। हमारे देश भारत का संविधान है एक ऐसा संविधान है, जिसने गरीब, शोषित, वंचित और पीड़ितों को उनका अधिकार दिलाया और समाज में उनको अपने अपने ढंग से जीवन व्यतीत करने का अधिकार दिया।

सोक-पिट में गिरने से चार साल के बच्चे की दुखद मृत्यु

स्वतंत्र प्रभात

कुमारगंज [अयोध्या]। कुमारगंज थाना क्षेत्र के हरदोइया गांव के पड़ाइन का पुरवा में मंगलवार शाम एक हृदयविदारक घटना में चार वर्षीय अनमोल की सोक पिट में गिरने से मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवशंकर का पुत्र अनमोल घर के पास खेल रहा था, तभी वह घर के बगल में बने 10 वर्ष पुराने सोक पिट में गिर गया। जब अनमोल देर तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। गांव के आसपास, जंगल और झाड़ियों में तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। परिजनों ने इसकी सूचना चिलबिली चौकी को दी। चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने तुरंत खोजबीन शुरू की, लेकिन रात तक कोई सुराग नहीं मिला। देर रात ग्रामीणों ने सोक पिट में हल्का कपड़ा देखा और जांच करने पर अनमोल को डूबा हुआ पाया, जिसकी मृत्यु हो चुकी थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हरदोइया गांव के प्रधान अमर कुमार ने बताया कि सड़क किनारे बना सोक पिट 10 साल पुराना है और इसका ढक्कन टूट चुका है। नाली निर्माण का प्रस्ताव पास हो चुका था, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के कारण नाली नहीं बन सकी। उन्होंने कहा कि यदि नाली बन गई होती, तो शायद यह हादसा टल सकता था। चिलबिली चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर लिया गया है, लेकिन परिजनों ने पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया।

सुपौल में अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल - अक्षय तृतीया के अवसर पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सखी वन स्टॉप सेंटर के प्रांगण में एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस, सुपौल श्रीमती शोभा सिन्हा द्वारा की गई। समारोह में सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, जिला प्रोग्राम कार्यालय तथा अल्पावास गृह सुपौल के सभी कर्मियों एवं पदाधिकारियों ने बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ली। इस दौरान शोभा सिन्हा ने बाल विवाह अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की एवं 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह करना कानूनन अपराध है। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों से अपील की कि वे इस संदेश को पंचायत स्तर तक व्यापक रूप से फैलाएं, ताकि समाज में बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से समाप्त किया जा सके। इस अवसर पर रूपम कुमारी (जिला परियोजना प्रबंधक), हरि नारायण कुमार (जिला मिशन समन्वयक), कुमारी प्रतिभा (केंद्र प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर), तथा सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, आईसीडीएस और अल्पावास गृह सुपौल के सभी अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बालिका से छेड़छाड़ में चार बाल अपचारियों पर कार्रवाई

कानपुर। 25 अप्रैल को वादिनी अर्चना देवी पत्नी जय करन, निवासी ग्राम गुजैनी, कानपुर नगर द्वारा अपनी पुत्री को परेशान किए जाने के संबंध में थाना गुजैनी पर एक लिखित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना गुजैनी में अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त प्रकरण में नामित चार बाल अपचारियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई। संबंधित बाल अपचारियों के माता-पिता एवं अभिभावकों को थाना परिसर में बुलाकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए यह चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी आपराधिक गतिविधि की पुनरावृत्ति न हो।

आरिफ मोहम्मद खान पहुंचे शुभम् द्विवेदी के घर

भारत सरकार सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध - आरिफ मोहम्मद खान

कानपुर । बिहार के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान पहलगाम हमले के मृतक शुभम द्विवेदी के घर आज कानपुर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी और कहा कि भारत सरकार सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। कश्मीर के पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात करने बुधवार को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान हाथीपुर गांव के रघुवीर नगर पहुंचे। वह लगभग चार बजे चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे। कार से सीधा शुभम के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान शुभम के परिजनों से बातचीत कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि सरकार सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि आरिफ मोहम्मद खान दो दिन के कानपुर प्रवास पर आए हैं। एक मई को सुबह 11 बजे घाटमपुर तहसील के जयपुर गांव पहुंचकर एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

तीन किलो गांजे के साथ तीन तस्कर पकड़े

अलीगढ़। जनपद के दो थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों से तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में गांजा बरामद कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा हैं। थाना सासनीगेट पुलिस टीम ने अवैध नशीले पदार्थ गाँजा सहित शातिर नीरज कुमार उर्फ लुल्ली पुत्र स्व0 चुन्नी लाल निवासी राजाराम की सराय थाना सासनी गेट को एटूजेड के खाली पडे ग्राउण्ड से मय दो किग्रा अवैध गाँजा के साथ गिरफ्तार किया है । वहीं थाना इगलास पुलिस टीम ने अवैध नशीले पदार्थ गाँजा सहित दो शातिर महेश पुत्र सूरजपाल जाट निवासी नया बांस थाना इगलास को मोनिया बंबा पटरी से एक थैले से छोटे, बडे पाउच गांजा के साथ जिसका कुल वजन एक किलो 35 ग्राम के साथ गिरफ्तार किया गया है व गौरव पुत्र विपतीराम निवासी मौहल्ला दरवर थाना गोण्डा को करवन नदी के पास बिसाहुली रोड़ से अवैध 740 ग्राम मय बिना नम्बर होण्डा एक्टिवा रंग नीली के साथ गिरफ्तार किया गया है।

रामघाट रोड को एक्सीडेंट प्रोन एरिया बनाने के लिए करें प्रभावी कार्यवाही:डीएम

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहुत की गई। सर्वप्रथम जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में बताया गया कि माह मार्च में 103 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें मृतकों की संख्या 45 है, जबकि विगत वर्ष मार्च में 97 दुर्घटनाएं हुई थीं जिनमें 52 लोगों की मृत्यु हुई थी। डीएम ने निर्देशित किया कि सभी सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट कराते हुए घटनाओं की वजह बताते हुए समाधान प्रस्तुत करें साथ ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए।

राहुल गांधी ने कानपुर पहुंच कर शुभम् के घर वालों को दिया हर संभव आश्वासन

शुभम् को शहीद का दर्जा दिलाने को सरकार को चिट्ठी लिखूंगा - राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर । कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज पहलगाम में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिवार से मिले तो पत्नी रोने लगीं तो गले लगाया, कहा- मैंने भी पिता, दादी को खोने का दर्द झेला है। राहुल गांधी ने पहलगाम में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या को गले लगाकर दिलासा दी। आज उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या राहुल को देखकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उन्हें गले लगा लिया और सांत्वना दी। शुभम के पिता भी राहुल को देखकर अपने आंसू नहीं रोक पाए। ऐशन्या ने राहुल को पहलगाम में हुई घटना के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मेरे पति को आतंकियों ने गोली मार दी। ऐशन्या ने बताया कि हर जगह सुरक्षा की व्यवस्था थी, लेकिन पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी । ऐशन्या ने राहुल गांधी को बताया- 22 अप्रैल को दोपहर 2.25 बजे हम लोग लंच कर रहे थे। तभी नॉर्मल कपड़ों में एक आतंकी आया। उसने पूछा- हिंदू हो या मुसलमान ? हिंदू कहते ही सिर्फ 5 सेकेंड में मेरे पति को गोली मार दी।

राहुल ने पूछा- यह सब कितनी देर तक चला? इस पर ऐशन्या ने कहा- करीब 45 मिनट तक आतंकियों ने खून-खराबा किया। वे आराम से लोगों से नाम पूछ-पूछकर उन्हें मार रहे थे। उन्हें यह टारगेट दिया गया था कि पत्नी के सामने पति की हत्या करनी है। वे महिलाओं से कहते थे कि जाकर अपनी सरकार को बताओ। मैं तुम्हारे पति को मार रहा हूं, तुम्हें नहीं मारूंगा। राहुल ने फिर पूछा- जो लोग घायल थे, वे नीचे कैसे पहुंचे? ऐशन्या ने जवाब दिया- सर, मुझे मेरी बहन घसीटकर नीचे ले आई। आतंकियों ने

महिलाओं को छुआ तक नहीं ।

शुभम् द्विवेदी के पिता बोले आप- कुछ करिए, आप देश के बड़े नेता हैं। वहीं, शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा- बेटे का आधा सिर इसके (ऐशन्या) ऊपर गिरा था। आप कुछ करिए। आप इस देश के बड़े नेता हैं। राहुल ने कहा कि मैंने दो बार ऐसा दर्द झेला है। मेरी दादी भी आतंकवाद की भेंट चढ़ीं और मेरे पिता भी चले गए। शुभम को शहीद का दर्जा मिले, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखूंगा। ऐसे लोगों को सम्मानित करने के लिए मैंने प्रधानमंत्री से सर्वदलीय बैठक की मांग की थी। राहुल ने

शुभम के परिवार वालों से अपने मोबाइल से प्रियंका गांधी से भी बात करवाई। राहुल ने कहा- आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे, वे चाहे जहां छुपे हों। पत्नी के सामने आतंकियों ने शुभम को मारी थी गोली शुभम द्विवेदी (31) की पहलगाम हमले में मौत हो गई थी। उनकी दो महीने पहले ऐशन्या से शादी हुई थी। 17 अप्रैल को ऐशन्या और परिवार के 11 सदस्यों के साथ शुभम कश्मीर घूमने गए थे। उन्हें 23 अप्रैल को घर लौटना था, मगर 22 अप्रैल को दोपहर 2:45 बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों ने हमला कर दिया।

नालों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलता रहेगा

मेयर ने सभी से आग्रह किया कि बरसात से पहले अतिक्रमण हटा लें

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। मॉनसून के पहले शहर में नाली एवं नालों के ऊपर से अतिक्रमण हटाने का अभियान और तेज कर दिया गया है। आज जोन 4 ग्वालटोली एवं जोन 6 नमक फैक्ट्री चौराहे के पास खुद मौके पर खड़े होकर मेयर प्रमिला पांडेय ने नाली एवं नालियों के ऊपर हुए बड़ी संख्या में अतिक्रमण को ध्वस्त कराया। उन्होंने बताया कि अभी कई दिनों तक सभी जोन में यह अभियान चलता रहेगा। मेयर प्रमिला पांडेय ने कहा कि मेरी कोशिश है कि बारिश के मौसम में शहर में जल भराव कम से कम हो सके। मेरे इस अभियान में आप सभी का बहुत-बहुत सहयोग मिल रहा है। अपने आप अतिक्रमण हटाने पर उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। दरअसल बरसात से पहले नगर निगम सभी नालों को साफ करना चाहता है ताकि वर्षा के समय नाले ओवरफ्लो न हों और पानी आराम से निकल जाए, सड़कों पर न भरे। लेकिन शहर के कुछ हिस्सों में लोगों ने पटे हुए नाले पर कच्चे पक्के मकान बना रखे हैं और इसी कारण उन नालों की सफाई नहीं हो पाती है।

मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि भारत सरकार द्वारा अवमुक्त की गयी

प्रतापगढ़। उपायुक्त श्रम रोजगार अश्वनी कुमार ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि 2343.80 करोड़ रूपये 21 अप्रैल को अवमुक्त कर दी गयी है। शीघ्र ही मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि उनके अपने बैंक खाते में पहुंच जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सामग्री मद में भी भुगतान हेतु धनराशि शीघ्र ही अवमुक्त होने वाली है। मनरेगा श्रमिकों को बकाया मजदूरी सम्बन्धी किसी प्रकार की असुविधा होने पर अपने विकास खण्ड के कार्यक्रम अधिकारी अथवा विकास भवन स्थित उपायुक्त श्रम रोजगार कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

●टीम भावना के साथ किए गए कार्य की सराहना की

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार ने बुधवार को पुलिस लाईन परिसर में सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को भावभीनी विदाई देते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में आने के बाद निर्धारित समय पर पुलिस कर्मी को सेवानिवृत्त होना पड़ता है। सेवानिवृत्त हो रहे हेड कांस्टेबल बलवंत सिंह का कार्यकाल जनपद प्रतापगढ़ में काफी सराहनीय रहा है। इनके द्वारा जनपद में किये गये सराहनीय कार्यो को याद किया जायेगा।इन्हें सराहनीय कार्य हेतु 26 जनवरी

को पुलिस रजत पदक से भी पुलिस लाईन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया था। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त होने वाले बलवन्त सिंह हेड कास्टेबल, प्रदीप श्रीवास्तव वरिष्ठ लिपिक, सत्यम दूबे उप निरीक्षक, लाल जी को प्रशस्ति-पत्र, अंगवस्त्रम व श्रीराम चरित मानस रामायण पाठ की पुस्तक देकर सम्मानित किये। इस मौके पर सी0ओ0 सिटी सहित पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कानपुर बार एसोसिएशन हाल में धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

●नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता की अगुवाई में मनाई गई

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आज कानपुर बार एसोसिएशन हाल कानपुर कचेहरी परिसर में नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रविन्द्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष दि लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर एवं प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट अरविंद दीक्षित, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कानपुर बार एसोसिएशन के तत्वाधान में बड़े ही धूमधाम के साथ भगवान परशुराम जयंती मनाई गई। पूरा हाल भगवान परशुराम के जयकारों से गूंज उठा, आए हुवे सभी अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया इसके साथ ही सभी ने जयंती मनाते हुए मिठाई बांटी। आपको बता दें कि भगवान परशुराम जयंती का सनातन धर्म में विशेष महत्व है, मान्यता है कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और भगवान शिव के परम

भक्त माने जाते है, भगवान परशुराम का जन्म माता रेणुका और ऋषि जमदग्नि के घर प्रदोष काल में हुआ था उन्हें चिरंजीवी भी माना गया है, वह अपने माता-पिता के आज्ञाकारी पुत्र थे, परशुराम जी का जन्म धरती से अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिए हुआ था, परशुराम जी को न्याय का देवता भी कहा जाता है।

जयंती के शुभ अवसर पर एडवोकेट पंडित रविन्द्र शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के 6वें अवतार है जिन्होंने धर्म की स्थापना व अन्याय के खिलाफ लड़कर मानव जीवन को एक सन्देश दिया है वहीं एडवोकेट अरविंद दीक्षित ने कहा कि जिस प्रकार से भगवान परशुराम ने धर्म की स्थापना व अधर्म के नाश हेतु कार्य किया है हम सब उनके आदर्शों पर चलकर हमेशा सत्य की लड़ाई लड़ेंगे, इस जयंती के शुभ अवसर पर नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम डी शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचकर शुभकामनाएं प्रेषित की, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय सलाहकार एडवोकेट ज्ञानेन्द्र कटियार, प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रविन्द्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट अरविंद दीक्षित, मण्डल अध्यक्ष एडवोकेट अवधेश सिंह तोमर, जिला संगठन मंत्री विष्णु ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा, केशव तिवारी, करन सिंह सहित सैकड़ों अधिवक्ता व पत्रकार रहे मौजूद ।

समाजवादी पार्टी के 17 फ्रंटल संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों एवं विधानसभा अध्यक्षों की आवश्यक बैठक

●भाजपा के असंसदीय और आलोक तांत्रिक रवैया का जवाब सपा पीडीए मिशन डॉक्टर अंबेडकर के लिखित संविधान में प्रदत्त अधिकारों के आधार पर देगी - हाजी फजल महमूद

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के 17 फ्रंटल संगठनो तथा सपा विधानसभा अध्यक्षों की आवश्यक बैठक आज सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय में आरंभ हुई। बैठक का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया बैठक में फ़ज़ल महमूद ने कहा कि भाजपा सीमित तानाशाही की ओर बढ़कर जिस तरह से असंसदीय व आलोक तांत्रिक ढंग से जन विरोधी रवैया अपना कर जनहितों पर जो

चोट कर रही है सपा इसका जवाब पीडीए मिशन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के लिखित संविधान में प्रदत्त अधिकारों से जनता को अवगत कराकर संसदीय संयमित ढंग से देकर 2027 में परिवर्तन का संदेश देकर नए युग की शुरुआत करेगी।

महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि जिस तरह से युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी है लेकिन सरकार उनके मनोभाव पर मदद करना तो दूर रहा उनकी उपेक्षा कर उनको राहत भी नहीं दे पा रही है उल्टा अनर्गल बयानों द्वारा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी को असंसदीय शब्दों की बौछार से भाजपा का गिरते जनाधार के कारण खीझ की तस्वीर पेश कर गुमराह कर रहे हैं। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, नंदलाल जयसवाल, हाजी अयूब आलम, आंनद शुक्ला, परमवीर गंभीर, रजत मिश्रा, मो सारिया,वरुण जयसवाल, शादाब आलम, दीपक खोटे, अर्पित त्रिवेदी, के के मिश्रा, जमालुद्दीन जुनैदी, शिवकुमार बाल्मिक, शाकिब अब्बासी, अमित यादव,पंकज सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

बंद घर लाखों की चोरी करने वाले चार शातिर बदमाश ज्वैलर्स समेत गिरफ्तार

●कर्नलगंज पुलिस ने आप्रेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी की मदद से पकड़ा चोरों को

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कमिश्नरेट की कर्नलगंज पुलिस ने बन्द घरों में रेकी कर चोरी करने बाले गिरोह का भन्डाफोड़ व चोरी के गहने खरीदने वाले ज्वैलर्स सहित कुल 4 अभियुक्त गिरफ्तार एवं करीब 1 लाख 30 हजार रू0 के जेबरात व 42420/-रू0 नकद बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि कानपुर नगर में चोरी करने वाले अभियुक्त फहद जो कि वादी मुकदमा के विल्डिंग में पांचवे तल पर रहता है जिसने अपने साथियों के साथ एक राय होकर वादी मुकदमा घर पर ताला बन्द होने की सूचना देकर चोरी की योजना बनाकर अभियुक्तगण अजहर व हमजा को चोरी हेतु उनके घर में भेजा तथा फहद व उसके साथी इस्माइल द्वारा बाहर खडे होकर रेकी करते हुये चोरी करायी थी सभी चारो सदस्य अलग अलग तरीके चोरी में सहयोग किये।

कानपुर नगर द्वारा चलाये गये अभियान त्रिनेत्र के माध्यम से लगे सीसीटीवी कैमरो को पुलिस द्वारा चेक किया गया तो अभियुक्तगण स्कूटी सहित चोरी करने के बाद भागते दिखाई दिये । अभियुक्तगण चोरी किये माल को खरीदने व बेचने के चक्कर में जीआईसी ग्राउण्ड चुन्नीगंज में ज्वैलर्स को बेचने हेतु एकत्रित हुये थे पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुये अभियुक्तगण व चोरी के माल खरीदने वाले ज्वैलर्स को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त फहद पुत्र राशिद निवासी व्यापार मण्डल काम्पलैक्स कर्नलगंज कानपुर, मो0 हमजा पुत्र समीम उल हसन निवासी मकबरा ग्वालटोली, शोएब पुत्र मो0 सिद्दकी निवासी बेकनगंज थाना बजरिया कानपुर तथा ज्वैलर्स-बशीक अहमद पुत्र बकरीदी चौधरी निवासी मन्नापुरवा बेकनगंज थाना बजरिया कानपुर, जीआईसी ग्राउण्ड के दूसरे कोने से थाना कर्नलगंज कानपुर नगर से गिरफ्तार किया गया तथा जिनके कब्जे से 2 हार व 2 जोड़ी कानों के झुमके पीली धातु व 42420/- रुपये बरामद हुये ।

किसी में बहकावें में आकर किशोरावस्था ना करें पलायन:एसपी क्राइम

अलीगढ़। एसएसपी के निर्देशन में एसपी क्राइम ममता कुरील द्वारा थाना गांधीपार्क अन्तर्गत एसजेड़ी मैमोरियल पब्लिक स्कूल में ऑपरेशन जागृति 4.0 अभियान कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया । कार्यक्रम में महोदया द्वारा ऑपरेशन जागृति अभियान 4.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, साइबर अपराधों से बचाव एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गई । महिलाओं/ बालिकाओं हेतु शासन एवं पुलिस द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन- 1090, महिला हेल्पलाइन- 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन- 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा- 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 आदि की जानकारी दी गई ।

छेड़खानी के आरोपियों की नहीं हुई गिरफ्तारी अपराधियों के हौसले बुलंद

स्वतंत्र प्रभात

आलापुर अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर जनपद के जहांगीरगंज थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलक टांडा के प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0107 के अंतर्गत दर्ज मामले के अनुसार एक लड़की 24 अप्रैल की शाम को लगभग 8:00 बजे के आसपास शौच हेतु खेत की तरफ जा रही थी , सभी गांव के दबंग एवं मनचले किस्म के लड़के संतोष पुत्र रामधनी, सावन पुत्र विजई,अमन पुत्र पप्पू तथा अरविंद पुत्र हरगुन निखिल पुत्र ओमप्रकाश उसे दबोच कर उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगते हैं । जैसे तैसे वह बच बचा कर जब वह अपनी मां को आकर अपनी व्यथा बताती है तो तो उसकी मां जब विपक्षी के घर पर जाकर इन सब की शिकायत करती है तो उक्त आरोपियों के परिजन लामबद्ध होकर उसकी पिटाई कर देते हैं, बीच बचाव करने आए अन्य परिजनों की भी विपक्षी गढ़ पिटाई कर देते हैं । क्षेत्राधिकारी आलापुर के हस्तक्षेप के उपरांत छेड़खानी सहित मारपीट से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत होता है तथा पीड़िता का बयान भी दर्ज कर

लिया जाता है । परंतु किसी की भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं की जाती है । प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त आरोपीगण का गांव में अक्सर किसी ने किसी से विवाद होता रहता है । परंतु जहांगीरगंज की पुलिस इन पर नकेल कसने में अभी तक कामयाब नहीं हो पाई है , बल्कि उन्हें बचाने में पूरी कोशिश करते हुए एक तरफ पीड़िता के बयान के आधार पर छेड़खानी तथा मारपीट का मुकदमा दर्ज करती है तो वहीं पर आरोपियों की तरफ से भी दोनों पक्ष पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर जांच की बात करती है ।

लूट के तीन आरोपी तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। पीड़ित मोटर साइकिल से 19 अप्रैल को डीजल लेकर हीरागंज से चपंतपपुर जा रहा था। उसी बीच आरोपीगणों द्वारा वादी को चपंतपुर मोड़ के पास मारने पीटने लगे व मोबाइल व रुपये लूट कर फरार हो गये थे।जिसके संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना महेशगंज पर तीन व्यक्तियों के नाम पता अज्ञात मोटर साइकिल सवार का मुकदमा पंजीकृत किया गया था।थाना महेशगंज थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह व स्वाट टीम की संयुक्त कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना महेशगंज के मु0अ0सं0 75/2025 धारा 309 (6) / 317 (2) बीएनएस व धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बीएनएस से संबंधित सोहराब अली पुत्र सफी मोहम्मद

उर्फ कल्लू निवासी मदनगढ़ बेला थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़,अनुज धुरिया पुत्र जीतलाल धुरिया निवासी जुड़ापुर थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ व सतीश पटेल पुत्र लालचन्द्र पटेल निवासी महमदपुर चारपुरा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ को लूट के लूट के 01 मोबाइल व 01 तमंचा 315 बोर, 04 जिंदा कारतूस 315 बोर व 01 मोटर साइकिल के साथ थाना महेशगंज क्षेत्रान्तर्गत रघुनाथपुर अण्डरपास वहद ग्राम झींगुर के पास से गिरफ्तार किया गया। उक्त मोटर साइकिल को सीज किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग आपस में दोस्त हैं।हम लोग के पास कोई रोजगार नही है,जिसके कारण हम लोग योजना बनाकर रात के समय सुनसान रास्तों पर आने जाने वाले राहगीरों के साथ लूट की घटना को अंजाम देते हैं।लूट के पैसों से अपना शौक पूरा करने के साथ अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करते है।19 अप्रैल को योजना बनाकर हम लोग घर से निकले और धमोहन गांव तथा लोदीपुर गांव के बीच में चम्पतपुर मोड़ के पास मोटर साइकिल के साथ जा रहा था।उसका सफेद अपाची से पीछा करके उसको तमन्चा सटाकर एवं मारपीट करके उससे एक एन्ड्रायड मोबाइल फोन रियलमी कम्पनी का व 500 रुपये नगद लूटे थे।लूटे हुए पैसे खाने पीने में खर्च हो गये।

संक्षिप्त खबरें

टटलू बाजी से खूब बनाई संपत्ति, अब हो गई कुर्क

गैंगस्टर टटलूबाज सलीम जाफर की 41.25 लाख की संपत्ति कुर्क हुई

मथुरा। टटलूबाजी से खूब संपत्ति बनाई। अब इसे कुर्क कर लिया गया है। गैंगस्टर टटलूबाज की 41.25 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। सलीम जाफर सोने की ईट के नाम पर टटलू काटता था। मथुरा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी सलीम जाफर की 41 लाख 25 हजार रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। आरोपी पर नकली सोने की ईट दिखाकर लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। कोसीकलां पुलिस ने बरसाना थाना क्षेत्र के गांव हाथिया निवासी सलीम जाफर के खिलाफ यह कार्रवाई की। आरोपी ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर यह अपराध किया था। इन साथियों में शकील, जुगेंद्र उर्फ जग्गू, धर्मेंद्र, अलीशेर उर्फ अल्ली और गिर्राज शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी की हाथिया में स्थित संपत्ति को कुर्क किया है। इसमें 803.61 वर्गमीटर भूमि शामिल है, जिसकी कीमत 16.25 लाख रुपये है। इस जमीन पर बना मकान 25 लाख रुपये का है। मकान में 4 कमरे, बरामदा, आंगन और शौचालय स्नानघर हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देश पर की गई। नायब तहसीलदार जयंती मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल, अपराध निरीक्षक चेतराम शर्मा और राजस्व निरीक्षक हरीश चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह अभियान चलाया।

प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर किया जागरूक

नगर निगम की टीम ने कार्यवाही करते हुए किया जुर्माना

प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर आमजन को जागरूक करती नगर निगम की टीम।

मथुरा। शासन द्वारा निकायों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग की रोकथाम के दृष्टिगत निरंतर कार्यवाही किए जाने एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया है। नगर आयुक्त शशांक चौधरी के द्वारा भी नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए हैं। इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, ज़ोनल प्रभारी औरंगाबाद के निर्देशन में नगर निगम की टीम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही की गई नगर निगम की टीम द्वारा आज पुलिस लाइन जेल रोड पर प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं गंदगी के विरुद्ध अभियान चलाया गया। कार्यवाही में 2700 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक, ईटीएफ की टीम सहित, पुलिस लाइन चौकी से क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक एवं अन्य पुलिस कर्मियों के साथ नगर निगम के कर्मी भी उपस्थित रहे।

योग की कर्ण मुद्रा का हुआ लोकार्पण

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत के मथुरा नगर वार्ड के बाईपास तिराहे पर बुधवार की शाम को अष्टधातु से निर्मित योग की कर्ण मुद्रा का लोकार्पण डा. राजा गणपति आर व अध्यक्ष मंजू जायसवाल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने किया। सांसद ने कहा कि इस कर्ण मुद्रा का लोकार्पण कस्बा के लिए एक नई पहचान होगी और योग के लिए सभी को प्रेरित भी करेगी। यह लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा। सदर विधायक श्याम धनी राही ने कर्ण मुद्रा को आकर्षण का केंद्र बताया है। नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल और इनके प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल ने नगर के विभिन्न विकास कार्यों को बताते हुए सांसद से कस्बा के कूड़ा नदी व्यवसायिक विकास के लिए एक पुल स्थापना की मांग की। साथ ही बाईपास एन एच सड़क को कस्बा से जोड़ने की मांग की। इस अवसर पर डीएम डा. राजा गणपति आर, सीडीओ जयंत कुमार ने भी संबोधित किया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, ईओ अभिनव श्रीवास्तव, सभासद मयंक पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, अयोध्या शाहू, सूरज मोदनवाल, कल्लू, विभूति अग्रहरि, अंगद साहनी, आशीष शुक्ला, विनोद वर्मा, रणजीत सिंह, सुजीत अग्रहरी, दिलीप, श्रीधर पाण्डेय, सोमनाथ मिश्र, सुरेंद्र पाण्डेय, हेमचंद सिंह, राकेश आर्या, सच्चिदानंद चौबे, सुनील जायसवाल, राजधर पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जयशंकर का डिप्लोमैटिक एक्शन, UNSC के 7 अस्थायी सदस्य देशों से की बात, जानें कैसे फंसेगा पाकिस्तान

● जयशंकर ने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया, सिएरा लियोन और सोमालिया के विदेश मंत्रियों से संपर्क किया और उन्हें हमले की प्रकृति और इसके व्यापक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस बातचीत को भारत की रणनीतिक कूटनीतिक पहुंच के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अलग-थलग करना है।

स्वतंत्र प्रभात

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के मद्देनजर, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सात अस्थायी सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण टेलीफोन पर बातचीत की। 22 अप्रैल के हमले पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया के बारे में बढ़ती वैश्विक चिंता और अटकलों के बीच यह चर्चा हुई। जयशंकर ने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया, सिएरा लियोन और सोमालिया के विदेश मंत्रियों से संपर्क किया और उन्हें हमले की प्रकृति और इसके व्यापक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस बातचीत को भारत की रणनीतिक कूटनीतिक पहुंच के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अलग-थलग करना है।

यह घटनाक्रम यूएनएससी द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने वाले बयान के कुछ दिनों बाद हुआ, लेकिन इससे पहले चीन द्वारा समर्थित पाकिस्तान ने इसे कमज़ोर करने का काम किया। विदेश मंत्री को यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का भी फ़ोन आया और उन्होंने उन्हें इस हमले के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाने के भारत के संकल्प से अवगत कराया। गुटेरेस के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की उनकी स्पष्ट निंदा की सराहना करता हूँ।

जवाबदेही के महत्व पर सहमत हूँ। भारत का संकल्प है कि इस हमले के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। यूएनएससी के सात गैर-स्थायी सदस्य देशों के अलावा, जिनसे विदेश मंत्री ने संपर्क किया, शक्तिशाली निकाय के अन्य सदस्य डेनमार्क, ग्रीस और पाकिस्तान हैं।

हमले पर 25 अप्रैल के अपने बयान में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की तथा पुनः पुष्टि की कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए "सबसे गंभीर" खतरों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी समेत कई विश्व नेताओं ने भी मोदी से फोन पर बात कर हमले की निंदा की। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, डच पीएम डिक स्कोफ, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज और नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की।

पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण और आर अश्विन को पद्मश्री अवार्ड से किया गया सम्मानित

पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया।

स्वतंत्र प्रभात

भारतीय हॉकी के पूर्व खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी भी मौजूद रहे। श्रीजेश और अश्विन को ये सम्मान खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला है। बता दें कि, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी जिसमें श्रीजेश और अश्विन का नाम भी शामिल था।

अश्विन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह भारत के सफल स्पिनरों में शामिल हैं। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं। अश्विन फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं और इस सीजन चेन्नी सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

एक साल से मथुरा पुलिस को छका रहा था शातिर शौकत

● मुठभेड के दौरान दोनों पैरों में लगी गोली, पुलिस अस्पताल में कराया भर्ती

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एसओजी, स्वाट और जैंत पुलिस की गौ तस्कर से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हरियाणा के नूंह का रहने वाला तस्कर दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल गौ तस्कर को गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था इसको 11 महीने से तलाश किया जा रहा था। बताया जाता पिछले साल 23 मई 24 को पुलिस रात में चौकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कंटेनर संख्या एचआर 38 वी 2560 आता दिखाई दिया। नेशनल हाईवे पर पुलिस ने जब इसे रोकने का प्रयास किया तो इसने बैरियर को तोड़ दिया और कोटा गांव से बाजना गांव की तरफ भागने लगा। पुलिस को पीछा आता देख कंटेनर में सवार तस्कर कंटेनर को छोड़ कर भाग गए जिसमें से पुलिस को 11 जिंदा और 19 मृत गौवंश मिला था। फरार गौ तस्कर की पहचान 35 वर्षीय शौकत मेव पुत्र शहाबुद्दीन

मुठभेड स्थल पर मौजूद पुलिस टीम।

निवासी सालाहेड़ी सदर नूंह हरियाणा के रूप में की गई। शौकत की तलाश में स्वाट और एसओजी की टीम को भी लगाया गया था। मंगलवार की देर रात शौकत की लोकेशन पुलिस को थाना जैंत क्षेत्र में मिली। जिसके बाद एसओजी, स्वाट और थाना जैंत पुलिस लोकेशन पर पहुंच गई। जहां शौकत मेव गौ तस्करी की तलाश में बाइक से आता दिखाई दिया। शौकत ने पुलिस को देखते ही एक के बाद एक 3 फायर कर दिए। जिसके बाद पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें उसके दोनों पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। शौकत मेव के पास से तमंचा के अलावा मोटर साइकिल और गौ तस्करी के लिए लाई गई रस्सी व मोहरे बरामद हुए है।

मथुरा में जमीनों की रजिस्ट्री नहीं होगी कल

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कातिबों ने किया काम बंद रखने का आवाहन

मथुरा। पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध ब्रज में उबाल है। एक ओर व्यापारियों ने कल मथुरा बंद रखने का आवाहन किया है। वहीं मथुरा बंद आव्हान का समर्थन करते हुए सभी कातिबों ने रजिस्ट्री आफिस में एक मई (कल) काम बंद रखने का ऐलान किया है। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के पदाधिकारियों ने कल काम नहीं करने के संबंध में आज उपनिबंधक सदर अजय त्रिपाठी को पत्र भी सौंपा है। समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, संरक्षक सोहनलाल शर्मा, सचिव केके चौधरी, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, प्रेम सिंह, द्वारकाप्रसाद, शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने कल मथुरा बंद का समर्थन करते हुए कहा है कि मथुरा वृंदावन क्षेत्र की रजिस्ट्री संबंधी कोई कार्य नहीं किया जाएगा।

चिलचिलाती धूप में खलिहान छोड तहसील के गेट पर बैठे किसान

● भाकियू सुनील ने बैनर तले किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। चिलचिलाती धूप में किसान खलिहान छोड कर तहसील गेट पर बैठे हैं। किसानों का कहना है कि अधिकारी उनकी बात तक सुनने को तैयार नहीं है, उनकी मांगों पर काम करना तो दूर की बात है। भारतीय किसान यूनियन सुनील द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मांट तहसील के गेट पर मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया है। भाकियू के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गावर के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने ब्लाक कार्यालय से लेकर तहसील गेट तक जुलूस निकाला उसके बाद तहसील के गेट पर जमकर नारेबाजी की, और चिलचिलाती धूप में ही तहसील के गेट पर फर्श बिछा के धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया, धरने में महिलाएं भी शामिल है। धरना प्रदर्शन शुरू होने के बाद मंगलवार को ही नायब तहसीलदार पंकज यादव किसानों से वार्ता करने आये, पर किसानों ने उच्च अधिकारी से ही बात करने की कह उन्हें वापिस भेज दिया, दोपहर में तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता भी धरना स्थल पर आये पर किसानों का कहना था कि पूर्व में दिए ज्ञापन में से कितनी समस्याओं का निस्तारण हुआ उसका हिसाब नहीं मिल जाता तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। वहीं श्री गावर ने शाम को अनिश्चित कालीन करने की घोषणा कर दी। धरना के दूसरे दिन दैनिक भास्कर को भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय महासचिव लक्ष्मण सिंह ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर हमारा धरना चल रहा है किसानों के दाखिला खारिज में तहसील कर्मचारियों द्वारा पैसों के लेनदेन को रोकने तथा मांट ब्रांच गंगनहर में पानी छोड़ा जाय जिससे फसलों की बुबाई लेट हो रही है। किसानों को बिजली कटौती से राहत मिले। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में हो

तहसील पर प्रदर्शन करते किसान।

रहे भ्रष्टाचार को रोकने की मांग एंव चकरोड़ों पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाने की मांग बिजली के तार टूटने से जलकर फसल बर्बाद हुई है। उसके मुआवजे की मांग ओलावृष्टि से हुए नुकसान की सही तरह से सर्वे न किया गया है उसमें हुए भ्रष्टाचार की सही तरह से जांच की जाए। धरने पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गावर राष्ट्रीय महासचिव चौधरी लक्ष्मण सिंह जिला अध्यक्ष मथुरा थान सिंह पहलवान तहसील अध्यक्ष मांट चरण सिंह सहित भारतीय किसान यूनियन सुनील के आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर ब्रज के मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड

● गोवर्धन में गिरिराजजी की सप्तकोसीय, बरसाना में गहवरवन, मथुरा की लगाई परिक्रमा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। ब्रज के मंदिरों में अक्षय तृतीय पर्व पर आराध्य के दर्शनों को भक्तों का सैलाव आज उमड़ पड़ा। भक्तों ने जहां गोवर्धन, बरसाना, मथुरा की सूर्य की तपिश की चिंता किए बगैर परिक्रमा लगाकर दानपुण्य किए। भोर में मथुरा में यमुना जी में डुबकी लगाकर स्नान किया। वहीं गोवर्धन में मानसी गंगा, बरसाना प्रिया कुंड, वृषभानु कुंड, नंदगांव में यशोदा कुंड में स्नान किया। नगर के श्री कृष्ण जन्मस्थान, केशवदेव मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व पर विशेष पूजा अर्चना की गई। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारिकाधीश की विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागिश कुमार महाराज की आज्ञा अनुसार आज अक्षय तृतीया का पर्व ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में राजभोग के दर्शन में प्रातः 10 बजे ठाकुर द्वारकानाथ को चंदन लगाया गया और शीतलता से संबंधित सभी सतुआ, खरबूजा, ठंडाई, शिकंजी का भोग लगाया गया। भक्तों ने मंदिर में

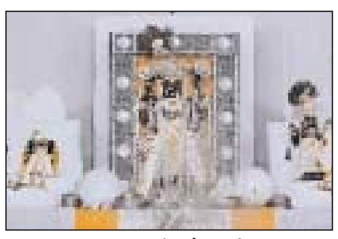

अक्षय तृतीया पर सफेद पोशाक में द्वारकाधीश मंदिर में प्रभु द्वारिकानाथ ने दिए दर्शन।

खरबूजा, पंखा और सतुआ अर्पित किया। प्रातरू काल से ही भक्तों का तांता लगा हुआ था और भक्त भी अपने आराध्य के दर्शन करने के लिए लालायित दिखाई दिए। गोवर्धन में भक्तों ने दानघाटी मंदिर, हरदेवजी मंदिर, गिरिराज मुकुट मंदिर मानसीगंगा, हरगोकुल मंदिर, जतीपुरा में गिरिराज मुखारविंद मंदिर, श्रीनाथजी के दर्शन और पूजा अर्चना की। मानसीगंगा में स्नान करके परिक्रमार्थियों ने गिरिराज महाराज की सप्तकोसी परिक्रमा लगाई। श्री राधाजी की नगरी बरसाना में अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों ने प्रातः चार बजे से देर रात्रि तक गहवरवन की परिक्रमा लगाई। यहां के प्रिया कुंड, वृषभान कुंड, प्रेम सवरोवर गाजीपुर, गहवरकुंड चिकसौली, त्रिवेणी कूप ऊंचागांव में स्नान करके भक्तों ने मंदिरों व आश्रमों में जाकर पूजा अर्चना करके दानपुण्य किया। इस अवसर पर यहां का

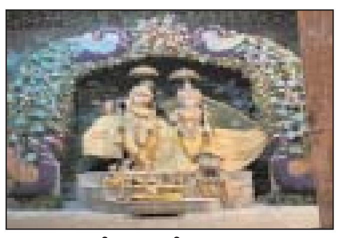

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर प्रभु देवकी नंदन के मयूरी श्रंगार के दर्शन हुए।

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गर्भग्रह के दर्शन।

विश्व प्रसिद्ध लाडली जी मंदिर को दुलहन की तरह सजाया गया था। पीली पोशाक में राधा जी व श्री कृष्ण अपने भक्तों को लुभा रहे थे। नंदगांव स्थित नंदबाबा मंदिर में माता यशोदा, बाबा नंद के साथ कृष्ण बलराम के दर्शन करके भक्तों ने अपने को निहाल किया। वहीं आशेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा की पूजा की गई। गोकुल, महावन, बलदेव में भी अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों की भीड़ लगी रही।

समस्तीपुर में मिड डे मील में निकले कीड़े ! छात्रों ने सड़क जाम कर किया हंगामा, बीडीओ ने दिए जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ करने का बड़ा मामला सामने आया है। जिले के विभूतिपुर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को छात्रों के मिड-डे मील में कीड़े मिले हैं। मिड डे मील में कीड़ा मिलने के बाद छात्र-छात्राओं ने सिंघिया घाट-हरिचक पथ पर कापन चौक के पास सड़क जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि छात्र भोजन की गुणवत्ता और समय पर न मिलने को लेकर पहले से ही नाराज थे। जब चावल में कीड़ा मिला तो उन्होंने स्कूल प्रधानाध्यापक के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बच्चों के परिजन ने भी स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। बच्चों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब खाने में गंदगी मिली हो। इससे पहले भी कई बार मिड-डे मील में कीड़ा और अन्य अशुद्ध चीजें मिलने की शिकायत

की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अभिभावकों ने बताया कि उनके बच्चे लगभग एक साल से खाने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया गया। जब स्थिति हाथ से बाहर हो गई तो बच्चों को सड़क पर उतरना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्रों व अभिभावकों को समझा-बुझाकर करीब दो घंटे बाद सड़क से जाम हटवाया। पुलिस की उपस्थिति में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई।

इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी विभूतिपुर, चंद्र मोहन पासवान ने कहा कि बच्चों और परिजनों ने मिड-डे मील में कीड़ा मिलने की शिकायत की है। इससे पहले भी ऐसी शिकायतें आई थीं। रसोईया की सफाई में लापरवाही सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है, दोषी पर कार्रवाई तय है। वहीं, प्रधानाध्यापक मनोज चौधरी ने पूरे मामले को साजिश करार देते हुए कहा कि मुझे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। कुछ ग्रामीण और शिक्षक मिलकर मेरे खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

समस्तीपुर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर लूटकांड का किया खुलासा, लूट की राशि के साथ 3 बदमाश गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर फाइनेंस कर्मी लूट कांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने 3 लुटेरों को गिरफ्तार किया है। साथ लूटी गई राशि में से 76 हजार रुपए भी बरामद किया गया है। यह जानकारी एएसपी संजय पांडेय ने आज प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार की दोपहर कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के विक्रमपुर बांदे गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मी नागेंद्र कुमार से करीब 94 हजार रुपए लूट लिए थे। इस घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस को घटना स्थल से कुछ साक्ष्य मिले थे, जिसके आधार पर पुलिस ने आगे छानबीन शुरू की। इसके बाद पुलिस ने उस साक्ष्य के आधार पर धुरलख गांव के प्रेमचंद्र कुमार उर्फ़ राघव को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से लूट की राशि व अन्य सामान मिले। जिसके बाद उसने पूछताछ में घटना में शामिल एक अन्य बदमाश और लाइनर का भी नाम बताया। इसके छापेमारी कर उन दोनों को भी गिरफ्तार लिया गया। इनके पास से लूट का अन्य सामान भी बरामद हुआ है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मुफस्सिल थाने के धुरलख गांव निवासी हरिलालन पासवान के पुत्र प्रेमचंद्र कुमार उर्फ राधव, अशोक पासवान का बेटा गोलू कुमार और कर्पूरी ग्राम थाने के विक्रमपुर बांदे गांव के मोहन राय के पुत्र राहुल कुमार के रूप में की गई है। इन बदमाशों के पास से लूटे गए बैग के साथ टैब, बायोमैट्रिक मशीन, 2 मोबाइल और लूट में इस्तेमाल बाइक भी बरामद किया गया है। एएसपी ने बताया कि लूटपाट के दौरान बदमाशों ने कहा कि इन

लोगों के पास कोई हथियार नहीं मिला है। पूछताछ में बताया है कि इन्होने घटना को अंजाम देने के लिए हथियार मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के एक गिरोह से भाड़े पर लिया था। जिसे लूट के बाद भाड़े की राशि में से 15 हजार रुपए किराए के रूप में दिया गया और हथियार भी वापस कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हथियार देने वाले गिरोह की पहचान हो गयी है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सपा ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र से आधा चेहरा काटकर उसमें अखिलेश यादव का आधा चेहरा जोड़कर उनका अपमान किया

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई समाजवादी पार्टी द्वारा जारी किए डॉ भीमराव अंबेडकर और अखिलेश यादव के पोस्टर पर देश भर में भाजपा ने प्रतिकार कर लगाया आंबेडकर के अपमान का आरोप। नगर के अंबेडकर पार्क पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की बराबरी में दिखाने पर इसे अपमान करार देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने सर्वप्रथम बाबा साहब की मूर्ति पर मार्ल्यापण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र से आधा चेहरा काटकर उसमें अखिलेश यादव का आधा चेहरा जोड़कर उनका अपमान किया है। भाजपा का एक भी कार्यकर्ता बाबा साहेब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।कहा, समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के आधे चित्र के साथ अखिलेश यादव का चित्र लगाकर उन्हें बाबा साहब जैसे महान व्यक्तित्व के बराबर दिखाया

गया है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया है। कहा कि कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम डॉ भीमराव आंबेडकर मेडिकल कॉलेज था। अखिलेश यादव को बाबा साहेब से इतनी नफरत है कि मुख्यमंत्री बनते ही बाबा साहेब का नाम हटा दिया। दलित और शोषित समाज के प्रति उनका प्यार सिर्फ वोट पाने तक सीमित है।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा जिला उपाध्यक्ष एसपी मौर्य प्रीतेश दीक्षित संदीप सिंह संजय सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, सत्येंद्र कुमार सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष डॉ अनुज गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया सत्यम शुक्ला आईटी प्रमुख सौरभ सिंह सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न आनंद मिश्र माधवगंज नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्रा गोपामऊ वली मोहम्मद, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, आज़ाद सिंह, मण्डल अध्यक्ष देवराज सिंह, शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक अनुराग मिश्र, नीरज अवस्थी, पारिषा तिवारी आदि मौजूद रहे।

आज रिलीज हो रही फिल्म द भूतनी में भूत बने हैं मथुरा के दुर्गी

● संजय दत्त के साथ ब्रज कलाकार दुर्गी ने किया है अभिनय

मथुरा। बॉलीवुड मूवी द भूतनी का इंतजार कर रहे दर्शक अब फिल्म बड़ी ही आसानी के साथ देख सकेंगे। बॉलीवुड ड्रामा फिल्म द भूतनी एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव द्वारा किया गया है एवं फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट व संजय दत्त हैं। फिल्म द भूतनी में संजय दत्त बाबा की भूमिका में नजर आएंगे। मौनी रॉय मोहब्बत की भूमिका में, सनी सिंह शांतनु की भूमिका, पलक तिवारी अनन्या की भूमिका, निक साहिल की भूमिका, आसिफ खान नासिर की भूमिका में दिखेंगे। वहीं मथुरा के कलाकार दुर्गी ने एक अच्छे भूत की भूमिका निभाई है। दुर्गी इन दिनों मुंबई में शूटिंग कर रहे हैं, उन्होंने मुम्बई से ब्रजवासियों को आग्रह करते हुए कहा है कि अधिक से अधिक लोग उनकी आगामी फिल्म द भूतनी को एक मई के दिन अपने नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर अवश्य देखें। फिल्म द भूतनी एक हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जो आपको जमकर इंटरटेनमेंट करेगी। फिल्म में ब्रज कलाकार

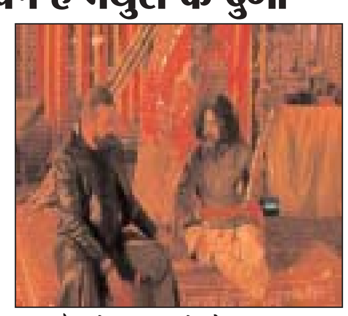

दुर्गी भैया ने एक अच्छे घोस्ट की भूमिका निभाई है, फिल्म द भूतनी में ब्रज कलाकार दुर्गी आपको संजय दत्त के साथ नजर आएंगे।